www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, बुधवार,13 दिसम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -248 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

देश के विकास में पांच डी लाभकारी : मुर्मू 02

■ संगठन को चुस्त-दुरस्त करने में जुटी कांग्रेस
■ सीवर की बदहाल हालत देख बिफरी आतिशी 03

■ युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र के साथ इजरायल के संबंध...
■ डर के साए में अफगानिस्तानी विशेष बल के कई जवान 07

बिग बी ने खुलासा, 'चाहे कोई मुझे' गाने में... 10

सार संक्षेप

मामा-भाई का रिश्ता टूटने नहीं दूंगा : शिवराज सिंह

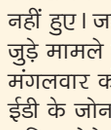

भोपाल। मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहचान महिलाओं के भाई और बच्चों के मामा के तौर पर बन चुकी है। मुख्यमंत्री के पद से विदाई लेते हुए उन्होंने कहा कि अंतिम सांस तक मामा और भाई के रिश्ते को टूटने नहीं दूंगा। मंगलवार को चौहान ने अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेरे प्रदेश की जनता से रिश्ते मुख्यमंत्री और जनता के नहीं बल्कि परिवार के रहे हैं।

ईडी के छठे समन पर भी हाजिर नहीं हुए हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ईडी के छठे समन पर भी उपस्थित नहीं हुए। जमीन घोटाले से जुड़े मामले में उन्हें मंगलवार को सुबह 11 बजे ईडी के जोनल ऑफिस में हाजिर होने को कहा गया था। सीएम सोरेन का काफिला दोपहर करीब ढाई बजे ईडी ऑफिस के पास से होते हुए रांची एयरपोर्ट पहुंचा और वे वहां से हेलिकॉप्टर पर दुमका के लिए रवाना हो गए। दुमका में उनका पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था।

चुनाव आयोग ने तेलंगाना के पूर्व डीजीपी का निलंबन रद्द किया

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग ने तेलंगाना के पूर्व पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार का निलंबन रद्द कर दिया है। उन्हें मतगणना के दिन सूबे के मौजूदा मुख्यमंत्री व तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात करने के बाद निलंबित कर दिया गया था। चुनाव आयोग ने इस मुलाकात को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर निलंबन की कार्रवाई की थी।

अनंतनाग में हथियारों के साथ दो गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में दो लोगों को पकड़ा और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। सेना ने अपने आधिकारिक एक्स-पोस्ट पर कहा, खुफिया सूचनाओं के आधार पर, 11 दिसंबर 2023 को भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा ज़बिलपुरा, बिजबेहरा, अनंतनाग में एक संयुक्त मोबाइल वाहन चेक पोस्ट (एमवीसीपी) स्थापित किया गया था।

बिहार इन्वेस्टर्स समिट आज से पटना में

पटना। दो दिवसीय इन्वेस्टर्स समिट-बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 बुधवार से पटना में शुरू होगा, जिसमें राज्य सरकार के अधिकारी बड़े कॉर्पोरेट घरानों और व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद करेंगे।

अब भजन लाल शर्मा का होगा राजस्थान में राज

■ दीया कुमारी, प्रेम चंद बैरवा बनाए जाएंगे उपमुख्यमंत्री ■ वासुदेव देवनानी को मिलेगा विधानसभा अध्यक्ष का पद

जयपुर, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। भाजपा ने एक और फिर चौंकाया है। पार्टी ने मंगलवार को पहली बार के विधायक भजन लाल शर्मा को राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री नामित किया। 25 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में जयपुर जिले के सांगनेर से चुने गए शर्मा भाजपा की राज्य इकाई में पदाधिकारी रहे हैं। नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव वसुंधरा राजे ने ही रखा।

पहली बार के विधायक है भजन लाल, सांगनेर से चुने गए

राज्य में दो उपमुख्यमंत्री पूर्व सांसद दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा भी होंगे, जबकि वासुदेव देवनानी को विधानसभा स्पीकर नियुक्त किया गया है। राजसमंद से सांसद रहीं दीया कुमारी ने विद्याधर नगर से विधानसभा चुनाव लड़ा था, जबकि बैरवा दूदू से विधायक चुने गए हैं। तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम घोषित होने के नौ दिन बाद हुई विधायक दल की बैठक में नामों को अंतिम रूप दिया गया। भरतपुर के निवासी होने के कारण चुनाव से पहले सांगानेर में कुछ लोगों ने शर्मा को 'बाहरी' करार दिया था। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस के पुष्पेंद्र भारद्वाज को 48,081 वोटों से हराकर भारी अंतर से जीत हासिल की।

हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे : भजनलाल शर्मा

आरएसएस के माने जाते हैं करीबी

शर्मा पार्टी संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दोनों के करीबी माने जाते हैं। पिछले 20 वर्षों से चार भाजपा अध्यक्षों अशोक परनामी, मदन लाल सैनी, सतीश पूनिया और सी.पी. जोशी के तहत वो राज्य महासचिव रहे हैं।

सांसदों के इस्तीफे ने बढ़ा दी थी सरगर्मी

इससे पहले राजस्थान के राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, जयपुर के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि वसुंधरा के अलावा किसी दूसरे चेहरे पर दांव खेल सकती है।

मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने चौंकाया

इससे पहले भाजपा ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव के नाम पर मुहर लगाकर सभी चौंका दिया था। वहीं, छत्तीसगढ़ में भाजपा ने विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री के लिए चुनकर सियासी गलियारे में हलचल मचा दी थी।

वसुंधरा राजे ने दिखाई थी ताकत

3 दिसंबर को नतीजे आने के बाद से ही वसुंधरा राजे ने अपनी ताकत दिखाने की पूरी कोशिश की। चार और पांच दिसंबर को उन्होंने जयपुर में अपने करीबी विधायकों के साथ बैठक की। इसके बाद दिल्ली पहुंचीं। यहां उनकी मुलाकात बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई। दिल्ली से लौटने के बाद भी जयपुर में वसुंधरा राजे ने विधायकों से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी ने वसुंधरा राजे के सामने स्पीकर बनाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

विष्णुदेव साय आज संभालेंगे छत्तीसगढ़ की कमान

राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में दोपहर दो बजे पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे

रायपुर, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। विष्णुदेव साय आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहेंगे।

श्री साय को राजधानी के साइंस कालेज मैदान में दोपहर दो बजे आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवायेंगे। इस मौके पर दो उप मुख्यमंत्रियों समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों को भी शपथ दिलाई जाएंगी।

कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा,केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया,भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन सहित अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। मनोनीत मुख्यमंत्री साय ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उप मुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को आज व्यक्तिगत रूप से फोन कर आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए तीन विशाल मंच बनाए गए हैं,जिसमें बीच के मंच में शपथ ग्रहण होगा तथा एक ओर अतिविशिष्ट आमंत्रित व्यक्तियों तथा दूसरी ओर नवनिर्वाचित विधायकों के लिए मंच बनाया जा रहा है। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल में विशिष्ट अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आमजनों के बैठने के लिए अलग-अलग सेक्टर बनाए जा रहे हैं।

■ प्रधानमंत्री मोदी भी रहेंगे मौजूद
■ तीन विशाल मंच बनाए गए

मध्य प्रदेश में भी शपथ ग्रहण समारोह आज

मोहन यादव मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनाव में बंपर जीत मिलने के बाद उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार निर्वाचित विधायक मोहन यादव को विधायक दल के नेता के तौर चुनकर पार्टी ने सभी को चंका दिया। यादव बुधवार 13 दिसंबर को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित समारोह में शपथ लेंगे। आयोजन की तैयारियां जोरों पर है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में राज्य की 230 में से 163 सीटों पर जीत दर्ज की।

राज्यसभा में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का विधेयक पारित

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। राज्यसभा ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त-(सेवा शर्तें और कार्यकाल) विधेयक 2023 पारित कर दिया है। विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, वेतन और उन्हें पद से हटाने के बारे में है। विधेयक के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति प्रवर समिति की सिफारिश पर की जाएगी। इस समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता या लोकसभा में सबसे बडी विपक्षी पार्टी का नेता शामिल होगा। कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, सरकार नियुक्ति के प्रावधान के साथ विधेयक लाई है क्योंकि इस साल अगस्त में लाए गए पहले विधेयक में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव आयोग को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बिल का कांग्रेस ने विरोध किया।

कांग्रेस ने बिल का किया विरोध

तीन नए विधेयक लोकसभा में पेश किए गए

गृह मंत्री अमित शाह ने आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन नए विधेयकों, भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता विधेयक-2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक-2023, को लोकसभा में पेश कर दिया। इससे पहले अमित शाह ने मानसून सत्र के दौरान 11 अगस्त, 2023 को लोकसभा में पेश किए गए तीन विधेयकों, भारतीय न्याय संहिता विधेयक-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक-2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 को सदन से वापस ले लिया था।

इंडिया गठबंधन का बदलेगा सुर

अब मोदी नहीं मुद्दों पर बनेगी रणनीति

सहयोगी दलों की हैसियत को ध्यान में रखते हुए सीटों के बंटवारे का फार्मूला तय होगा

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली 4-1 की शिकस्त का असर अब इंडिया गठबंधन की रणनीति पर भी पड़ता नजर आ सकता है। गठबंधन के घटक दलों के बीच मनमुटाव की खबरों के बीच कांग्रेस ने पहल करते हुए समाजवादी पार्टी,जनता दल यूनाईटेड व तृणमूल कांग्रेस समेत तमाम सहयोगी दलों के नेताओं से बातचीत कर इस बात का संकेत दिया है कि लोकसभा चुनावों में सहयोगी दलों की क्षेत्रीय हैसियत को ध्यान में रखते हुए सीटों के बंटवारे का फार्मूला तय किया जाएगा। साथ ही इसी के मद्देनजर न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत चुनावी मुद्दे भी तय होंगे। इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में मोदी हटाओ के एजेंडे के बजाय जनता से जुडे मुद्दों के वैकल्पिक एजेंडे के साथ चुनावी रण में उतरने की तैयारी में है।

अमित शाह इतिहास नहीं जानते : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इतिहास की जानकारी नहीं है और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश के लिए क्या किया इस बारे में वह पूरी तरह से अनभिज्ञ है। पंडित नेहरू ने भारत के लिए अपनी जान दे दी, वह वर्षों तक जेल में रहे।

19 दिसम्बर को दिल्ली में होगी बैठक

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि पहले लोकसभा चुनावों में जब किसी राष्ट्रीय पार्टी को बहुमत नहीं मिला था तो यूपीए या एनडीए ने न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत सरकार का गठन किया। लेकिन इंडिया गठबंधन चुनाव से पहले ही न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत एजेंडा तय कर जनता के बीच जाएगी। इंडिया गठबंधन की अगली बैठक में इसको लेकर चर्चा की जा सकती है। इसमें सामाजिक,आर्थिक और राजनैतिक मुद्दों को लेकर साझा कार्यक्रम तय करने पर विचार हो सकता है। गठबंधन का पूरा फोकस जनता से जुडे मुद्दे होंगे और इसी आधार पर वोट मांगा जाएगा। ताकि जनता खुद को मुद्दों के साथ जुडी पाए। बतादें कि गठबंधन की चौथी बैठक 19 दिसम्बर को दिल्ली में होने जा रही है।

सीबीएसई ने जारी किया बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए डेटशीट जारी कर दी। सीबीएसई की डेटशीट के मुताबिक 15 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू होगीं और 12वीं बोर्ड की आखिरी परीक्षा 2 अप्रैल तक चलेगी। जबकि, 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 13 मार्च को समाप्त हो जाएंगी। बोर्ड परीक्षाएं लगभग 55 दिनों तक चलेंगी। सीबीएसई 12वीं बोर्ड की पहली परीक्षा 15 फरवरी को है। पहली परीक्षा एंटरप्रेन्योरशिप की और आखिरी परीक्षा 2 अप्रैल को कंप्यूटर, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की है। वहीं, 10वीं कक्षा की बात की जाए तो 15 फरवरी को पहली परीक्षा पेंटिंग विषय की है। दसवीं बोर्ड की आखिरी परीक्षा 13 मार्च को है। इस दिन कंप्यूटर एप्लीकेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा है। 19 फरवरी को 12वीं के छात्र हिंदी की परीक्षा देंगे। 21 फरवरी को कॉस्ट अकाउंटिंग का एग्जाम होगा। 22 फरवरी को इंग्लिश विषय की परीक्षा है। 27 फरवरी को केमिस्ट्री का एग्जाम है। 29 फरवरी को ज्योग्राफी, 4 मार्च को फिजिक्स और 9 मार्च को गणित की परीक्षा ली जाएगी। वहीं, दसवीं कक्षा की बात की जाए तो 19 फरवरी को संस्कृत, 21 फरवरी को हिंदी, 26 फरवरी को इंग्लिश, 2 मार्च को विज्ञान, 7 मार्च को सामाजिक विज्ञान और 11 मार्च को गणित की परीक्षा होगी। सीबीएसई द्वारा जारी डेटशीट के मुताबिक परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली परीक्षा सुबह 10.30 बजे से शुरू होगी जो दोपहर 1.30 बजे तक चलेगी। सीबीएसई ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा, 2024 दसवीं और बारहवीं के लिए डेट शीट तैयार करते समय, बोर्ड ने इस दौरान होने वाली जेईई समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का भी ध्यान रखा है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक आमतौर पर दोनों कक्षाओं में एक छात्र द्वारा पेश किए जाने वाले दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतर दिया गया है।

■ 15 फरवरी से 2 अप्रैल तक होगी परीक्षाएं

नवम्बर में तेजी से बढ़ी खुदरा महंगाई दर

खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ी महंगाई

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दर अक्टूबर में चार महीने के निचले स्तर 4.87 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद नवंबर में फिर से बढ़कर 5.55 प्रतिशत हो गई। खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से जीवन यापन की लागत बढ़ गई और साथ ही घरेलू बजट भी बढ़ गया। आरबीआई के 4 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर मुद्रास्फीति में वृद्धि का मतलब है कि केंद्रीय बैंक दरों में कटौती नहीं करेगा। खाद्य मुद्रास्फीति, जो कुल कंज्यूमर प्राइस बास्केट का लगभग आधा हिस्सा है, अक्टूबर में 6.61 प्रतिशत की तुलना में नवंबर में 8.7 प्रतिशत बढ़ी। महीने के दौरान प्याज, फल और दालों जैसी सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ीं। आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से ये बात पता चली है। दाल देश के आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है। नवंबर में इसकी कीमत में 20.2 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई, जबकि सब्जियों की कीमतें 17.7 प्रतिशत तक बढ़ गईं।

5.5 फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

जेएनयू की नई आचार संहिता का छात्रों ने किया विरोध

छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज दबाने का प्रयास बताया

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने छात्रों के लिए एक आचार संहिता जारी की है, जिसे लेकर छात्रों ने अपना विरोध जताया है।

छात्रों व कई छात्र संगठनों का कहना है इस आचार संहिता में कुछ तानाशाही वाले नियम शामिल हैं। आचार संहिता में छात्रों के धरना प्रदर्शन करने आदि पर प्रतिबंध एवं जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

विश्वविद्यालय के छात्रों का कहना है कि वे आचार संहिता को छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन व छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास मानते हैं।

रैंकिंग | *विश्वव्यापी जीवन गुणवत्ता रैंकिंग में वियना शीर्ष पर*

भारत के सर्वश्रेष्ठ शहरों में हैदराबाद ने बेंगलुरु को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। 2023 के लिए मर्सर की विश्वव्यापी जीवन गुणवत्ता रैंकिंग में हैदराबाद 153वें, पुणे 154वें और बेंगलुरु 156वें स्थान के साथ भारतीय शहरों में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया में वियना को लिस्ट में टॉप पर रखा गया है। लिस्ट में चेन्नई 161वें स्थान पर चौथा भारतीय शहर है, इसके बाद मुंबई 164वें स्थान पर है। वहीं कोलकाता 170 और नई दिल्ली 172वें स्थान पर है।

मर्सर का जीवन स्तर का डेटा दुनिया भर में असाइनमेंट स्थानों पर प्रवासी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए दैनिक जीवन की व्यावहारिकताओं का आकलन करता है। वियना ने सूची में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जो आखिरी बार प्री-कोविड 2019 में प्रकाशित हुई थी। इसके बाद ज्यूरिक (स्विट्जरलैंड) और ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। निम्न गुणवत्ता वाले जीवन वाले स्थानों में कई अफ्रीकी शहर एन जामेना (चाड), बांगुई (मध्य अफ्रीकी गणराज्य) और खार्तूम (सूडान) शामिल हैं, जो क्रमश 236वें, 239वें और 241वें स्थान पर हैं। सना (यमन) सहित मध्य पूर्व के स्थान भी 238वें स्थान पर निचले स्थान पर हैं, जहां इसकी रैंकिंग मानवीय प्रयासों और पुनर्निर्माण पहलों पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता का संकेत देती है। इसके अलावा, बगदाद (इराक) 240वें स्थान पर है, जो अपने बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण करना चाहता है। टॉप 10 में 7 यूरोपीय देशों के अलावा, उच्च गुणवत्ता वाले जीवन स्तर वाले अन्य शहरों में नीदरलैंड का एम्स्टर्डम 14वें, नॉर्वे का ओस्लो 24वें, स्वीडन का स्टॉकहोम 26वें, फ्रांस का पेरिस 32वें, फ़िनलैंड का हेलसिंकी 34वें, और आयरलैंड का डबलिन 42वें स्थान पर हैं।

यूके में लंदन ने 45वां स्थान हासिल किया है, उसके बाद एबरडीन 49वां, एडिनबर्ग 51वां, ग्लासगो 54वां, बर्मिंघम 60वां और बेलफास्ट ने 67वां स्थान हासिल किया है।

■ लंदन ने 45वां स्थान हासिल किया
■ भारत में पुणे 154वें स्थान पर मौजूद

देश

उवाच

देश के किसान और जवान को सम्मान नहीं मिल रहा है। किसान परेशान है और केंद्र सरकार उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रही है। केंद्र सरकार जवानों की समस्याओं का भी समाधान नहीं कर पा रही है।

-गौरव गोगोई, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	20.0	10.0
मुंबई	27.0	23.0
कोलकाता	23.0	13.0
चेन्नई	27.0	25.0

देश के विकास में पांच डी लाभकारी : मुर्मू

लखनऊ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 5 डी (डिमांड, डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डिजायर व ड्रीम) है, जो विकास की यात्रा में लाभकारी है। भारतीय सूचना प्रौद्यागिकी संस्थान (आईआईआईटी) लखनऊ के द्वितीय दीक्षांत समारोह के संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था एक दशक पहले 11वें पायदान पर थी। आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है।

- राष्ट्रपति ने आईआईआईटी लखनऊ के दीक्षांत समारोह को किया बोधित
- राष्ट्रपति ने मेधावियों को डिग्री व मेडल किए प्रदान

हमारा सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने : द्रौपदी मुर्मू

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। यहां 55 फीसदी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम उमर की है। भारत प्रगतिशील व लोकतांत्रिक राष्ट्र हैं। हमारा सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। आप भी न केवल इस विजन के भागीदार बनें, बल्कि इसे पूरा करने के लिए सर्वस्व लगा दें। हमें प्रतिज्ञा करनी होगी जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरा कर रहा हो, तब आने वाली पीढ़ियां ऐसे भारत में जन्म लें, जो संपन्न-समृद्ध हो और जहां विकास समावेशित हो। उन्होंने मेधावियों को डिग्री व मेडल प्रदान करते हुए पदक पाने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रपति ने विद्यां ददाति विनयम्, विनयाद् याति पात्रताम। पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम श्लोक सुनाया और कहा कि विद्या विनय देती है और विनय से पात्रता आती है।

पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है। उन्होंने आशा जताई कि संस्थान के आदर्श वाक्यों के अनुकूल आचरण करते हुए नैतिकता के साथ समाज व देश के सशक्त व समृद्ध भविष्य के लिए कार्य करेंगे। मुर्मू ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। उन्होंने कहा कि आईआईआईटी लखनऊ को संसद के अधिनियम द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपार्टेंस का दर्जा दिया गया है। यह योग्यता, सामर्थ्य व दक्षता का परिचायक है। देश और समाज आशा करता है कि आप शिक्षा के क्षेत्र में न केवल सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरेंगे, बल्कि उत्कृष्टता व सर्वश्रेष्ठता के ऐसे आयाम स्थापित करेंगे, जो स्वयं में मापदंड होंगे। इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व बिजनेस जैसे विषयों में आईआईआईटी द्वारा प्रदान की जाने वाले शिक्षा, शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक व शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी विद्यार्थी शैक्षणिक जगत के शीर्षतम पायदान पर खड़े हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईआईटी को भारतीय परंपरा को बुनियाद बनाकर क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञानार्जन की सोच सकारात्मक कदम है। यह भाषायी सीमाओं की वजह से ज्ञान संवर्धन में आने वाली बाधाओं को दूर करने में बड़ा कदम साबित होगी। अनुसंधान व विकास को मूर्त रूप देकर समाज तक पहुंचाने व वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के समाधान योग्य बनाने के लिए इंक्यूबेशन सेंटर की (सीआरईएटीई) की स्थापना सराहनीय है। आईआईआईटी लखनऊ समाज व उद्योग जगत के सामने आने वाली चुनौतियों व समय के साथ उपजी मांगों के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूरदर्शिता व कल्पनाशीलता का उदाहरण है कि यह देश का पहला संस्थान है कि जिसने नई शिक्षा नीति के विजन को ध्यान में रखते हुए डिजिटल बिजनेस के लिए एमबीए कार्यक्रम शुरू किया।

मानव जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा एआई

ऑर्टिफिशयल इंटेलिजेंस मानव जीवन को आसान बनाने व उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साधन साबित हो रहा है। अपने व्यापक अनुप्रयोग के साथ एआई और मशीन लर्निंग जीवन के सभी पहलुओं को छू रहा है। हेल्थ केयर, एजूकेशन, एग्रीकल्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी, स्मार्ट मोबिलिटी व ट्रांसपोर्टेशन आदि क्षेत्रों में एआई और मशीन लर्निंग हमारी दक्षता व कार्यक्षमता में व्यापक स्तर पर सुधार के अनेक अवसर प्रस्तुत कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2018 में एआई के लिए राष्ट्रीय रणनीति प्रकाशित की थी। यूपी सरकार ने भी प्रमुख शहरों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने के लिए योगदान प्रारंभ किया है। एआई व अन्य समकालीन तकनीकी विकास असीमित, अभूतपूर्व डवलपमेंटल एवं ट्रांसफरमेटिव संभावनाएं प्रदान करता है। आवश्यक है कि एआई प्रयोग के साथ उत्पन्न नैतिक दुविधाओं का निराकरण सबसे पहले हो। चाहे आटोमेशन के कारण उत्पन्न रोजगार की समस्या हो या आर्थिक असमानता की चौड़ी होती खाई या फिर एआई के परिणामों में आने वाले मानवीय पूर्वाग्रह, हमें हर समस्या के लिए रचनात्मक हल ढूंढना होगा। सुनिश्चित करना होगा कि एआई के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस को भी महत्व दें। एआई साध्य नहीं, बल्कि साधन है। जिसका उद्देश्य मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में हो। हमारे प्रत्येक निर्णय से सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी लाभान्वित हो।

महुआ मोइत्रा को सरकारी घर खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। टीएमसी की तेजतर्रार नेता महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। पैसा लेकर सदन में सवाल पूछने के आरोप में आचार समिति की सिफारिश पर पहले उन्हें लोकसभा से निष्कासित किया गया, अब दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर भी खतरा आ गया है। लोकसभा की आवास समिति ने उन्हें नोटिस भेजकर 30 दिनों के भीतर घर खाली करने का फरमान सुना दिया है। मालूम हो कि लोकसभा सचिवालय ने गत शुक्रवार को महुआ मोइत्रा के निष्कासन की अधिसूचना जारी की थी। जिसमें कहा गया है कि 8 दिसम्बर 2023 की दोपहर से महुआ लोकसभा की सदस्य नहीं रहेंगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने खुद सदन में महुआ के निष्कासन की जानकारी देते हुए कहा था,यह सदन आचार समिति के निष्कर्ष को स्वीकार करता है कि महुआ मोइत्रा का आचरण एक सांसद के रूप में अनैतिक और अशोभनीय था। इसलिए उनका संसद में बने रहना उचित नहीं है। वहीं टीएमसी नेता ने लोकसभा अध्यक्ष के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हालांकि शीर्ष अदालत ने इसकी सुनवाई के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की है।

- तीस दिनों के भीतर करना होगा घर खाली

संसद से

जम्मू कश्मीर में महिलाएं होंगी और आत्मनिर्भर : जुगल किशोर

भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक 2023 और संघ राज्य क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 का पारित होने के बाद वहां (जम्मू-कश्मीर) की माताओं और बहनों को सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। भाजपा के जुगल किशोर शर्मा ने दोनों विधेयकों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि विधेयक के पारित होने के बाद जम्मू-कश्मीर विस में एक तिहाई सीटें महिलों के लिए आरक्षित हो जाएगी। उन्होंने लोकसभा में कहा कि मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर की महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं लाई है।

कोरोना के समय बढ़ाए गए ट्रेन किराए को वापस लेने का लोस में उठा मुद्दा

जदयू के कौशलेन्द्र कुमार ने मंगलवार को लोकसभा में सरकार से कोरोना के समय बढ़ाए गए विशेष ट्रेन किराए को वापस लेने की मांग की। कुमार ने शून्यकाल में सरकार से बढ़े हुए किराए को वापस करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय उनके संसदीय क्षेत्र नालंदा में जो विशेष ट्रेन चलाई गई थी लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी बढ़े हुए किराए वसूल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए बढ़े हुए किराए को तत्काल वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने नालंदा में नालंदा में इंटरसिटी के ठहराव की भी मांग की। जदयू नेता ने कहा कि कोरोना से पहले वरिष्ठ नागरिकों को किराए में छूट दी जाती थी लेकिन कोरोना के दौरान इस छूट को भी खत्म कर दिया गया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे किराये में मिलने वाली छूट को बहाल करने की मांग की।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध चिंतनीय : राउत

शिवसेना के विनायक राउत ने देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से इसके खिलाफ टास्क फोर्स बनाने की मांग की है। राउत ने लोकसभा में मंगलवार को शून्यकाल के दौरान महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस साल महिलाओं के खिलाफ अपराध में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में दुष्कर्म और अपहरण की अधिकतर घटनाएं हैं। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध को रोकने के लिए राज्यों के साथ मिलकर एक टास्क फोर्स बनाने की सरकार से मांग की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म जैसे अपराध के सबसे अधिक शीर्ष पांच राज्यों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व हरियाणा शामिल है।

मछली चारा आपूर्ति के लिए 1171 मिलों की स्थापना को मंजूरी

सरकार ने मंगलवार को संसद में बताया कि मत्स्य पालकों को गुणवत्तापूर्ण मत्स्य आहार आपूर्ति की सुविधाएं बढ़ाने के लिए अब तक मत्स्य पालन विभाग ने 586.12 करोड़ की कुल लागत से 1171 फीड (चार) मिलों की स्थापना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी देते हुए कहा कि इनकी क्षमता दैनिक 0.5 से दो टन चारा उत्पादन की है। उन्होंने बताया कि जिसमें 229 इकाइयां केंद्रीय योजना नीली क्रांति (वित्त वर्ष 2015-16 से 2019-20) के अंतर्गत मंजूर की गई हैं। इनकी लागत 51.99 करोड़ रुपए है। बाकी 942 इकाइयां प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मंजूर की गई हैं जिन पर 534.13 करोड़ रुपए की कुल लागत आने का अनुमान है।

देश में नैनो यूरिया का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है : मांडविया

सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि देश में नैनो यूरिया के नौ संयंत्र काम कर रहे हैं और वर्ष 2025 तक 13 संयंत्र काम करना शुरू कर देंगे जिनकी क्षमता नैनो यूरिया की 44 करोड़ बोतल उत्पादन करने की होगी। रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि देश में उर्वरक उत्पादन 285 लाख टन तक पहुंच गया है और इसे निरंतर बढ़ाया जा रहा है जिससे कि इस क्षेत्र में आयात पर निर्भरता को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि देश में उर्वरक की जरूरतों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय यूरिया नीति के तहत सभी संयंत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी चीन सहित कुछ देशों से करीब 200 लाख टन यूरिया का आयात किया जाता है। इसके लिए सभी से निविदा मंगाई जाती हैं और पारदर्शी तरीके से खरीद की जाती है।

सार संक्षेप

विपक्ष ने न्यायमूर्ति लोया आत्महत्या मामला उठाया

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधान परिषद को वह न्यायमूर्ति बी एच लोया आत्महत्या मामले की जांच में शीघ्र ही ठोस कदम उठाए जाने का आश्वसान दिया। शिंदे उच्च सदन में यह आश्वासन तब दिया जब विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने न्यायमूर्ति लोया आत्महत्या के मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। न्यायमूर्ति ने नागपुर में कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी और उनका शव रहस्यमय परिस्थितियों में मिला था। इस बीच, सतारा जिले के कोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के किसानों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए मुख्यमंत्री को 8.21 लाख रुपए का चेक सौंपा।

मप्र के अलीराजपुर में बोरवेल में गिरा मासूम

अलीराजपुर। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में मंगलवार को दो वर्ष का एक मासूम बच्चा बोरवेल में गिर गया, जिसे बचाने के लिए बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जिले के ग्राम खंडाला डावरी फलिया में करीब दो वर्ष का मासूम बच्चा शाम को खेलते समय एक बोरवेल में गिर गया। बच्चे का नाम विजय बताया गया है, जो यहां अपने रिश्तेदार के घर आया था। बच्चा बोरवेल में करीब 25 फिट की गहराई में फंसा हुआ है। खबर लिखे जाने तक राहत कार्य जारी रहा।

दलाई लामा की झलक पाने को जुटे हजारों लोग

गंगटोक। सिक्किम के पलजोर स्टेडियम में मंगलवार को तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने बोधिसत्व की 37 प्रथाओं पर उपदेश दिया और अध्यात्मिक नेता की एक झलक पाने के लिए हजारों श्रद्धालु आयोजन स्थल और शहर के विभिन्न स्थानों पर विशाल स्क्रीन के सामने एकत्रित हुए। सिक्किम की अपनी यात्रा के दूसरे दिन दलाई लामा ने रुमटेक में करमापा पार्क परियोजना और सिमिक-खामदोंग में ग्यालवा ल्हात्सुन प्रतिमा परियोजना की भी आधारशिला रखी।

बिहार इन्वेस्टर्स समिट पटना में आज से

पटना। दो दिवसीय इन्वेस्टर्स समिट-बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 बुधवार से पटना में शुरू होगा, जिसमें राज्य सरकार के अधिकारी बड़े कॉर्पोरेट घरानों और व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद करेंगे और उन्हें बिहार में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेंगे। बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने मंगलवार को यहां कहा कि सरकार विकास की गति तेज करने के लिए राज्य में निवेश आकर्षित करने की पूरी कोशिश कर रही है।

बिहार के मुंगेर में तस्करों पर कसा शिकंजा

पटना/मुंगेर, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुंगेर जिला इतिहास के पन्नों पर अपनी एक अलग पहचान रखता है यह जिला जहां एक ओर राजा दानवीर कर्ण की भूमि, सूफी संत पीर नफा शाह की धरती, योग सिटी के रूप में जाना जाता है तो वहीं दूसरी ओर मुंगेर अवैध हथियार निर्माण और उसकी तस्करी के लिए भी बदनाम है। अवैध हथियार निर्माण और उसकी तस्करी को रोकने के लिए जिला पुलिस आए दिन छापेमारी करती है। इसी कड़ी में मुंगेर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सदर एसडीपीओ राजेश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बाटा चौक के पास कोतवाली थानाध्यक्ष धीरेंद्र पांडे के नेतृत्व में रोको टोको अभियान के तहत वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था तभी पुलिस को देख बाइक सवार तीन लोग भागने लगे। जिसे खदेड़कर पुलिस ने अशोक स्तंभ के पास पकड़ लिया। जब पुलिस ने तीनों की तालाशी ली तो उसके पास से 7 पेन पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस, 1.90 लाख रुपया बरामद किया गया। पुलिस ने तीनों का मोबाइल और बाइक जब्त कर लिया। तीनों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मिर्जापुर बरदह गांव निवासी मो.जमशेर उर्फ नफरू, पश्चिम बंगाल के गोपालनगर थाना क्षेत्र के क्षमता मिठुपाड़ा निवासी विलाल मंडल एवं अरमान मंडल के रूप में हुई है।

- सात पेन पिस्टल,14 जिंदा कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

तेलंगाना में गारंटी पूर्ण करने में जुटी सरकार

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक सप्ताह से भी कम समय में दो गारंटी पूरी करने के बाद तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार अब शेष चार गारंटी को पूरा करने के लिए कदम उठा रही है, लेकिन उनके कार्यान्वयन के लिए पिछले कुछ दिनों के दौरान हुई समीक्षा बैठकों से पता चलता है कि उसे वित्तीय चुनौतियों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी और मंत्री अन्य गारंटियों को पूरा करने के लिए तौर-तरीके विकसित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ कई समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। राज्य में वित्तीय समस्या के बावजूद मुख्यमंत्री और मंत्री 100 दिनों के भीतर सभी गारंटी को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहे हैं। गारंटी को लागू करने के तौर-तरीकों पर काम करते हुए सरकार हर विभाग के वित्त के बारे में डेटा भी एकत्र कर रही है और एक श्वेतपत्र जारी करने का निर्णय लिया है, ताकि लोगों को सभी विभागों की वित्तीय स्थिति के बारे में तथ्य पता चल सके।

- हर विभाग के वित्त के बारे में डेटा एकत्र कर रही सरकार
- संबंधित विभागों के साथ कई समीक्षा बैठकें का दौर जारी

बिजली क्षेत्र पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक के दौरान और गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली की गारंटी के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बिजली क्षेत्र का कुल कर्ज लगभग 81,000 करोड़ रुपये है और इसके कार्यान्वयन की जानकारी दी गई। इस योजना पर हर साल 4,000 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। टीएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवरेज को 10 लाख रुपये तक बढ़ाना, राजीव आरोग्यश्री दो गारंटी हैं, जिन्हें कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभालने के तीन दिनों के भीतर पूरा किया।

राज्य में 89,98,546 खाद्य सुरक्षा कार्ड

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि आज तक तेलंगाना में 89,98,546 खाद्य सुरक्षा कार्ड हैं और लगभग 11.02 लाख नए आवेदन लंबित हैं। पीडीएस के माध्यम से कुल 6,47,479 कार्डधारियों को छह किलो चावल मुफ्त मिल रहा है। छह किलोग्राम में से पांच किलोग्राम चावल केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदान किया जा रहा है और शेष 1 किलोग्राम चावल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

बिहार पर टिकी केंद्रीय नेतृत्व की नजर

पटना, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेता बिहार में काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व की नजर लगातार बिहार पर बनी हुई है। ऐसे में पटना आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सरकारी बैठक के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कई महत्वपूर्ण तक दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की जहां सबसे पहले गृह मंत्री ने भाजपा नेताओं को तीन राज्यों में प्रचंड जीत हासिल करने की बधाई दी उसके बाद बिहार के राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण टास्क दिए गए। बताया जाता है कि इस बैठक में

- लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के नेता दिख रहे काफी सक्रिय

स्पेशल स्टेट का मुद्दा उठा तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सबको पता है की बिहार को स्पेशल स्टेट का दर्जा नहीं मिल सकता है। लेकिन यह लोग इसे लोकसभा चुनाव तक मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे। इसलिए आप लोग इस मुद्दे को अधिक तवज्जो न दें और इसे जितना जल्द हो सके उतना जल्द सफाई देकर खत्म कर सके। इसके अलावा इस बैठक में जदयू के बाकी नेताओं पर भी बातचीत हुई जिस पर अमित शाह ने कहा कि जो भी जदयू नेता भाजपा के में आना चाहते हैं वह पहले भाजपा ज्वाइन करें उसके बाद देखा जाएगा कि उन्हें क्या पद देना है और नहीं देना है। इस दौरान वापस से एनडीए में नीतीश कुमार के एंट्री को लेकर भी सवाल किए गए।

लोकसभा चुनाव को लेकर बैठकें तेज

वहीं लोकसभा चुनाव को लेकर अन्य मुद्दों पर बातचीत हुई लेकिन इस बैठक में क्या निर्णय लिया गया और अमित शाह नेताओं को लोकसभा चुनाव के लिए क्या कुछ मंत्र दिए हैं इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल निकलकर सामने नहीं आई है। आपको बताते चले कि, बिहार भाजपा कोर कमेटी के बैठक में प्रदेश अस्त्र के संगठन से जुड़े नेताओं ने भी हिस्सा लिया था लगभग 30 नेताओं को बैठक में हिस्सा लेने की इजाजत थी यह बैठक 1 घंटे 15 मिनट तक गृह मंत्री के साथ चली।

केरल में अवैध भर्ती एजेंटों के खिलाफ चेतावनी जारी

तिरुवनंतपुरम, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने केरल में विदेश में रोजगार चाहने वालों द्वारा अवैध भर्ती एजेंटों के खिलाफ बड़ी संख्या में धोखाधड़ी के मामलों को देखते हुए भर्ती एजेंटों के खिलाफ एक चेतावनी जारी की है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यह देखा गया है कि कनाडा, इज़राजल और यूरोप में फर्जी नौकरियों की पेशकश करने वाले अवैध भर्ती एजेंटों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामलों में भारी वृद्धि हुई है। बयान में कहा गया है कि ये अवैध एजेंट विदेश मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त किए बिना काम करते हैं तथा कई अवैध एजेंट फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए काम करते हैं और अपने ठिकानों और संपर्कों के बारे में बहुत कम या कोई विवरण नहीं देते हैं। जिससे कॉल करने वाले के स्थान और पहचान और नौकरी की पेशकश की वास्तविकता का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। ढ

मंत्रालय ने कहा कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए, विदेश में नौकरी चाहने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे केवल पंजीकृत भर्ती एजेंटों (आरए) की सेवाओं का उपयोग करें। सभी पंजीकृत आरए को एक लाइसेंस नंबर जारी किया जाता है, जिसे उनके कार्यालय परिसर और समाचार पत्रों और सोशल मीडिया सहित उनके विज्ञापनों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता है। बयान में कहा गया है कि प्रवासियों को सलाह दी जाती है कि वे सरकारी वेबसाइट पर जाकर सक्रिय आरए की सूची लिंक पर क्लिक करके आरए की वास्तविकता की जांच करें।

आंकड़े

लोकसभा में पेश प्रवासी परिवारों से जुड़े आंकड़ों में खुलासा

जम्मू-कश्मीर में बीते पांच वर्षों में 134 जवानों ने गंवाई जान

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से जुड़े आंकड़ों को लेकर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक 46,631 कश्मीरी प्रवासी परिवार, जिनमें 1,57,967 व्यक्ति शामिल हैं। जिन्हें सुरक्षा कारणों से घाटी से पलायन।

करना पड़ा था। ये सभी राहत संगठन (प्रवासी) जम्मू-कश्मीर के साथ पंजीकृत है। इसके अलावा कई कश्मीरी प्रवासी परिवार देश के अन्य हिस्सों में चले गए हैं। सरकार ने कश्मीरी प्रवासियों को घाटी में वापस लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। लोकसभा में लिखित उत्तर में कहा कि जम्मू और कश्मीर सरकार ने अगस्त 2021 में एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए कश्मीरी प्रवासी अतिक्रमण, स्वामित्व

- गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी जानकारी

परिवर्तन, उत्परिवर्तन और संकट बिक्री के संबंध में ऑनलाइन शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। अब तक 2924 कनाल और 19.55 मरला भूमि पुन: प्राप्त की जा चुकी है। अब तक 1,60856 अधिवास प्रमाण पत्र, 2035 पिछड़े क्षेत्र के निवासी (आरबीए) प्रमाण पत्र, 902 ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र और 31,672 प्रवासी प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। भारत सरकार ने पहले कर्नाटक में दो इंडिया रिजर्व बटालियन को मंजूरी दी है। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार की ओर से दो नई इंडिया रिजर्व बटालियन स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। 17 दिसंबर 2022 को कोलकाता में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में परिषद ने विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही कहा कि विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) सहित सेना, सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सुरक्षाकर्मी जो 2018 से 2022 तक पिछले पांच वर्षों के दौरान मुठभेड़ों में मारे गए, उनकी संख्या 134 है। पुदुचेरी सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केंद्रशासित प्रदेश में एक नए विधानसभा भवन के निर्माण का प्रस्ताव प्रारंभिक/अवधारणा चरण में है। पुदुचेरी में नए विधान सभा भवन के निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता की मांग करने वाला कोई विस्तृत प्रस्ताव पुदुचेरी सरकार द्वारा गृह मंत्रालय को नहीं भेजा गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय देश में मानव रहित हवाई वाहनों के संचालन को नियंत्रित करता है। मानव रहित हवाई वाहनों के उपयोग को विनियमित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा ड्रोन नियम, 2021 को अधिसूचित किया गया है। इन नियमों में प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराए बिना और एक विशिष्ट पहचान संख्या प्राप्त किए बिना मानव रहित हवाई वाहन का संचालन नहीं करेगा। ये नियम मानव रहित हवाई वाहनों में किसी भी हथियार, गोला-बारूद, खतरनाक सामान आदि की ढुलाई पर भी रोक लगाते हैं।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

सुरेश, डॉक्टर से : जब मैं सोता हूं तो सपने में बन्दर फुटबॉल खेलते हैं।
डॉक्टर : कोई दिक्कत नहीं, ये गोली रात को सोने से पहले खा लेना।
सुरेश : कल से खाऊंगा, आज तो फाइनल हैं।

संगठन को चुस्त–दुरस्त करने में जुटी कांग्रेस

दिल्ली कांग्रेस ने 14 जिलों में किए पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर चुस्त दुरस्त करने और कांग्रेस की नीतियों व कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने के लिए लगातार की जा रही कवायद की कड़ी में मंगलवार को कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया से परामर्श करने के बाद सभी 14 जिलों में पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पर्यवेक्षक पहले से ही जिलों में कार्यरत समिति का न केवल हिस्सा होंगे बल्कि आपस में समन्वय स्थापित करके जमीनी स्तर पर काम करेंगे। लवली ने नामों की घोषणा करते हुए बताया कि पूर्व विधायक सर्वश्री भीष्म शर्मा (कृष्णा नगर), कुंवर करण सिंह (करावल नगर), ब्रहम यादव (नई दिल्ली), जय किशन शर्मा, (महरौली), सतपाल सैठी (तिलक नगर), कैप्टन खविन्दर सिंह (नजफगढ़), चतर सिंह (करोल बाग), सुनील वोहरा (पटपडग़ंज),

आपस में समन्वय स्थापित करके जमीनी स्तर पर करेंगे काम : अरविंदर सिंह लवली

लक्ष्मण रावत (बाबरपुर), जगजीवन शर्मा (रोहिणी), सुखबीर शर्मा (चांदनी चौक), हरी किशन जिंदल (बदरपुर) राजकुमार इंदोरिया (आदर्श नगर) राजेश चौपड़ा (किराड़ी) यह शामिल है। लवली ने कहा कि इसी सप्ताह पहले से कार्यरत कमेटी व पर्यवेक्षकों की एक संयुक्त बैठक भी बुलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी 280 ब्लॉकों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को ब्लॉक अध्यक्ष व अन्य जिम्मेदारियों देने की सिफारिश यह पर्यवेक्षक करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पर्यवेक्षक सभी वरिष्ठ नेताओं, छोटे बड़े कार्यकर्ताओं व उस जिले के सभी लोगों से बातचीत करने के बाद यह सर्वसम्मत निर्णय करेंगे। बता दें कि पार्टी पहले से ही जमीनी स्तर पर भाजपा के खिलाफ जोरदार अभियान चलाए हुए है और उसी अभियान को तेज गति से गली मोहल्लों तक पहुंचाने के लिए यह कवायद की जा रही है।

कांग्रेस पार्षदों ने की निगमायुक्त से मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस के पार्षदों ने दिल्ली नगर निगम वे आयुक्त ज्ञानेश भारती से मुलाकात की। निगम पार्षदों के साथ कांग्रेस के निगम प्रभारी जितेंद्र कोच्चर सहित जाकिर नगर वार्ड से पूर्व पार्षद शोएब दानिश भी मौजूद थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए दिल्ली नगर निगम में नेता कांग्रेस दल और ज़ाकिर नगर से पार्षद नाजिया शोएब दानिश ने बताया कि आज हमने अपने कांग्रेस के सभी पार्षदों के साथ एमसीडी कमिश्नर ज्ञानेश भारती जी से मुलाकात की। इस दौरान सभी पार्षदों के वार्ड में जो भी समस्याएं हैं हमने कमिश्नर साहब के सामने रखी जिसके बाद उन्होंने आश्वासन दिया की सभी पार्षदों की वार्ड की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। इस दौरान पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर, समीर अहमद, नाजिया खातून, सबीला बेगम, जरीफ आदि उपस्थित थे।

अथक समर्पण व टीम वर्क सफलता के प्रमुख बिंदु : गौड़

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। समूह कार्य और अथक समर्पण किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च सफलता के लिए महत्वपूर्ण बिंदु हैं। यह बात भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान सोमजीत सिंह गौर ने कही। अंतरराष्ट्रीय विकलांगता दिवस के उपलक्ष्य में प्रोपल्स स्पोर्ट्स के उद्घाटन समारोह में गौर ने खेल में अद्वितीय चुनौतियों से निपटने पर एक महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबोधित किया। उनकी अंतर्दृष्टि ने बाधाओं पर काबू पाने, व्हीलचेयर क्रिकेट को अनुकूलनशीलता, टीम वर्क और निरंतर समर्पण के क्षेत्र में बदलने के लिए एक रोडमैप प्रदान किया। गौड़ ने इस बात पर जोर दिया कि अद्वितीय चुनौतियों से निपटने के लिए बहुमुखी नजरिया, अनुकूलन क्षमता, टीम वर्क और अथक समर्पण के मिश्रण की आवश्यकता होती है। मुख्य भाषण में उन्होंने उन महत्वपूर्ण रणनीतियों की रूपरेखा तैयार की जो व्हीलचेयर क्रिकेट के परिदृश्य को नया आकार दे रही हैं।

विश्व को युद्ध नहीं, बुद्ध की जरूरत है : रामदास आठवले

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। देश के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के अधूरे सपने को साकार किए जाने के लिए आगामी 16 दिसम्बर 2023 को मुंबई के रेसकोर्स स्तिथ महालक्ष्मी मैदान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्व के 18 देशों के बौद्ध प्रतिनिधि भाग लेंगे और मुख्य अतिथि के रुप में बौद्ध धर्म के विश्व गुरु दलाई लामा जी उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि वर्तमान परिदृष्य में विश्व को युद्ध नहीं, बुद्ध की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद के प्रमुख आयोजक एवं डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर धम्म परिषद के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले जी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने 14 अक्टूबर सन 1956 को नागपुर में लाखों लोग के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा लिया था। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी 16 दिसम्बर 1956 को मुंबई के रेसकोर्स स्तिथ महालक्ष्मी मैदान में बौद्ध धम्म दीक्षा समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकिन बाबा साहब के महापरिनिर्वाण के चलते आयोजन हो नहीं पाया था। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा.रामदास आठवले ने बताया कि तथागत महामानव गौतम बुद्ध जी के सत्य, अहिंसा, मानवता, करुणा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित होने समारोह में चीन, अमेरिका जापान, वियतनाम, थाईलैंड, म्यामार, दक्षिण कोरिया, ताइवान, श्रीलंका, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, नेपाल , रूस, बांग्लादेश, सिंगापुर सहित कई देश के प्रतिनिधी उपस्थित रहेंगे।

■ 16 दिसम्बर को मुंबई के रेसकोर्स महालक्ष्मी मैदान में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद समारोह

सार संक्षेप

फैशन उद्योग में उतार-चढ़ाव होता रहता है : निखिल मेहरा

नई दिल्ली। टेटे-ए-टी का विशेष सत्र प्रभा खेतान फाउंडेशन और लंबे समय से मेजबान अद्वैत काला की पहल की बदौलत व्यक्तिगत रूप से आयोजित किया गया। टेटे-ए-टी फाउंडेशन की इन कन्वर्सेशन श्रंखला के कार्यक्रमों में से एक है, जो संस्कृति और विरासत पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, दर्शकों को उल्लेखनीय लोगों के साथ बातचीत करने और विचारोत्तेजक चर्चाओं में भाग लेने का शानदार मौका मिलता है। फैशन उद्योग की एक प्रतिष्ठित हस्ती निखिल मेहरा आज की पहचान थे। कनॉट आईएचसीएल सेलेक्शंस, अद्वैत काला की कहली और दिल्ली की एहसास महिलाएं के समर्थन में, पीकेएफ की एहसास महिलाओं की रूही सयाल, विन्ती कथूरिया का विशेष उल्लेख भी था और सीएसआर प्रयास के रूप में श्री सीमेंट ने इसे प्रायोजित किया। कार्यक्रम के दौरान उद्योगों के दो अग्रणी, विश्व स्तर पर प्रसिद्ध शांतनु और निखिल इंडियन कॉउचर लेबल और संवादी अद्वैत काला की प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर निखिल मेहरा के साथ बातचीत हुई।

ईबे इंडिया के प्रमुख हब में से एक के रूप में उभरी

नई दिल्ली। दुनिया भर में लाखों खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ने के मिशन के साथ ग्लोबल कॉमर्स लीडर ईबे ने अपना फोकस दिल्ली के विविध एक्सपोर्ट मार्केट के भीतर प्रमुख श्रेणियों के विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया है। भारतीय ऑटो पार्ट्स और एसेसरीज की एक्सपोर्ट में मजबूत उपस्थिति के साथ, दिल्ली अपनी स्ट्रैटेजिक लोकेशन, स्किल्ड वर्कफोर्स और बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण इंडस्ट्री के लिए एक आशाजनक बाजार के रूप में उभर रहा है। क्रॉस बार्डर ई-कॉमर्स को भारतीय सेलर के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक के रूप में पहचानते हुए, कैटेगरी, एक्यूजिशन एंड मार्केटिंग हेड पवन पोनप्पा, ने कहा कि भारत का ई-कॉमर्स क्षेत्र सरकार द्वारा सपोर्टेड ग्रोथ के लिए तैयार है। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले विक्रेता हमारे क्रॉस बॉर्डर ट्रेड एक्सपांशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ईबे, बिजनेस × इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स और ऑटो पार्ट्स एंड एसेसरीज जैसी श्रेणियों पर जोर देते हुए, दिल्ली एनसीआर में हाई सप्लाई से लाभान्वित होता है।

एक्सिस बैंक ने ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए ऋण प्रदान किया

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक ने प्राइवेट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप पीआईडीजी की एक इकाई गारंटको के साथ साझेदारी में इम्पैक्ट केंद्रित गैर-बैंक वित्तीय संस्थान विवृति कैपिटल को 2.5 बिलियन रुपए लगभग 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर का तीन साल का ऋण प्रदान किया है। भारत में ई-मोबिलिटी ईको सिस्टम के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को ऋण देने की अपनी रणनीति के तहत बैंक ने यह ऋण राशि प्रदान की है। इस तरह ई-मोबिलिटी कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की दिशा में आसानी होगी। बताया गया किया गारंटको ने इस लेनदेन के लिए एक्सिस बैंक को 50 प्रतिशत ऑन-डिमांड क्रेडिट गारंटी प्रदान की है। इस अवसर पर एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव आनंद ने कहा कि एक्सिस बैंक भारत के ई-मोबिलिटी क्षेत्र में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। गारंटको के साथ हमारी साझेदारी हमें विवृति कैपिटल को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता देने के लिए सशक्त बनाती है और इस तरह हम समुदायों को मजबूत बनाते हुए पर्यावरण की दिशा में सकारात्मक नतीजे लाने की हमारी प्रतिबद्धता के साथ और गहराई से जुड़ जाते हैं।

सीवर की बदहाल हालत देख बिफरी आतिशी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। सीवर शिकायतों के मद्देनजर निरीक्षण की श्रृंखला को जारी रखते हुए जल मंत्री आतिशी ने मंगलवार को मटिया महल विधानसभा क्षेत्र में चितला गेट और नेहरू हिल जे.जे कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों में जाकर निरीक्षण किया। सीवर की बदहाल हालत देख जलमंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि, सीवर सुविधा जनता की बुनियादी ज़रूरत है। इसमें लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कई, अधिकारी ज़िम्मेदारी के साथ अपना काम करें वर्ना कड़े परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

बता दें कि, यहाँ लोगों से लगातार सीवर की शिकायतें मिल रही थी उसके बावजूद अधिकारियों द्वारा उसके समाधान को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा था। ऐसे में जल मंत्री ने स्वयं ग्राउंड जीरो पर उतरकर समस्या का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान लोगों ने जल मंत्री से साझा करते हुए कहा कि लंबे समय से सीवर की सफ़ाई न होने के कारण गलियों में सीवर का गंदा पानी बहता है, इससे बहुत परेशानी होती है और जब लोग अधिकारियों से इस विषय में शिकायत करते है तो लोग इसे नज़रअंदाज करते है।बार बात शिकायतों के बावजूद सीवर समस्या को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया और अधिकारी समस्या सुनने के लिए तैयार नहीं है।

जनता की शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए जलमंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने लापरवाही की कोई जगह नहीं है। अधिकारियों को हमेशा जनता के प्रति जबाबदेह होना चाहिए अगर कोई भी अधिकारी इसमें लापरवाही दिखाते है तो अपने खिलाफ कड़े एक्शन के लिये तैयार रहे। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में सीवर की सभी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश दिए।

औचक निरीक्षण के दौरान जल मंत्री ने पाया कि कई गलियों में सीवर का पानी सीवर के बाहर बह रहा है, इससे लोगों को काफ़ी परेशानियों हो रही है और गालियां भी क्षतिग्रस्त हो रही है।

■ मटिया महल विधानसभा क्षेत्र में किया दौरा
■ जिम्मेदार लोगों पर लिया जाए सख्त कार्रवाई
■ जल मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश

जनता के काम रुकने नहीं देंगे : आतिशी

जल मंत्री ने अधिकारियों की कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि, एक्सपर्ट्स और तकनीक की मदद से पूरे इलाके में जल्द से जल्द सीवर लाइनों को साफ़ करवाया जाए और सभी संबंधित अधिकारी रोजाना ग्राउंड विजिट करें। जल मंत्री आतिशी ने लोगों से वादा करते हुए कहा कि, चाहे कितनी भी बाधाएं आ जाए लेकिन जब तक अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री है वो दिल्ली की जनता के काम रुकने नहीं देंगे।

■ नई दिल्ली में सर्दी की आहट के बीच धुंध भरे मौसम में कर्तव्य पथ पर चहल कदमी करते लोग।
फोटो इम्तियाज खान

नेशनल गांधी शिल्प बाजार का लोगों ने उठाया लुत्फ

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-11 स्थित डीडीए ग्राउंड में चल रहा नेशनल गांधी शिल्प बाजार एवं स्वावलम्बन मेला आज पांचवें दिन जहां एक ओर लोग कपड़े, मिट्टी, पत्थर, बांस आदि से बनी कलात्मक वस्तुएं, बनारसी साड़ी, कालीन वगैरह की खरीद-दल में मशगूल तारीफों के पुल बांधते रहे।

मेला आयोजक सिडबी के सी जी एम डॉ एसएस आचार्य के नेतृत्व में अधिकारियों ने मेले की तकरीबन सभी कारीगरी की प्रसंशा की। उन्होंने परम्परागत कारीगरी में फ्यूजन और पैकेजिंग को जोड़कर उसकी मार्केटिंग बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ.आचार्य ने शिल्पकारों को अपनी दस्तकारी/शिल्प को अच्छी डिजाइन देकर उसे परवान चढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री की 17 सितंबर को लांच पीएम विश्वकर्मा से जुड़ने का आह्वान किया। मेले का प्रबंधन देख रही फ़लाह हैंडीक्राफ्ट सोसाइटी के कर्ताधर्ता मोहम्मद यामीन खान ने सिडबी और भारत सरकार का धन्यवाद किया कि उनकी नई योजनाओं का ही नतीजा है कि कारीगर और ग्राहक के बीच के बिचौलियों को, स्टाल लगाने वालों को आचार्य ने दुकान लगाने वालों में स्पर्धा बढ़ाने के लिए क्रमश: 51 हजार, 31 हजार और 21 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा, जो उनके उत्पाद को प्रोत्साहन देने के लिए होगा।

उदय सर्वोदय के मॉनिटरिंग सम्बन्धी एक सवाल के जवाब में आचार्य ने बताया कि मॉनिटरिंग का काम खासतौर से सम्बंधित बैंक करते हैं। एनके सोलंकी ने फ़लाह और आचार्य का आभार व श्रीराम मीणा,जीएम, एनके सोलंकी डीजीएम, संजय मिश्रा, एसडीई, ऋषिकेश कुमार, असिस्टेंट मैनेजर आदि मौजूद रहे।

छात्रा ने की मेट्रो ट्रैक से छलांग लगाने की कोशिश

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली मेट्रो का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो किसी की लड़ाई का नहीं और न ही रील्स बनाने का है। बल्कि एक महिला मेट्रो ट्रैक पर खड़ी होकर छलांग लगाने की कोशिश कर रही है। यह घटना शादीपुर मेट्रो स्टेशन पर सोमवार शाम की बताई जा रही है। जहां ट्रैक पर एक लड़की हाथ में मोबाइल लेकर खड़ी है। ट्रैक पर लड़की को देखने के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई। सोशल मीडिया पर 40 सेकेंड का वीडियो वायरल हो चुका है। समय रहते लड़की को पुलिस और स्टाफ की मदद से बचा लिया गया। मध्य दिल्ली के शादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम एक छात्रा मेट्रो ट्रैक पर चली गई और सड़क पर कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगी। मेट्रो सुरक्षा अधिकारियों ने कुछ ही मिनटों में

माता-पिता से हुई थी बहस

छात्रा को सफलतापूर्वक बचा लिया और उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की स्नातक की पढ़ाई कर रही है। उसकी एक मामूली बात पर माता-पिता के साथ बहस हो गई थी। पुलिस ने लड़की की काउंसलिंग करवाने के बाद उसे माता-पिता और भाई को सौंप दिया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

शादीपुर मेट्रो स्टेशन के ट्रैक पर चलने लगी छात्रा

सोमवार शाम करीब 5.30 बजे वह शादीपुर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो से उतरी और ट्रैक पर चलने लगी। उसे देखकर सड़क पर मौजूद लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और चलने से मना किया। इसी बीच लड़की ने धमकी दी कि वह कूद जाएगी। किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। वीडियो में लड़की को ट्रैक पर खड़े देखा जा सकता है। लड़की के पास मोबाइल फोन था और वह किसी से बात करती दिख रही थी। पुलिस ने लड़की की काउंसलिंग करवाने के बाद उसे माता-पिता और भाई को सौंप दिया।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर समस्या भरमार

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का प्रोजेक्ट एक बार फिर औंधे मुंह गिरा है। लगातार तीसरी बार बोलीदाता न मिलने से रेलवे ने नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। इच्छुक कंपनियां अब पांच जनवरी तक निविदा डाल सकती हैं। इसके बाद अगले पांच दिन में रेल प्रशासन टेंडर आवंटित कर देगा। फिर जमीनी स्तर पर काम शुरू हो जाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार रेलवे अपने बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा सकेगा। इसमें कोई अड़चन नहीं आएगी। दरअसल, बीते साल सितम्बर में केंद्र सरकार ने देश के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 10 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी दी थी। इसमें से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए करीब पांच हजार करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं। यह काम रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) को करना है। इसके तहत स्टेशन परिसर के साथ ही नजदीकी क्षेत्रों का भी पुनर्विकास होना है। आरएलडीए ने इसके टेंडर की प्रक्रिया बीते साल अक्तूबर में शुरू कर दी थी।

डीयू में वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन आज से

25 सौ से अधिक प्रतिनिधि लेंगे भाग

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय वाणिज्य संघ के 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन एआईसीसी की मेजबानी करने जा रहा है, जिसे 13 से 15 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों से पहले से ही पंजीकृत 2,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस इसमें नॉलेज पार्टनर है। इसके संस्थापक कुलपति प्रो. डॉ. सी. राज कुमार भी भारतीय वाणिज्य संघ के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मीडिया को संबोधित करेंगे। मंगलवार को इस बाबत जानकारी देते हुए सी.राज कुमार ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दे दी है। वहीं, डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। आखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर, बी. आर. शंकरानंद ने उद्घाटन सत्र के लिए मुख्य वक्ता बनने के लिए सहमति दी है। बंदारू दत्तात्रेया, हरियाणा के राज्यपाल ने विदाई सत्र के मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दी है। पी एम प्रसाद (अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड) सम्मानित अतिथि रहेंगे। सम्मेलन कई प्रसिद्ध भारतीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं की भी मेजबानी करेगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक: 616/4/पी०ए०–टी०/2023–24 दिनांक 08–12–2023

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न 07 कार्यों हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट **www.gdaghaziabad.in** पर उपलब्ध हैं एवं **UPLC** की वैबसाइट **https://etender.up.nic.in** पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदाओं को ई–निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई–निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन / परिमार्जन / परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा। **प्रभारी मुख्य अभियन्ता**

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, : @ Gda Ghaziabad : @ gdagzb
हेल्पलाईन 0120-4418 384, व्हाट्सएप: 9990988004 वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर ..... हमारा संकल्प

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
1, सैक्टर–के0पी0–4, ग्रेटर नौएडा सिटी
जिला–गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आर–01 भूखण्ड योजना के अन्तर्गत आवंटन संख्या–आर–0139672 क्षेत्रफल–120 वर्गमीटर सैक्टर–रो–2 भूखण्ड संख्या–ए–34 Sh. Nand Kishore के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। Sh. Nand Kishore की मृत्यु दिनांक 08.12.2019 को हो गयी है। उक्त भूखण्ड को मृतक आवंटी के पुत्र (Sh. Anil Rao S/o Late Sh Nand Kishore) ने वारीसान के आधार पर भूखण्ड को अपने पक्ष में म्यूटेशन/नामांतरण करने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया है। इस म्यूटेशन/नामान्तरण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण अभिलेखो से Sh. Nand Kishore के स्थान पर उनके पुत्र (Sh. Anil Rao S/o Late Sh. Nand Kishore) का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी सम्पत्ति
ग्रेटर नोएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
1, सैक्टर–के0पी0–4, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला–गौतमबुद्ध नगर। उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आर–01 भूखण्ड योजना के अन्तर्गत आवंटन संख्या–आर–0137718 क्षेत्रफल–120 वर्गमीटर सैक्टर–रो–02 भूखण्ड संख्या–ए–277 श्री मलय चक्रवर्ती के पक्ष में आवंटित/पजीकृत है। श्री मलय चक्रवती की मृत्यु दिनांक 11.09.2022 को हो गयी है। उक्त भूखण्ड को मृतक आवंटी की पत्नी (श्रीमती मौसुमी चक्रवर्ती पत्नी स्व0 श्री मलय चक्रवर्ती) ने वारीसान के आधार पर भूखण्ड को अपने पक्ष में म्यूटेशन/नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया है। इस म्युटेशन/नामान्तरण के सम्बन्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो से श्री मलय चक्रवर्ती के स्थान पर उनकी पत्नी (श्रीमती मौसुमी चक्रवर्ती पत्नी स्व0 श्री मलय चक्रवर्ती) का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी सम्पत्ति
ग्रेटर नोएडा औ0वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या–01, सैक्टर–नॉलेज पार्क–4, ग्रेटर नोएडा सिटी–201310
जिला–गौतमबुद्धनगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है ग्राम/सैक्टर–मायचा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या–एम.ए.आई.01366, भूखण्ड संख्या–125, क्षेत्रफल–460 वर्ग मीटर श्रीमती बालेश्वरी पत्नी स्व० श्री हरीशचन्द्र, सर्वश्री राजवीर, जगवीर, सुनील पुत्रगण स्व० श्री हरीशचन्द्र, निवासी–ग्राम–मायचा, जिला–गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवंटी श्री जगवीर पुत्र स्व० श्री हरीशचन्द्र की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसानों श्रीमती कविता पत्नी स्व० श्री जगवीर, श्री सन्नी ना०बा० पुत्र स्व० श्री जगवीर, कु० शिवानी ना०बा० पुत्री स्व० श्री जगवीर संरक्षिका माता स्वयं श्रीमती कविता, निवासी–ग्राम–मायचा, ग्रेटर नोएडा, जिला–गौतमबुद्धनगर उ०प्र० द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ–पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस श्रीमती कविता पत्नी स्व० श्री जगवीर, श्री सन्नी ना०बा० पुत्र स्व० श्री जगवीर, कु० शिवानी ना०बा० पुत्री स्व० श्री जगवीर संरक्षिका माता स्वयं श्रीमती कविता, निवासी–ग्राम–मायचा, ग्रेटर नोएडा, जिला–गौतमबुद्धनगर उ०प्र० के पक्ष में उक्त भूखण्ड नामांतरित कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

अवस्थापना निधि फंड पर गंभीरता से हो कार्यवाही होनी चाहिए। जबकि नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने कहा कि आय और व्यय पर लगातार मॉनिटरिंग से बजट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, ऑनलाइन कार्यशाला में गाजियाबाद नगर निगम में बजट पर विशेष सुझाव दिए गए:- **सुनीता दयाल, महापौर गाजियाबाद**

15 दिसम्बर को लगेगा रोजगार मेला

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से आगामी 15 दिसंबर को लॉयड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा में वृहद रोजगार मेले का किया जा रहा है। इस मेले में बीबीए और डिप्लोमा धारी युवक और युवतियां रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते है। इसके लिए उन्हे सुबह 10 बजे कॉलेज पहुंचकर वहा रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रोजगार के लिए चयन साक्षात्कार के जरिए किया जाएगा। सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में 20 से 25 प्रतिष्ठित कंपनियों के द्वारा उपस्थित होकर रोजगार के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 30 वर्ष एवं शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा व बी.बी.ए. उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। रोजगार मेले में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए सभी प्रकार के दस्तावेज लाना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद योग्यता अनुसार कंपनियों प्रतिनिधि के पास भेजा जाएगा। वहां साक्षात्कार के बाद नंबर दिए जाएंगे। इसी नंबर के हिसाब से युवक और युवतियों को रोजगार मिलेगा।

■ **25 कंपनियां आएंगी, बीबीए और डिप्लोमा पास युवक-युवतियां करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन**

किसानों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी रहा जारी

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। किसानों ने 10 प्रतिशत आबादी के भूखंड, 64.7 प्रतिशत मुआवजा देने सहित कई मांगों को लेकर दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। दोपहर बाद किसानों ने हवन किया। इसके बाद प्रदर्शन शुरू किया। हालांकि कल की बैठक में किसानो को आश्वस्त किया गया था। लेकिन उनका कहना है कि जब तक शासन से किसानों की मांगों पर सहमति नहीं बनती उनकी प्रदर्शन जारी रहेगा। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने बताया कि प्राधिकरण ने शब्दों का खेल किया और फाइल शासन को भेज दी। ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

शाम करीब पांच बजे के आसपास किसान और प्राधिकरण की ओर से गठित समिति में एक बार फिर बैठक होगी। बताया गया कि इस बैठक में निर्णय हो सकता है। किसानों का साफ कहना है कि उनकी मांगों को जब तक पूरा नहीं किया जाता वह यहां से नहीं जाएंगे। वह 2019 से लगातार इन्ही मांगों को लेकर प्रदर्शन करते आ रहे है। लेकिन हर बार प्राधिकरण की बोर्ड में एजेंडा रखा जाता है पास किया जाता है और शासन से उसे मंजूरी नहीं मिलती। ये जमीन हमारी है और हम अपना हक लेकर रहेंगे। बता दे मांगों को लेकर सोमवार को नोएडा प्राधिकरण पर किसानों ने जमकर हल्लाबोल किया था। प्रदर्शन में किसानों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रही। इस दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा। किसानों ने साफ कहा था कि उनकी मांगों को जब तक पूरा नहीं किया जाएगा धरना चलता रहेगा। ऐसा ही हुआ। किसानों ने प्राधिकरण के बाहर एक फिर पंडाल लगा लिया। इस दौरान कल एक बैठक हुई। लेकिन सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर आग फिर एक बैठक होने जा रही है। किसानों ने साल-2021 में 4 माह और साल-2023 में 3 माह नोएडा प्राधिकरण पर धरना दिया था। लेकिन, अंत में प्राधिकरण से समझौते के बाद धरना समाप्त कर दिया गया था।

■ **10 फीसदी विकसित भूखंड और 67.4 प्रतिशत की दर से दिया जाए मुआवजा**

सीईओ ने महाप्रबंधक जल को दिया कारण बताओ नोटिस

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने एनएसईजेड और सेक्टर-137 स्थित वैटलेंड साइट का निरीक्षण किया। यहां साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं मिली। साथ ही कोंडली ड्रेन स्थित इनसिटू वैटलैंड पर कार्यदायी संस्था सिचाईं विभाग द्वारा कार्य के संबंध में कोई जानकारी दी जा सकी। इसलिए एनजीटी के निर्देशानुसार कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी किया गया। साथ ही महाप्रबंधक (जल) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं सेक्टर-136 एमएसपीएस-1 की सड़क की ओर से चारदिवारी पर बार्बवायर फेंसिंग के निर्देश दिए गए। इसके अलावा एनएसईजेड मेट्रो के पास सड़क पर क्रैश बैरियर टूटा मिला, सड़क किनारे झाड़िया पव गंदगी मिली। सेक्टर-137 मेट्रा स्टेशन के नीचे पुल पर सड़क की स्थिति बेहद खराब मिली। कोई भी कार्य सिस्टमेटिक नहीं पाया गया। ऐसे में संबंधित वरिष्ठ प्रबंधक को दो दिन में यहां कार्यवाही कर फोटो के साथ आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

एक्सप्रेस वे की घटी स्पीड लिमिट, भारी वाहन 50 और हल्के वाहन की स्पीड 75 किमी प्रति घंटा

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी और बढ़ते कोहरे के चलते नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे की स्पीड लिमिट को किया जा रहा है। अब यहां भारी वाहन 50 किमी प्रतिघंटा और हल्के वाहन 75 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेंगे। 15 दिसंबर से नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। ये नई व्यवस्था 15 फरवरी तक लागू रहेगी। बता दे कोहरे के चलते एक्सप्रेस वे पर विजिबिलिटी काफी कम रहती है। इससे सड़क दुर्घटना में बढ़ोतरी हो रही है। पहले एक्सप्रेस वे पर हल्के वाहनों की स्पीड 100 किमी प्रतिघंटा और भारी वाहन 80 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रहे थे। सोमवार देररात भी एक्सप्रेस वे पर थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में नोएडा से ग्रेटर नोएडा जाने वाले एक्सप्रेस- वे पर जेपी फ्लाईओवर के समीप एक बस नंबर बीआर 32 पीए 8673 व स्विफ्ट डिजायर कार नंबर यूपी 16 बीक्यू 5541 आपस में टकरा गई। जिससे दोनों गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। दोनों वाहनों में बैठे हुए व्यक्ति सुरक्षित हैं। मुसाफिरों को हल्की चोट लगी है। कोई जनहानि नहीं है। थाना सेक्टर 39 पुलिस द्वारा दोनों वाहनों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया। इससे पहले भी हादसे होते रहे है। ऐसे में वाहनों की रफ्तार को कम किया जा रहा है।

वहीं नोएडा प्राधिकरण की ओर से यहां नई स्पीड बोर्ड के अलावा रिफ्लेक्टर , रेडियम पेंट आदि लगाने का काम भी किया जा रहा है। जिसे आगामी दो दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। वहीं यहां लगे कैमरों को भी नई स्पीड लिमिट के अनुसार सेट किया जा रहा है। ताकि तय की गई स्पीड से ज्यादा रफ्तार होते ही वाहनों का ऑटो मैटिक चालान किया जा सके। वहीं नोएडा-एक्सप्रेस वे पर पेट्रोलिंग भी बढ़ाई जा रही है। इसके साथ पुलिस ने 9971009001 नंबर भी जारी किया है। असुविधा होने पर इस पर फोन किया जा सकता है।

■ **15 दिसम्बर से लागू को होगा नियम**

सार संक्षेप

ऑल इंडिया जमीयत अल कुरैश के अध्यक्ष बने सिराजुद्दीन कुरैशी

नोएडा। ऑल इंडिया जमीयत अल कुरैश का पांच वर्षीय अध्यक्ष पद का चुनाव मंगलवार 12 दिसम्बर 2023 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कराया गया। जिसमें सिराजुद्दीन कुरैशी को निर्विरोध अध्यक्ष बनाए गए। जिला गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष शाहिद अहमद ने भोपाल सम्मेलन में सिराजुद्दीन कुरैशी से मुलाकात कर मुबारकबाद दी। शाहिद अहमद ने कहा की सिराजुद्दीन कुरैशी ने देश के कुरैश समुदाय और सामान्य रूप से पिछड़े मुसलमानों के लिए कल्याण और शिक्षित जागरूकता के लिए काम करते रहे। और उनकी अध्यक्षता में कुरैश समुदाय का कल्याण होगा।

चार सौ करोड़ लोन घोटाले के आरोपी लक्ष्य तंवर गैंग की 15 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

गाजियाबाद। कोतवाली नगर पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत लोन माफिया/गैंग लीडर लक्ष्य तंवर एवं गैंग के सदस्य सुनील कुमार की पुराना आर्य नगर स्थित करीब 15 करोड़ की बेनामी/नामी अचल सम्पत्ति को कुर्क किया गया। अभी तक लक्ष्य तंवर के खिलाफ 35 मामले दर्ज किए जा चुके हैं तथा 85करोड़ रुपए की सम्पत्ति कुर्क की जा चुकी है। इस गिरोह पर 400 करोड़ से ज्यादा लोन घोटाला करने का आरोप है। एसीपी कोतवाली निमिश पाटिल ने बताया कि लोन माफिया लक्ष्य तंवर का एक संगठित गिरोह है। जिसने वर्ष 2012 से अबतक विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबन्धकों से साठ-गाँठ कर आम जनता के साथ धोखा-धड़ी करके कूटरचित दस्तावेज तैयार कर विभिन्न बैंकों से लोन लिया गया है। गैंग लीडर लक्ष्य तंवर एवं गैंग के सदस्यों द्वारा आर्थिक अपराध कारित कर नामी व बेनामी सम्पत्ति अर्जित की गयी है ।

निगम मुख्यालय में बजट पर हुई ऑनलाइन वर्कशॉप

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर विकास विभाग के नॉलेज पार्टनर जनाग्रह के साथ नगर निकाय निदेशालय/ नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान ने मंगलवार को वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की। जिसमें उत्तर प्रदेश के नगर निगमों से महापौर, नगर आयुक्त, अधिकारी गण तथा कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। गाजियाबाद नगर निगम से महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने भी बजट की चल रही ऑनलाइन वर्कशॉप में हिस्सा लेकर अपने सुझाव रखे। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि अवस्थापना निधि फंड पर गंभीरता से हो कार्यवाही होनी चाहिए। जबकि नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने कहा कि आय और व्यय पर लगातार मॉनिटरिंग से बजट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ऑनलाइन कार्यशाला में गाजियाबाद नगर निगम में बजट पर विशेष सुझाव दिए गए। गाजियाबाद की महापौर

सुनीता दयाल ने अवस्थापना निधि फंड को लेकर अपना विषय रखा जिसमें बताया कि आज का विषय बजट है और गाजियाबाद नगर निगम की अवस्थापना निधि समय से न आने के कारण शहर में विकास कार्य प्रभावित होता है। इस लिए इस विषय को गंभीरता से लिया जाए,साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों ने भी अपनी सहमति जताते हुए ऑनलाइन ही अपना विषय शासन तक पहुंचा। किस प्रकार शहर हित में विकास कार्य बढ़ाने को लेकर निगम के बजट को प्रभावपूर्ण बनाना है विस्तृत चर्चा हुई।

■ **अवस्थापना निधि फंड पर गंभीरता से हो कार्यवाही;महापौर**

■ **आय व व्यय पर लगातार मॉनिटरिंग से बजट पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव: नगर आयुक्त**

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम की आय तथा निगम के व्यय पर प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर सकारात्मक प्रभाव से बजट को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है । कार्यशाला में नगर निकायों की आय बढ़ाने को लेकर सुझावों का आदान-प्रदान भी किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कार्यकारिणी राजीव शर्मा, पार्षद प्रवीण चौधरी ,पार्षद रेखा गोस्वामी, पार्षद गौरव सोलंकी,पार्षद राजकुमार सिंह,पार्षद शीतल देओल, पार्षद मनोज त्यागी,पार्षद आदिल मालिक तथा अधिकारियों में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश व लेखाधिकारी गीता कुमारी उपस्थित रही।

आग से जल गई आधा दर्जन से ज्यादा झुग्गियां

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा के सेक्टर-123 पर्थला के पास बनी झुग्गी झोपड़ी में आग लग गई। आग दोपहर करीब पौने दो बजे लगी। मौके पर पहले दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया। इसके बाद छह और दमकल की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग की वजह पास में कूड़ा कबाड़ बताई जा रही है। जिसमें चिंगारी से आग लगी। इसके बाद पूरी झुग्गियों में फैल गई। यहां करीब दो दर्जन से ज्यादा झुग्गी है। सीएफ प्रदीप चौबे ने बताया कि आग की वजह से छह से ज्यादा झुग्गी जल गई। इसके अलावा करीब आधा दर्जन से ज्यादा मवेशी जिसमें बकरी की जलने से मौत हो गई। वहीं 50 से ज्यादा मवेशियों को आग से बचाया गया। ये सभी फंस गए थे। आग से छह झुग्गी पूरी तरह से जल गई है। इसमें सामान भी जल गया है। आग के दौरान ही आसपास की झुग्गियों को खाली कराया गया। इसमें कई में सिलेंडर भी थे जिनको आग से दूर ले जाया गया। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया।

■ **6 मवेशियों की जलने से मौत, 50 को बचाया, सामान जलकर हुआ राख**

दोपहर करीब पौने दो बजे आग लगी। बताया कि ये लोग कंस्ट्रक्शन साइटों पर काम करने वाले मजदूर है। जो यहां झुग्गी बनाकर रहते थे। आग की वजह से झुग्गी के अंदर रखा सामान राख हो गया है। फिलहाल आग बुझने के साथ ही यहां शहर के एनजीओ की मदद से लोगों को मदद दी जा रही है। आग इतनी तेज थी कई किलोमीटर से आग का धुंआ दिखाई दे रहा था। गनीमत रही कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई है।

संभव में प्राप्त हुए 20 संदर्भ, नगर आयुक्त ने अविलंब कार्रवाई के दिए निर्देश

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर निगम मुख्यालय पंचम तल पर संभव जनसुनवाई का आयोजन हुआ। पटेल नगर, कवि नगर, राज नगर, संजय नगर,

गोविंदपुरम, लोहिया नगर, चिरंजीव विहार के निवासियों द्वारा अपने क्षेत्र की समस्या संभव के दौरान निगम अधिकारियों के समक्ष रखी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार विभागीय अधिकारियों द्वारा प्राप्त समस्याओं के समाधान पर तेजी से कार्यवाही की गई।

संभव के दौरान संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश द्वारा शिकायतकर्ता तथा संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय बनाते हुए कार्यवाही को कराया, समस्याओं के समाधान पर आगंतुकों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम टीम का धन्यवाद भी जताया गया मौके पर, जलकल विभाग से ओम प्रकाश, निर्माण विभाग से ज़ैदी व अन्य संबंधित टीम उपस्थित रही। संभव के दौरान साहिबाबाद से आई हुई सोमलता मित्तल द्वारा नगर आयुक्त का समस्या के समाधान पर धन्यवाद जताया।

एनसीआर में ऑन डिमांड लग्ज़री कार चुराने वाले गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। क्राईम ब्रान्च पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने मंगलवार को एनसीआर में चार पहिया वाहनों को चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के 04 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 05 चोरी के चार पहिया वाहन बरामद बरामद किए हैं। गिरोह के बदमाश गाड़ियों की चोरी कर उसके इंजन व चेसिस नम्बर में टैम्परिंग कर फर्जी कागजात तैयार कर बेच देते थे। एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में आलम (रिशा कालोनी नई आबादी ग्रीन फील्ड स्कूल के पास बुलन्दशहर मूल पता गांव बझेडा कलां थाना धौलाना जनपद हापुड), फजर (ग्राम पौहली थाना सरधना जनपद मेरठ), साजिद खान (उदय मंदिर आसन पुरानी पत्रिका थाना नागौरी गेट जोधपुर) तथा (समीर पमहावतो की मस्जिद के पास नागौरी गेट रोड थाना सदर कोतवाली जोधपुर) हैं। पूछताछ में आरोपी फजर व आलम ने पुलिस को बताया कि बताया कि हम लोगों का वाहन चोरी करने व बेचने वालो का एक संगठित गिरोह संचालित करते हैं। गिरोह में हमारे अलावा गुफरान उर्फ भुल्लन, खालिद, नदीम, सोहेल

इंजन व चेसिस नम्बर में टैम्परिंग कर फर्जी कागजात तैयार कर बेच देते थे

उर्फ शीला, साजिद व समीर सक्रिय सदस्य है। साजिद व समीर एक्सीडेन्टल व टोटल लॉस की गाड़ियों के इंजन व चेसिस नम्बर हमें भेजते है फिर हम उसके इंजन व चेसिस नम्बर की प्लेट को नई बनाकर सोहेल उर्फ शीला से गाड़ी के इंजन व चेसिस पर भी वही नम्बर टैम्पर करा देते हैं। गाड़ी तैयार होने के बाद हम उस गाड़ी को साजिद व समीर को आगे पार्टियों को बेचने के लिए दे देते थे और हमें भी कोई पार्टी मिलती थी तो उसको बेच देते थे। आरोपियों ने यह भी बताया कि जब हम गाड़ी चुराने आते थे तो उस समय पहचान छुपाने के लिए अपनी गाड़ी की नम्बर प्लेट बदलकर-बदलकर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर पहले से तयशुदा स्थान पर इकठ्ठा हो जाते थे और मोबाइलों को फ्लाइट मोड़ पर कर लेते थे।

नगर निगम ने तीन दिन में हटाए 484 होर्डिंग व क्योस्क

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर निगम ने तीन दिन के भीतर 484 होर्डिंग व क्योस्क हटाए । वसुंधरा जोन, विजय नगर जोन मे वृहद स्तर पर अभियान चलाया गया। जिसमें प्रवर्तन दल की टीम तथा पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। अवैध रूप से लगे हुए यूनिपोल, किओस्क, होर्डिंग, व अन्य जिनसे शहर की सुंदरता खराब हो रही है उनको गाजियाबाद नगर निगम की टीम हटाने का कार्य कर रही है संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश के नेतृत्व में वृहद स्तर पर कार्यवाही चल रही है जिसमें जोनल प्रभारी की टीम भी मौके पर विशेष कार्यवाही कर रही है, मोहन नगर, विजय नगर, कवि नगर जोन में जोरो से अभियान चलाया गया साथ ही अवैध रूप से विज्ञापन करने वालों को निगम द्वारा अवैध होर्डिंग न लगाने की चेतावनी भी दी गई है।

■ **अवैध विज्ञापनकर्ता पर सख्ती से हो कार्यवाही: म्युनिसिपल कमिश्नर**

बिना अनुमति नहीं होगा क्रिसमस और न्यू ईयर सेलीब्रेशन

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला प्रशासन से बिना अनुमति लिए क्रिसमस और नय साल का जश्न किया तो आपको जल जाना पड़ सकता है। इसके लिए होटल, पब, रेस्टोरेन्ट, क्लब, पार्क व अन्य स्थानों पर क्रिसमस डे व नववर्ष की पार्टी आयोजित करने के लिए उत्तर प्रदेश चलचित्र अधिनियम 1955 यथा संशोधित उत्तर प्रदेश चलचित्र अधिनियम 2017 के तहत सक्षम प्राधिकारी (जिला मजिस्ट्रेट) से अनुमति लेना अनिवार्य है। डीएम मनीश वर्मा ने बताया कि आयोजन की अनुमति के लिए विद्युत, अग्नि सुरक्षा, कानून व्यवस्था, लोक व्यवस्था व सुरक्षा के लिए समुचित सावधानी के साथ-साथ वायु प्रशीतन एवं वातानुकूलन सुविधा व अन्य विद्युत स्थापना की समुचित व्यवस्था का प्रमाण पत्र संबंधित विभाग से लेकर एनओसी लेनी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के दृष्टिगत रखते हुए कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

पकड़े जाने पर जाना होगा जेल, कोविड-19 का भी करना होगा पालन

कार्यक्रम के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्रों के साथ नियमानुसार अनुमति सक्षम अधिकारी से ऑनलाइन प्राप्त करने के लिए निवेश मित्र विभागीय पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है।

योजना फरवरी में शुरू होगा काम, सर्विलांस, पीटीजेड, एएनपीआर

500 स्थानों पर लगाए जाएंगे 2000 कैमरे

नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। सेफ सिटी योजना के तहत शहर में करीब 500 स्थानों पर फरवरी 2024 से कैमरे लगने शुरू हो जाएंगे। इन जगह 1500 से 2000 कैमरे लगाए जाएंगे। ये फेस डिटेक्शन कैमरे होंगे, जिनमें वारदात करने वाले बदमाशों के चेहरे स्पष्ट कैद हो जाएंगे।

इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। ये कैमरे खासतौर से मार्केट, स्कूल-कॉलेज, धार्मिक स्थलों के आसपास लगाए जाएंगे। इससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो जाएगी। कैमरे लगवाने के लिए कंपनी का चयन करने को नोएडा प्राधिकरण ने आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) तैयार कर ली है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि अगले 10 दिन में आरएफपी जारी कर दी जाएगी। जनवरी में कंपनी का चयन हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कंसल्टेंट ने सर्वे कर रिपोर्ट दे दी है। ये कैमरे सर्विलांस के तौर पर काम करेंगे। सेफ सिटी के तहत लगने वाले कैमरों का भी कंट्रोल रूम सेक्टर-94 स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर बनेगा। यहां पहले से ही इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल सेंटर बना हुआ है। दोनों एक-दूसरे से जुड़ जाएंगे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि जिस जगह कैमरे लगेंगे, उनमें शहर के सभी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, धार्मिक स्थान, मेट्रो स्टेशन, भीड़-भाड़ वाले स्थान आदि शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सेफ सिटी के तहत सर्विलांस, पीटीजेड, एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों के लिए पूरा सर्वर नए तरीके से तैयार किया जाएगा। काम शुरू होने पर

ये सभी कैमरे होंगे फेस डिटेक्शन

सभी जगह कैमरे लगने में सात-आठ महीने का समय लगेगा।

बदमाशों के चेहरे होंगे कैद

इन कैमरों को लगाने का मकसद सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करना है। सड़कों पर जो अपराधिक वारदातें होती हैं उनमें से अधिक इन्हीं स्थानों के आसपास होती है। ऐसे में इन फेस डिटेक्शन कैमरों के जरिए वारदात करने वाले बदमाशों के चेहरे भी स्पष्ट रूप से कैद हो सकेंगे। लावारिस बैग व अन्य चीज आसानी से कैमरे कैद होगी और तुरंत पॉप अप का मैसेज कमांड कंट्रोल सेंटर में आ जाएगा। जिससे पुलिस तुरंत मौके पर पर पहुंच लावारिस चीज को अपने कब्जे में ले सकेगी। इसके अलावा उनके वाहनों की नंबर प्लेट की फोटो लेने के लिए भी एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे।

पैनिक बटन से मिलेगी मदद

कैमरों वाले पिलर में पैनिक बटन भी लगा होगा। आपात स्थिति में बटन दबाकर अपनी आवाज रिकार्ड कर सकेंगे जो सीधे कमांड कंट्रोल सेंटर पहुंच जाएगी। लावारिस बैग व अन्य चीज आसानी से कैमरे कैद होगी और तुरंत पॉप अप का मैसेज कमांड कंट्रोल सेंटर में आ जाएगा। जिससे पुलिस तुरंत मौके पर पर पहुंच लावारिस चीज को अपने कब्जे में ले सकेगी। इसके अलावा उनके वाहनों की नंबर प्लेट की फोटो लेने के लिए भी एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे।

मटियाला में चला जीडीए का पीला पंजा,तीन अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान जोन 3 के मटियाला इलाके में चला। जहां पर निजी बिल्डरों द्वारा 23 हजार 5 00 वर्ग मीटर भूमि में अवैध रूप से विकसित की जा रही तीन कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया गया।

जीडीए अधिकारियों ने बताया कि जोन 3 में मटियाला इलाके में शिवाय स्कूल के सामने महेंद्र सिंह और सनी चौधरी द्वारा 5000 वर्ग मीटर भूमि में अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को तहस-नहस कर दिया गया। इसी तरह अंकुर गुप्ता द्वारा 15000 वर्ग मीटर भूमि में तथा जयपाल और वेदपाल द्वारा 3500 वर्ग मीटर भूमि में बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी किया लेकिन पुलिस की शक्ति के कारण वह बैरन लौट गए उन्होंने लोगों से अपील किया कि वह संपत्ति खरीदने से पहले जीडीए में संपत्ति के संबंध में विस्तृत जानकारी हासिल करने के बाद ही संपत्ति खरीदें। अभियान में सहायक अभियंता दीप्ति चौहान अनिल कुमार शर्मा और अभियंता विजय चौहान प्रदीप गुप्ता डीडी शुक्ला और राजीव कुमार शामिल रहे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है, इस प्रकार के सम्मान और पुरस्कार विद्यार्थियों को उत्साहित कर उन्हें सफलता के लिए प्रेरित करते रहते हैं:- **संध्या अवस्थी, प्राचार्या**

स्कॉलर डे में ग्यारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा में शैक्षणिक क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ग्यारहवीं कक्षा के 239 मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलर मैडल, स्कॉलर ब्लेजर, स्कॉलर बैज, प्रशस्ति पत्र आदि देकर मुख्य अतिथि सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीपीएस सोसायटी के चेयरमैन बी. के. चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनका कहना था कि शिक्षा विद्यार्थियों को अध्यवसाय के साथ नैतिक विकास और चारित्रिक उत्थान से भी युक्त करती है। सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है। स्वागत भाषण में विद्यालय की प्राचार्या संध्या अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मान और पुरस्कार विद्यार्थियों को उत्साहित कर उन्हें सफलता के लिए प्रेरित करते रहते हैं। समारोह में प्रो. विभा चतुर्वेदी, (सेवानिवृत्त) दर्शनशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय और मेधा रूपम, सीईओ, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, जैसे सम्मानित अतिथि भी उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड की बैठक जल्द न हुई तो किसान फिर करेंगे आंदोलन

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय किसान सभा ने चेतावनी दी है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में जल्द किसानों की मांगों पर फैसला नहीं लिया गया तो फिर से आंदोलन किया जाएगा। किसान सभा की मंगलवार जैतपुर गांव में हुई मासिक बैठक फैसला लिया गया कि यदि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक जल्द ही नहीं हुई तो आगे आंदोलन किया जाएगा।

किसान सभा के अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने बताया कि आंदोलन के दौरान जिन मुद्दों को लेकर सहमति बनी थी उनकी बोर्ड बैठक अक्टूबर माह में होनी थी लेकिन उसमें काफी देरी हो रही है। देरी के कारण किसानों में असंतोष व्याप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रधिकारण ने वादा खिलाफी की तो गांव की सभी कमेटियों को सक्रिय रहना है और आंदोलन की तैयारी करनी है। रुपेश वर्मा ने किसानों को बताया कि हम लगातार प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठकर बोर्ड बैठक के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं हमें पूरी उम्मीद है

अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक में किसानों की मांगों को उठाया

कि किसानों से किए हुए वादे के अनुसार प्राधिकरण जल्द ही अपनी बोर्ड बैठक आयोजित कर किसानों से जुड़े हुए मुद्दे 10 प्रतिशत विकसित प्लॉट, भूमिहीनों के लिए वेंडरजॉन में रिजर्वेशन, किसानों के लीजबैक के प्लाटों में सबडिवीजन, युवाओं को रोजगार से संबंधित सभी मुद्दों को बोर्ड बैठक में ले जाकर पास किया जाएगा। किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने बताया कि किसान सभा के गांव कमेटिया लगातार बैठक आयोजित कर रही हैं और अगर प्राधिकरण ने किसानों के मुद्दों को लेकर यदि जरा भी हीलाहवाली की तो किसान फिर से आंदोलन के लिए तैयार हैं महिला समिति की टीम में भी गांव-गांव में दौरा कर रही हैं और महिलाओं का संगठन गांव में खड़ा कर रही है अब सभी किसानों ने तय किया है कि जब तक हमारे मुद्दे हल नहीं हो जाते तब तक हम शांति से अपने घर बैठने वाले नहीं हैं। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर, नेतराम मायचा, महासचिव जगबीर नंबरदार, संतराम भाटी, संजय नागर, निरंकार प्रधान, सुशांत भाटी, प्रशांत भाटी, मोहित नागर, अजब सिंह, तेजपाल प्रधान, सुशील सुनपुरा, संदीप भाटी, सचिन भाटी, सतीश महाशय, सुरेंद्र यादव, रंगलाल भाटी, सुरेंद्र भाटी, जोगिंदर प्रधान, जोगेंद्र देवी, कुसुम देवी, प्रियंका, मोनिका सहित दर्जनों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

यमुना सिटी के सेक्टर भी ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे

- **यमुना एक्सप्रेसवे पर 15 दिसम्बर से शुरू हो जाएगा इंटरचेंज का निर्माण**
- **ईस्टर्न पेरीफेरल को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए इंटरचेंज निर्माण की सभी अड़चन दूर**

ग्रेटर नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए जगनपुर अफजलपुर के पास प्रस्तावित इंटरचेंज का निर्माण 15 दिसंबर से शुरू हो जाएगा। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा इसकी शुरुआत करेंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए जगनपुर अफजलपुर के पास इंटरचेंज बनना है। किसानों के विरोध के चलते इंटरचेंज का निर्माण नहीं शुरू हो पा रहा था। किसानों की समस्याओं को यमुना प्राधिकरण ने निपटा दिया है। अब इसका निर्माण शुरू होगा। इसमें करीब 100 किसानों को मुआवजा दिया जाना है। मुआवजा वितरण शुरू हो गया है। अब तक 23 किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है। यह काम अब और तेज होगा। किसानों को मुआवजा देने के बाद करीब 99 हेक्टेयर जमीन मिल जाएगी। इसमें से करीब 14 हेक्टेयर जमीन इंटरचेंज में इस्तेमाल होगी। जबकि इंटरचेंज के निर्माण में करीब 54 हेक्टेयर जमीन लगेगी। इंटरचेंज के लिए बाकी जमीन यमुना प्राधिकरण के पास पहले से है। अब 15 दिसम्बर को प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा इसका शिलान्यास करेंगे। इसके निर्माण से लोगों को फायदा मिलेगा। इंटरचेंज बनाने के लिए 2018 में कंपनी का चयन हो गया था। किसानों की मांगों के चलते काम नहीं शुरू हो पाया। इंटरचेंज बनाने के लिए 2018 में 75 करोड़ रुपए में ठेका दिया गया था। पांच साल में निर्माण लागत बढ़ गई। इसका दोबारा आगणन कराया गया है। अब इसके निर्माण पर 122.89 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इंटरचेंज से यमुना सिटी के सेक्टर भी जुड़ेंगे। इसके लिए उतार-चढ़ाव 60 मीटर और 30 मीटर चौड़ी सर्विस रोड पर बनाए जाएंगे। इस काम में करीब 59 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह पैसा यमुना प्राधिकरण देगा।

अशोक चक्र से सम्मानित रिटायर्ड कर्नल ने हिस्से से अधिक भूमि बेचने का लगाया आरोप

जेवर,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के गांव भवोकरा के रहने वाले भारतीय सेना के रिटायर्ड कर्नल व अशोक चक्र से सम्मानित बुजुर्ग व्यक्ति ने गांव के ही रहने वाले अपने 6 सहखातेदारों पर अपने हिस्से से अधिक भूमि बेचने का आरोप लगाया है। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पांच भाई बहिनों व उनकी माता के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं झुप्पा की रहने वाली एक महिला ने गांव के ही एक दबंग व्यक्ति पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **झुप्पा की रहने वाली महिला ने दबंग व्यक्ति पर भूमि पर अवैध कब्जा करने का लगाया आरोप, छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

भवोकरा के रहने वाले बुजुर्ग व्यक्ति पूर्व कर्नल जसराम सिंह ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत करते हुए बताया कि उन्होंने 40 वर्ष भारतीय सेना में सेवा प्रदान की है तथा वर्ष 1990 में सेवानिवृत होने से पूर्व वर्ष 1970 में राष्ट्रपति द्वारा अतिउत्कृष्ट वीरता पुरूस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। उन्होंने बताया कि गांव के ही रहने वाले उनके सहखातेदार तीन भाईयों राहुल, अरूण, वरूण व उनकी बहिन प्रियंका व सोनिया तथा माता विमला ने साजिश व छल कपट कर षडयंत्र के तहत कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 22 मई 2023 को अपने हिस्से से करीब डेढ़ गुना अधिक जमीन का बैनामा कर दिया। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झुप्पा गांव की रहने वाली जयपाली पत्नि विज्जी ने कोतवाली पुलिस से शिकायत करते हुये बताया कि गांव के ही रहने वाला प्रताप दबंग व झगडालू प्रवृत्ति व्यक्ति है। आरोपित ने काफी समय से पीड़िता की भूमि संख्या 651 रकवाई 0.506 हे0 भूमि पर कब्जा किया हुआ है। लेखपाल द्वारा जारी रिपोर्ट में भी प्रताप द्वारा किए गये अवैध कब्जे की पुष्टि की गई है। आरोप है कि शिकायत करने पर पीड़िता को आरोपित जान से मारने की धमकी देता है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को मुख्यमंत्री ने वर्चुअल किया संबोधित

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा मंगलवार को गांव चमरावली रामगढ़ पहुंची, इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने डिजिटल कॉन्फ्रेंसिंग लाइव के द्वारा उनके उद्बोधन को सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वर्चुअल संबोधन में अधिकारियों से आह्वाहन करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को नीचे धरातल तक ले जाएं। उन्होंने बताया उज्जवला गैस योजना आयुष्मान योजना हर घर नल योजना विधवा पेंशन योजना आदि योजनाओं से हर उस अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाए पहुंच रही है। हम सभी को मिलकर भारत को विकसित भारत बनाना है उसके लिये हम सब युवा नौजवान किसान देशवासी भारत को विकसित भारत बनाने के सपने को संकल्पों के साथ पूरा करेंगे। दादरी विधायक तेजपाल नागर, जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने सभी ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलायी और उसके बाद विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव लुहारली पहुंची गांव में 6 लोगों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए, पांच महिलाओं के गोद भराई कार्यक्रम हुआ। गांव के लोगों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत किया एवं गांव के लोगों को दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने शपथ दिलाई। इस मौके पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि

- **दादरी विधायक ने पात्र लोगों को वितरित किया आयुष्मान कार्ड**

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों में विकसित भारत बनाने को लेकर भाव जागृत हो रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, जिला कार्यक्रम के संयोजक रवि जिंदल, वीरेंद्र भाटी, कर्मवीर आर्य, पवन नागर, बबली मंडल अध्यक्ष, संजय भाटी, इन्द्र नागर गांव प्रधान नरेंद्र भाटी संजय भाटी भिखारी सिंह मनोज प्रधान सुमित प्रधान आदि सैकड़ों ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में खेलेंगे पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल के चार जिम्नास्ट'

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल के जिम्नास्टों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान निश्चित कर लिया है। 9 दिसम्बर और 10 दिसंबर को विजय श्री अकादमी, सेक्टर 141, नोएडा में आयोजित जिला स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता ने चार जिम्नास्टों ने आठ स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक जीतकर अपना स्थान पक्का किया। जनवरी 2024 में यूपी राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक चौंपियनशिप का आयोजन होना है। इससे पूर्व नौ और दस दिसंबर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल की आठवीं की छात्रा आन्या गोयल ने अंडर 15 श्रेणी में पांच स्वर्ण, जजवीन कौर ने पांच रजत, छठीं कक्षा की होनेशा चौधरी ने अंडर 12 में दो स्वर्ण व दो रजत और दीया जैन ने एक स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते। गौरी अस्थाना, परिधि भारद्वाज, माही अरोरा, अवनि और साक्षी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। स्कूल की 'प्रिंसिपल पूजा बोस' ने बताया कि सभी छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। सभी का लक्ष्य भविष्य में ओलंपिक में भारत को पदक दिलवाना है।

- **जिला स्तरीय प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन, आठ स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक जीते**

प्रो. राजीव अग्रवाल को मिला शेरपा एडु लीडर 2023 की उपाधि

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में रेथिंक इंडिया संस्थान के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. राजीव अग्रवाल को शेरपा एडुलीडर 2023 के रूप में पहचाना जाएगा, उनके योगदान के लिए जो तकनीकी और शैक्षिक प्रक्रियाओं के व्यापक विकास में उनके अद्वितीय कौशल के माध्यम से एक दिव्य और भव्य भारत को मुखरित करने में हैं। इसके साथ ही, उनकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भी उनकी उपाधि को शेरपा एडुलीडर के रूप में मान्यता प्राप्त होगी, जो कुमाऊं इंजीनियरिंग कॉलेज, द्वारहाट से लेकर जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट और अब लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा तक के सर्वोत्तम संस्थानों में से एक के रूप में हैं। प्रो. राजीव अग्रवाल का शिक्षा के क्षेत्र में तीन दशक तक का कार्य उल्लेखनीय है। प्रोफेसर अग्रवाल के द्वारा लिखे गए 100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। 28 पेटेंट प्रकाशित हुआ है ,जिसमें तीन पेटेंट के लिए ग्रांट भी दिया गया है। चार पुस्तकों का भी प्रकाशन किया गया है। हाल के दिनों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक के माध्यम से जीवन को कैसे सुगम बनाया जा सकता है,इस विषय को लेकर कार्य कर रहे हैं। ब्रेन ट्यूमर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से कैसे वर्गीकृत किया जा सकता है, अल्ट्रासोनिक बैकस्कैटरिंग का स्वास्थ्य में सूक्ष्म उपयोगिता को लेकर भी शोध पत्र प्रकाशित किया है। वॉयरलैस कम्युनिकेशन, अल्ट्रासाउंड मेडिकल इमेजिंग,रिमोट पेटेंट मॉनिटरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा है।

सुन्दर भाटी गैंग के नरेश तेवतिया की एक करोड़ से अधिक की सम्पत्ति जब्त

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर जेवर पुलिस ने सुन्दर भाटी गिरोह के सक्रिय सदस्य की एक करोड़ से अधिक की सम्पत्ति को जब्त कर लिया है। जब्तीकरण की यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत की गई है। पुलिस कमिश्नर द्वारा दादरी तहसील के तहसीलदार को इस सम्पत्ति का रिसीवर नियुक्त किया गया है। यह सम्पत्ति दादरी तहसीलदार की देख रेख में रहेगी। मंगलवार को पुलिस ने जारचा कोतवाली क्षेत्र के वीरपुरा गांव निवासी नरेश तेवतिया के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उसकी 1 करोड़, 7 लाख 85 हजार 2 सौ रूपया कीमत की अचल संपत्ति को जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार नरेश तेवतिया कुख्यात सुन्दर भाटी, अनिल भाटी गिरोह का सक्रिय सदस्य है। पुलिस के अनुसार आरोपी नरेश तेवतिया ने यह सम्पत्ति अपराधिक गतिविधियों से अर्जित की है। उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द एवं समाजविरोधी क्रियाकलाप (निवारण) 1986 से सम्बन्धित विवेचना जेवर कोतवाली प्रभारी द्वारा सम्पादित की जा रही थी। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह का कहना है कि अपराध पर नियंत्रण करने के लिए अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

जट्टारी गौशाला में गौवंश को नहीं मिल पा रहा चारा

ग्रेटर नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। जट्टारी गौशाला में गौ को चारा नहीं मिल पा रहा है। चारा न मिलने पर कई गौ वंश हालत नाजुक बनी हुई। जैसे ही इसकी सूचना श्री बालाजी मानव सेवा समिति एवम ग्रेनो गौ सेवा सदन ग्रेटर को हुई तो वहां चारा उपलब्ध कराया गया। श्री बालाजी मानव सेवा समिति के कोषाध्यक्ष व ग्रेनो गौ सेवा सदन ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष एवं एक्टिव सिटिजन टीम के गौभक्तों ने जट्टारी गौशाला के लिए गौ सेवक बजरंग लाल गुप्ता ने 1 ट्रक भूसा 100 बेल मक्का सालस न्यार और 15 बैग चोकर साइट 4 से रवाना की गई, वहां पर गौवंश बहुत ही कमजोर स्तिथि में है। इस सेवा में 61000 रूपये की गौ सेवा गौ सेवक नीरज राघव टेंट हाउस की तरफ़ से दी गई तथा 40000 रूपए की गौदान जय किसान खल भंडार के मालिक व श्री बाला जी मानव सेवा समिति के कोषाध्यक्ष मनोज सिंघल के तरफ़ से प्रदान की गई। गौ भक्तों का कहना है कि जहां भी गौशाला में गौ माता भूखे रहने की स्थिति में हो तो वो जरूर सम्पर्क करें, हम लोगों से जो सेवा हो सकती है वो हम लोग अवश्य करने का प्रयास करेगें। इस मौके पर श्री बाला जी मानव सेवा समिति के संस्थापक सतेन्द्र राघव, अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी सरदार मंजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

- **श्री बालाजी मानव सेवा समिति, गौ सेवा सदन और एक्टिव सिटीजन टीम ने उपलब्ध कराया गया चारा**

जिम्स में एएमआर फ्रंटलाइन कार्यशाला का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) के बारे में एएमआर फ्रंटलाइन कार्यशाला का आयोजन अशोका विवि के सहयोग से किया

गया,जिसमें जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा के एमबीबीएस प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र शामिल हुए। इसमें एमबीबीएस छात्रों को सुपरबग्स और रोगाणुरोधी के महत्व पर संवेदनशील बनाया जा सके। जीआईएमएस के निदेशक डॉ (ब्रिगेडियर) राकेश गुप्ता ने कार्यशाला का उद्घाटन किया, जबकि सामुदायिक चिकित्सा के डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने एएमआर के बारे में जानकारी दी। प्रख्यात वक्ताओं में डॉ. (ब्रिगेडियर) अजय कुमार साहनी एचओडी, माइक्रोबायोलॉजी जीआईएमएस ने एमबीबीएस छात्रों के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रासंगिकता के बारे में बात की। डब्ल्यूएचओ की सेहरी बरार और डॉ विजय पाल सिंह ने इसके वैश्विक प्रभाव और एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के माध्यम से एएमआर को दूर करने के बारे में बात की। मैक्स अस्पताल के डॉ. बंसीधर तराई ने नैदानिक सेटिंग्स में इसकी चुनौतियों के बारे में बात की। एमएएमसी के डॉ. प्रभाव अग्रवाल ने एंटीबायोटिक नीति और संक्रमण नियंत्रण उपायों के बारे में बात की। अशोका विश्वविद्यालय से डॉ आराधना बराल, एपीएसआई-इंडिया द्वारा एएमआर निगरानी के बारे में बात की। इस अवसर पर डॉ. सौरभ श्रीवास्तव (सीएमएस), डॉ. वरुण गोयल और डॉ. मोहम्मद कौसर नेयाज भी उपस्थित थे।

शापर्स स्टोर के कर्मचारी की हत्या के आरोप में तीन दोस्त गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में एक बड़े मॉल के शापर्स स्टोर के कर्मचारी को तीन दोस्तों ने मार डाला था। हत्या करने के बाद तीनों ने शव को गौड़ चौक के पास नाले में फेंक दिया। पुलिस ने हत्या से पर्दा उठाते खुलासा किया है। सुभंजय जो गौर सिटी मॉल में शापर्स स्टोर में रिटेलर्स का काम करता था। उसके तीन दोस्त रिलायन्स स्टोर में एक साथ काम करते थे। अमन के द्वारा मृतक सुभंजय के क्रेडिट कार्ड से मॉल से फोन खरीद लिया था। जिस कारण अमन सुभंजय के पैसे देने में आनाकानी कर रहा था। अमन ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर 10 दिसम्बर को सुभंजय को रुपए देने के बहाने से वादी के पास से ही पुराना हैवतपुर से डबल

पुलिया के पास ग्रीन बेल्ट में बुलाकर ले गये और वहां जाकर सुभंजय की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को ले जाकर डबल पुलिया के पास नाले में फेंक कर भाग गये। सुभंजय के घर वापस ना आने पर वादी द्वारा थाना बिसरख पर पुनीत,अमन और विवेक के विरुद्ध बिसरख थाने पर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रन फॉर वोट का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा,12 दिसम्बर (देशबन्धु)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में एवं जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर के तत्वाधान में मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत पंडित दीनदयाल जिला स्तरीय प्रतियोगिता व रन फॉर वोट का फ्लोरेंस इंटरनेशनल स्कूल ग्रेटर नोएडा में आयोजन हुआ, जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी मनीश कुमार वर्मा ने किया। उपक्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं में तीरंदाजी, स्केटिंग, जिमनास्टिक, योगा, फुटबॉल, एथलेटिक्स व शतरंज में 12 स्कलों के लगभग 300 बच्चों ने प्रतिभाग किया। खेल प्रतियोगिता

का जिलाधिकारी मनीश कुमार वर्मा के द्वारा खेलों में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया गया। साथ ही रन फॉर वोट के माध्यम से युवाओं को अपने मत का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीश कुमार वर्मा, उपक्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर, उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन सेक्रेटरी प्रमोद कुमार, स्कूल की प्रिंसिपल शालू पिल्लई, वी यू स्पोर्ट्स के दीपक अग्रवाल, विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक व स्वीप कोऑर्डिनेटर गीता भाटी व धीरज कुमारी उपस्थिति रही।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम फतेहपुर अटटा, कार्यालय उप जिलाधिकारी, दादरी गौतमबुद्धनगर द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 490/आर0ए0/तृतीय/2021 दिनांक 01.02.2021 से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र के अनुसार निम्न प्रकार मृतक श्री यामीन पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी ग्राम कक्राला, ख्यौसपुर नोएडा, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खाता संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
1	फतेहपुर अट्टा	800/3 804/2 805/2 808 809/2	स्व0 श्री यामीन पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी ग्राम कक्राला, ख्यासपुर नोएडा, परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती समीदन	पत्नी	63 वर्ष
				श्री शौकत अली	पुत्र	46 वर्ष
				श्री रियासत चौधरी	पुत्री	35 वर्ष
				श्री वसीम	पुत्र	31 वर्ष
				श्री आमिर खान	पुत्र	30 वर्ष
				श्रीमती नूरजहॉ विवाहित	पुत्री	44 वर्ष
				श्रीमती कमरजहॉ विवाहित	पुत्री	42 वर्ष
				श्रीमती इमराना विवाहित	पुत्री	26 वर्ष
				श्रीमती तनुजा विवाहित	पुत्री	24 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम चपरगढ में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या-1072/एस.टी.-एस.डी.एम./दिनांक 10.11.2023 व मृतक श्रीमती ज्ञानवती पत्नी स्व0 श्री निहाल सिंह व श्री निहाल सिंह पुत्र श्री मुन्शी नि0 ग्राम-चपरगढ माजरा मिर्जापुर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
मिर्जापुर	33, 141 व 145	श्रीमती ज्ञानवती पत्नी स्व0 श्री निहाल सिंह व श्री निहाल सिंह पुत्र श्री मुन्शी नि0 ग्राम चपरगढ माजरा मिर्जापुर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर	श्री फिरेसिंह	पुत्र	66 वर्ष
			श्री चन्द्रपाल	पुत्र	56 वर्ष
			श्री सुभाष	पुत्र	48 वर्ष
			श्री ओजाद सिंह	पुत्र	40 वर्ष
			श्रीमती महेन्द्री	पुत्री विवाहित	64 वर्ष
			श्रीमती श्यामा देवी	पुत्री विवाहित	55 वर्ष
			श्रीमती रामो	पुत्री विवाहित	54 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा
कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/
नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, बुधवार 13 दिसम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

इस चेतावनी को सुनना होगा

मंगलवार को संसद भवन के बाहर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पत्रकारों से चर्चा में दो-तीन मार्के की बातें कही हैं, जिन पर गौर फरमाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने पत्रकारों के जरिए एक बार फिर आम जनता के लिए संदेश दिया है कि कांग्रेस आने वाले वक्त में भी जाति जनगणना के मुद्दे को उठाती रहेगी। श्री गांधी ने कहा कि मूल मुद्दा जाति आधारित जनगणना है और लोगों का पैसा किसे मिल रहा है? वे (भाजपा) इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, वे इससे दूर भागते हैं। हम इस मुद्दे को आगे बढ़ाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि गरीबों को वह मिलता है जिसके वे हकदार हैं। गौरतलब है कि हाल में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में लगभग हर रैली में राहुल गांधी ने जाति जनगणना की बात की थी और साथ ही दावा किया था कि कांग्रेस की सरकार आने पर वह इसे अमल में लाएगी। तेलंगाना के अलावा कांग्रेस को किसी राज्य में जीत नहीं मिली, बल्कि उम्मीद के विपरीत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान भाजपा के पास चले गए। भाजपा जातिगत जनगणना के मुद्दे से बचती रही है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो यहां तक कह दिया था कि इस देश में केवल गरीबी ही जाति है और कोई जाति नहीं है। लेकिन जिस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में क्रमश: विष्णु देव साय और मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद दिया गया है, उससे दिखाई दे रहा है कि भाजपा को अंतत: राहुल गांधी की लीक पर ही चलना पड़ा है। भाजपा इस बात को मानती है या नहीं, ये अलग बात है।

संसद के बाहर राहुल गांधी ने दूसरी महत्वपूर्ण बात पं.नेहरू को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर की। गृहमंत्री अमित शाह ने पहले लोकसभा में और फिर सोमवार को राज्यसभा में भी जम्मू-कश्मीर को लेकर पं. नेहरू को निशाने पर लिया और उन पर गलतियों का ठीकरा फोड़ा। इसके बाद देश में इसी बात पर चर्चा होने लगी कि आजादी के बाद जब जम्मू-कश्मीर का विलय देश में हुआ और पाकिस्तानी कबाइलियों को भारतीय सेना ने हरा कर भगा दिया, उस वक्त और क्या-क्या हुआ था, तब किस तरह के हालात थे। उस बारे में माउंटबेटन से लेकर सरदार पटेल और नेहरू से लेकर शेख अब्दुल्ला और राजा हरिसिंह की क्या भूमिकाएं थीं। किसकी गलती थी, किसकी नहीं, इस पर नयी बहस शुरु हो गई। ऐसी बहसें अगर स्वस्थ मानसिकता और निष्पक्षता से की जाएं, तब तो इनका लाभ है। मगर इस समय बहस नहीं होती, केवल दोषारोपण होता है और उसमें भी नेहरूजी पर ही लक्ष्य साधा जाता है। इन हालात में राहुल गांधी ने साफ कहा कि वे हमें इस मुद्दे (जाति जनगणना) से भटकाने के लिए जवाहरलाल नेहरू और अन्य के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा की नब्ज बिल्कुल सही जगह पर पकड़ी है। देश में इस वक्त जाति जनगणना वाकई एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि इसके जरिए ही सामाजिक न्याय के मकसद को पूरा किया जा सकता है। जब सामाजिक न्याय के लिए माहौल बनेगा, तब आर्थिक न्याय की प्रक्रिया भी अपने आप शुरु हो सकेगी। दरअसल ये सारी बातें एक-दूसरे पर ही आश्रित हैं और इसलिए राजनैतिक विमर्श में इनका केंद्र में रहना जरूरी है। संसद सत्रों के तमाम दिनों में इन पर अधिक से अधिक विचार-विमर्श होना चाहिए। लेकिन अभी आलम ये है कि संसद में की जा रही विवादास्पद बातें ही सुर्खियां बनती हैं। 140 करोड़ लोगों के लिए नियम-कानून बनाते वक्त सरकार कितनी देर और कितनी गंभीरता से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करती है, इसकी कोई खबर ही आम जनता को नहीं हो पाती। जब कोई कानून बन जाता है या रद्द हो जाता है, तभी लोगों को पता चलता है। ये बात लोकतंत्र के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं है। इसलिए राहुल गांधी ने ध्यान भटकाने वाली जो बात कही है, वो सटीक है।

राहुल गांधी ने तीसरी टिप्पणी इतिहास में नेहरूजी की भूमिका को लेकर की। दरअसल पं.नेहरू पर राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि अगर असमय सीजफायर नहीं होता, तो आज पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर नहीं होता। हमारी सेना जीत रही थी वो भाग रहे थे। नेहरू दो दिन रुक जाते तो पूरा पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर तिरंगे के तले आ जाता। इतिहास के एक बेहद जटिल मुद्दे का यह अतिसरलीकरण है कि अगर दो दिन का इंतजार किया जाता तो आज पीओके ही नहीं होता। जिन नेहरू की बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता का लोहा दुनिया के बड़े नेता मानते रहे हैं, उन्हें भाजपा आला दर्जे के मूर्ख नेता की तरह प्रस्तुत कर रही है, और लोगों को यह बता रही है कि देश की समस्याओं के नेहरू जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी ने अमित शाह की इस टिप्पणी पर कहा कि 'पंडित नेहरू ने भारत के लिए अपनी जान दे दी, वह वर्षों तक जेल में रहे। अमित शाह इतिहास से अनजान हैं। मैं उनसे इतिहास जानने की उम्मीद नहीं कर सकता, उन्हें इसे दोबारा लिखने की आदत है...।'

राहुल ने यहां बहुत गहरी बात कही है। क्योंकि तथ्यों को नजरंदाज करते हुए इतिहास को दोबारा लिखने की कोशिश वही करते हैं, जो बिना योगदान के अपने लिए श्रेय की तलाश में रहते हैं। भाजपा के पूर्वजों का भारतीय स्वाधीनता संग्राम में कोई योगदान नहीं था, ये सब जानते हैं और लोग अब ये भी देख रहे हैं कि भाजपा के दस सालों के दीर्घ शासन में देश कैसी समस्याओं से घिर चुका है। इनमें सबसे बड़ी समस्या लोकतंत्र को बचाने की है। अनुच्छेद 370 के हटाने पर सुप्रीम कोर्ट से आए फैसले के बाद अमित शाह ने संसद में विपक्ष को चेतावनी दी कि लौट आइए, नहीं तो जितने हो, उतने भी नहीं बचोगे। यह अपने आप में एक अलोकतांत्रिक टिप्पणी है। क्योंकि विरोध करना विपक्ष का धर्म है। इसी तरह शिवसेना सांसद संजय राउत पर प्रधानमंत्री के खिलाफ लेख लिखने पर एफआईआर दर्ज होना, या जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रों को धरना देने पर 20 हजार और राष्ट्र विरोधी नारे लगाने पर 10 हजार रुपये के जुर्माने का फरमान जारी करना, सभी लोकतंत्र के खत्म होते जाने की चेतावनी है।

राहुल गांधी इस चेतावनी को बार-बार दोहरा रहे हैं, देखना है कि जनता इसे सुनती है या नहीं।

क्या कारगर होंगे भाजपा के नये-पुराने हथियार ?

डॉ. दीपक पाचपोर

> जातिगत जनगणना के जरिये कांग्रेस के राहुल गांधी व जनता दल यूनाईटेड के नीतीश कुमार ने जो सामाजिक न्याय का विमर्श बढ़ाया है; और जिसे वे और बड़ा मुद्दा बना रहे हैं, उसे खेलने की शुरुआत भाजपा ने कर दी है। पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ भाजपा द्वारा अपने ओबीसी राज्य अध्यक्ष अरूण साव का चेहरा लाया गया और हवा बनाई गई कि अगर पार्टी जीतती है तो उन्हें सीएम बनाया जा सकता है।

जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, भारतीय जनता पार्टी अपने शस्त्रागार में हथियार एकत्र कर रही है। इनमें से कुछ तो उसके पुराने हैं, कुछ नये। पुराने शस्त्रों को सहेजकर रखते हुए उसने हाल के सियासी घटनाक्रम से कई नये हथियार भी एकत्र किये हैं। आने वाले समय में उसके पास कुछ और शस्त्र उपलब्ध हो जायेंगे। देखना होगा कि इनके जवाब में मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल कांग्रेस और संयुक्त प्रतिपक्ष 'इंडिया' किस तरह से अपनी रणनीति बनाता है। सम्भव है कि जिस प्रकार से इंडिया मजबूत हो रहा है, उसके चलते भाजपा बहुआयामी रणनीति बना रही है क्योंकि उसे अगले चुनाव (लोकसभा) में अनेक दलों से विभिन्न मुद्दों पर चुनाव लड़ना होगा। इस लड़ाई में अगर कांग्रेस को बने रहना है तो उसे भाजपा के पुराने के साथ नये संग्रहित हथियारों की काट अभी से ढूंढनी होगी। उसका 'एक के खिलाफ केवल एक प्रत्याशी' का जो फार्मूला इंडिया के सहयोग से बन रहा है, वह तो काम करेगा ही, प्रभावशाली विमर्श ही गठबन्धन को चुनाव के पूर्व और पश्चात बांधे रखेगा।

भाजपा का पुराना अस्त्र कहें या शस्त्र क्या है, तो नि:संदेह वह ध्रुवीकरण है। इस साल के मध्य में कर्नाटक विधानसभा के हुए चुनाव में उसे मिली हार से एकबारगी यूं प्रतीत हो रहा था कि वह इसका आगे उपयोग नहीं करेगी, लेकिन हाल ही में समाप्त हुए पांच राज्यों के चुनावों में से कम से कम राजस्थान व छत्तीसगढ़ में तो उसका साम्प्रदायिकता का कार्ड सफल होता दिखा है। साजा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के कद्दावर नेता रवींद्र चौबे को ईश्वर साहू द्वारा परास्त करना बतलाता है कि उसका दांव कारगर साबित हुआ है। ईश्वर साहू के पुत्र भुनेश्वर को साम्प्रदायिक झगड़े में मार डाला गया था। ऐसे ही, कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से कद्दावर नेता मोहम्मद अकबर को हराने वाले विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाना इस बात का इशारा है कि भाजपा की चुनावी रणनीति अब भी इस पर बड़े तौर पर आश्रित है। 2018 का चुनाव 60 हजार वोटों से जीतने वाले अकबर का 40 हजार मतों से हारने का अर्थ है कि भाजपा का ध्रुवीकरण का हथियार अब भी धारदार है। राजस्थान में भी भाजपा ने कन्हैयालाल दर्जी की हत्या को निर्णायक बना दिया जिसके आगे अशोक गहलोत के जमीनी मुद्दे धराशायी हो गये। यहां बाबा बालकनाथ, बालमुकुंद आचार्य समेत चार संन्यासी चुनाव जीते हैं। साम्प्रदायिकता के विमर्श को ये साधुगण कैसे आगे बढ़ाएंगे, इसकी एक बानगी आचार्य अपने क्षेत्र हवामहल में नॉन वेज के ठेले व दुकानों को बन्द कराकर दिखला चुके हैं।

जातिगत जनगणना के जरिये कांग्रेस के राहुल गांधी व जनता दल यूनाईटेड के नीतीश कुमार ने जो सामाजिक न्याय का विमर्श बढ़ाया है; और जिसे वे और बड़ा मुद्दा बना रहे हैं, उसे खेलने की शुरुआत भाजपा ने कर दी है। पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ भाजपा द्वारा अपने ओबीसी राज्य अध्यक्ष अरूण साव का चेहरा लाया गया और हवा बनाई गई कि अगर पार्टी जीतती है तो उन्हें सीएम बनाया जा सकता है। ऐसे ही, अमित शाह ने रायगढ़ के प्रत्याशी पूर्व आईएएस ओपी चौधरी को भी बड़ा ओहदा देने का संदेश उनके मतदाताओं को दिया था। वे भी ओबीसी से आते हैं। देखना यह होगा कि उन्हें कौन सा बड़ा पद मिलेगा। उधर मध्यप्रदेश में तो भाजपा ने डॉ. मोहन यादव को ही सीएम बना दिया है। यह एक तरह से संकेत हैं कि पार्टी ओबीसी कार्ड खेल रही है। यह अलग बात है कि यादव कभी भी ओबीसी नेता के रूप में स्थापित नहीं रहे, न ही मान्य।

मोदी की गारंटियों की चर्चा भी विधानसभा के इन चुनावों में बहुत हुई है। छत्तीसगढ़ में मतदाताओं ने कांग्रेस की किसानों को कर्ज माफी की बजाय उस पार्टी को चुना जो इस मामले में मौन है। धान के 3200 रुपए प्रति क्विंटल की जगह उसे भाजपा का 3100 रुपए का मूल्य पसंद आया है। ऐसे ही, उन्हें कांग्रेस की केजी से पीजी तक की लड़कियों को मुफ्त शिक्षा योजना के स्थान पर भाजपा की केवल पीजी की मुफ्त शिक्षा अधिक भायी। विवाहित महिलाओं को कांग्रेस 15 हजार रुपए सालाना देना चाहती थी पर वोटरों को भाजपा के वार्षिक 12 हजार रुपए अधिक लगे। उधर राजस्थान की 50 लाख तक की चिरंजीवी मुफ्त चिकित्सा योजना को उसने नकार दिया और भाजपा को तरज़ीह दी। वैसे भाजपा ने अन्य कई घोषणाएं की हैं, खासकर सस्ते गैस सिलेंडर व पीजी पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त स्कूटी। मध्यप्रदेश में शिवराज चौहान की लाडली बहन योजना भी चर्चित रही। यह दीगर बात है कि मोदी ने वहां की अपनी सभाओं में उसका ज़िक्र तक नहीं किया। देखना होगा कि जिन वादों, गारंटियों व आश्वासनों के बल पर भाजपा ने तीन राज्य जीते हैं उन पर कितना अमल होता है। लोकसभा चुनाव में उनके नामों पर भाजपा तभी अपनी छाती ठोंक सकेगी जब इस अल्पावधि में उन पर प्रभावशाली अमल होगा।

अगर इस पर चर्चा करें कि आने वाले समय में भाजपा के तरकश में कौन से नये तीर रखे जा सकते हैं, तो कहा जा सकता है कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जम्मू-कश्मीर के मसले पर सरकार के पक्ष में दिये गये फैसले का वह लाभ लेने की कोशिश करेगी। शीर्ष कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने वाले केन्द्र के निर्णय को सही ठहराया। इसे भाजपा सरकार अपनी तथा अप्रत्यक्ष रूप से हिन्दुवादी विचारों की बड़ी जीत बता रही है। आश्चर्य नहीं होना चाहिये अगर इस फैसले का फायदा लेने का पूरा वह पूरा कार्यक्रम ही बना डाले। इसके अलावा जिस मुद्दे का वह सर्वाधिक लाभ लेने की तैयारी करती हुई दिख रही है, वह है अयोध्या का नवनिर्मित राममंदिर। इसका उद्घाटन स्वयं मोदी 22 जनवरी, 2024 को करने जा रहे हैं। इसका निमंत्रण देश के हर घर तक पहुंचाने की तैयारी चल रही है।

अब सवाल यह बनता है कि क्या इस बहुकोणीय नीति का भाजपा को लाभ मिलेगा? सम्भव है कि हिन्दी पट्टी में उसके वोट बैंक पर कुछ असर पड़े। विशेषकर, जो लोग मोदी सरकार प्रदत्त महंगाई, बेरोजगारी, प्रशासनिक नाकामियों के चलते उससे छिटक रहे हैं, वे फिर से भाजपा के समर्थन में आ सकते हैं। इसकी काट कांग्रेस समेत इंडिया के पास यह होगा कि उसके मतों का इस बार वैसा विभाजन नहीं होगा जैसा कि अब तक होता आया है। अभी तेलंगाना और कुछ अर्सा पहले कर्नाटक हारने के बाद दक्षिण में भाजपा के दरवाजे बन्द हो चले हैं। मणिपुर की घटनाओं के बाद पूर्वोत्तर में वह बेहद अलोकप्रिय हो गई है। यह भी याद रखना होगा कि भाजपा का प्रचार अभियान पूर्णत: मोदी पर निर्भर है। देखना होगा कि बचे चार-पांच माह में वे देश के कितने हिस्सों दौरा कर सकेंगे। दूसरी तरफ उनके खिलाफ विभिन्न नेता राष्ट्रीय स्तर पर या अपने-अपने राज्यों में बड़े चेहरे हैं जो पहले भी मोदी-भाजपा को निष्प्रभावी कर चुके हैं। सबसे केवल दो लोगों को लड़ना है- मोदी व शाह। अंतिम बात, तीन राज्य हारकर भी कांग्रेस हतोत्साहित नहीं है क्योंकि इन चुनावों में उसने 40 प्रतिशत वोट हासिल किये हैं जो भाजपा से करीब 10 लाख ज्यादा हैं। 19 दिसम्बर को दिल्ली में इंडिया के सहयोगी दल मिल रहे हैं। देखना होगा कि वे किस तरह से अपनी रणनीति को अंतिम रूप देते हैं।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

भगवा से मुकाबला के लिए इंडिया गठबंधन को चाहिए एक अधिक आकर्षक आख्यान

■ **कल्याणी शंकर**

> भाजपा को दक्षिण के लिए नये सिरे से रणनीति विकसित करने की जरूरत है, जबकि कांग्रेस को उत्तर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जहां तक क्षेत्रीय दलों की बात है तो उनकी प्राथमिकता अपने वफादार मतदाता आधार को बनाये रखने की होनी चाहिए। इसके अलावा, मतदाताओं को जीतने के लिए केवल मुफ्त उपहार देना हमेशा पर्याप्त नहीं होता है। उनका विश्वास और समर्थन अर्जित करने के लिए और अधिक प्रयास करना आवश्यक है।

पांच राज्यों के चुनाव संपन्न होने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग गये हैं। भाजपा हिंदी पट्टी में अपना गढ़ बनाये रखने को लेकर आश्वस्त है और विपक्ष उन्हें प्रभावी ढंग से चुनौती देने में विफल रहा है। नवंबर में हुए चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने जीत हासिल कर ली है।

भाजपा भारत में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन गई है। पार्टी ने अपनी पहुंच का विस्तार किया है और वर्तमान में 18 राज्यों में सत्ता पर काबिज है। यह इसके दृढ़ नेतृत्व, सुव्यवस्थित संरचना, विशाल संसाधनों और प्रभावी संचार के कारण है। इसके अलावा, भारतीय राजनीति में दक्षिणपंथ की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। नरेंद्र मोदी और अन्य विपक्षी नेताओं की लोकप्रियता रेटिंग में काफी अंतर है। पार्टी का नया नारा है- 'नई गति, नई प्रतिज्ञा।'

पिछले दस वर्षों में, नरेंद्र मोदी ने भाजपा की हिंदू राष्ट्रवाद की मूल अवधारणा को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया है। पार्टी ने मतदाताओं को जीतने के लिए नकद हस्तांतरण, मुफ्त राशन और किफायती गैस सिलेंडर जैसी कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। एक और महत्वपूर्ण विचार अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन अगले साल जनवरी में करने की योजना है। उच्च बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और मूल्य वृद्धि जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, ये योजनाएं जनता के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैं। भाजपा इन्हीं के आधार पर पार्टी के लिए तीसरे कार्यकाल की वकालत कर रही है।

भाजपा को दक्षिणी राज्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और पार्टी इन राज्यों में चुनाव जीतने के लिए केवल मोदी के करिश्मे पर निर्भर रहने से परे नयी रणनीति अपना सकती है। केन्द्रीय नेतृत्व पार्टी के भीतर आंतरिक असहमति को दूर करने की कोशिश कर रहा है।

हालांकि, उन्हें एक नया आख्यान बनाने की ज़रूरत है जो दक्षिणी राज्यों के मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित हो। हिंदुत्व और सनातन धर्म की मौजूदा विचारधारा इन राज्यों के लोगों को पसंद नहीं आ रही है। एक ऐसी विचारधारा वाली पार्टी के रूप में यह उत्तर भारत की जरूरतों को पूरा करती है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, द्रविड़ दलों ने दशकों से सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्रविड़ प्रशासन मॉडल की बात करते रहे हैं। दक्षिणी क्षेत्र में 543 लोकसभा सीटों में से 131 सीटें हैं। केरल में कई कम्युनिस्ट समर्थक हैं। तमिलनाडु मुख्य रूप से नास्तिक है, और भाजपा का कर्नाटक में कुछ आधार है। हालांकि, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय पार्टियां हैं, जिससे इन राज्यों में भाजपा का समर्थन सीमित है।

विपक्षी इंडिया गठबंधन हाल के चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से निराश है। अगर सबसे पुरानी पार्टी कम से कम दो उत्तरी भारतीय राज्यों में जीत हासिल करती तो राहुल गांधी सफल हो सकते थे। कांग्रेस को अगले चुनाव से पहले एक नयी चुनावी रणनीति अपनानी होगी।

मोदी को चुनौती देने के लिए अगले चार महीनों में गैर-भाजपा वोटों के विभाजन को रोकने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा। पहले कदम के रूप में, उन्हें उन सीटों पर एक ही उम्मीदवार खड़ा करने पर सहमत होना चाहिए जहां भाजपा प्राथमिक दावेदार है। कांग्रेस पार्टी को सफलता की अधिक संभावना वाले निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। व्यक्तिगत एजेंडों और अहंकारी सत्तारूढ़ पार्टी को हराने को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

कांग्रेस को अपने नेतृत्व को अद्यतन करने और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ने की जरूरत है। तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की आलोचना की और कहा कि भाजपा की जीत कांग्रेस की विफलता का नतीजा है। आंतरिक संघर्षों, कमजोर गठबंधनों और वर्तमान राजनीतिक माहौल की समझ की कमी के कारण कांग्रेस चुनाव हार गई। सुधार के लिए, कांग्रेस को उचित भूमिकाओं के लिए सक्षम व्यक्तियों की भर्ती करनी चाहिए और अपने समर्थकों को प्रेरित करना चाहिए।

राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए 4,000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया। इससे पार्टी को कर्नाटक और तेलंगाना में महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में मदद मिली। हालांकि, यात्रा की सफलता मुख्यत: दक्षिण भारत तक ही सीमित थी और उत्तर में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्ष को अधिक धन की आवश्यकता है। भगवा पार्टी अपने अभियान को टॉप गियर में रखने के लिए अपने धन का उपयोग करती है। पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस को रुपए 1,547.43 करोड़ की तुलना में भाजपा को रुपए 10,122.03 करोड़ का राजनीतिक दान मिला। कांग्रेस को कॉर्पोरेट योगदान कम हो गया है जबकि भाजपा को उसका योगदान बढ़ गया है।

हालिया रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस धन की कमी के कारण अपने चुनाव अभियानों को वित्तपोषित करने के लिए क्राउडफंडिंग पर विचार कर रही है। इसे भजपा के राजनीतिक युद्ध कोष से मुकाबला करने के लिए विशाल धन की आवश्यकता है।

पिछले 20 सालों में भाजपा का लोकसभा चुनाव पर खर्च छह गुना बढ़ गया है, जो पिछले लोकसभा चुनाव में 9 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 55 हजार करोड़ रुपये हो गया है। खर्च का एक तिहाई हिस्सा प्रचार के लिए आबंटित किया जाता है। इसके विपरीत, दूसरा सबसे बड़ा खर्च मतदाताओं को सीधा भुगतान है। मतदाताओं को रिश्वत देने के कई तरीके हैं। फंड और आरएसएस समर्थित संगठन दोनों के मामले में भाजपा को कांग्रेस के मुकाबले बड़ा फायदा है।

सीधे शब्दों में कहें तो भाजपा को दक्षिण के लिए नये सिरे से रणनीति विकसित करने की जरूरत है, जबकि कांग्रेस को उत्तर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जहां तक क्षेत्रीय दलों की बात है तो उनकी प्राथमिकता अपने वफादार मतदाता आधार को बनाये रखने की होनी चाहिए। इसके अलावा, मतदाताओं को जीतने के लिए केवल मुफ्त उपहार देना हमेशा पर्याप्त नहीं होता है। उनका विश्वास और समर्थन अर्जित करने के लिए और अधिक प्रयास करना आवश्यक है।

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा एक बड़ी उपलब्धि है जिसकी शायद ही कोई मिसाल हो। अपनी खामियों के बावजूद लोकतंत्र बचा हुआ है और सत्ता का हस्तांतरण 17 बार हो चुका है। आखिरकार, यह अरबों मतदाता ही हैं जो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सरकार का स्वरूप तय करेंगे।

पावन प्रसंग

सांस्कृतिक एकता के सूत्र

भारत विश्व की सभी प्राचीन सभ्यताओं में से एकमात्र जीवित एवं विकसित सभ्यता है। भारत विश्व का एकमात्र जीवित प्रागैतिहासिक राष्ट्र है। अतीत से भविष्य तक इतने लंबे अंतराल में इतने विराट स्वरूप को भारत ने संरक्षित एवं सुरक्षित रखा है। यह पश्चिमी विचारकों के लिए आश्चर्य और शोध का विषय है। भारत की एकता का मुख्य आधार आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक कारणों में निहित नहीं है। इन आधारों पर गठित बड़े-बड़े राष्ट्रों का जीवन बहुत लंबा नहीं होता। इसके कई उदाहरण हैं। इतिहास में अरब क्षेत्र में तुर्की और मेसोपोटामिया के साम्राज्य, उत्तरी अफ्रीका में मिस्र का साम्राज्य, यूरोप में रोमन साम्राज्य आज उसी क्षेत्र में अनेक राष्ट्रों में विभाजित हैं।

पिछली शताब्दी में ही चेकोस्लोवाकिया और सोवियत संघ का विघटन इसका प्रमुख उदाहरण है। भारत में एकता का सूत्र यहां की संस्कृति, धर्म और सांस्कृतिक मनोविज्ञान में इतने सुव्यवस्थित ढंग से बसा हुआ है कि सामान्य तौर पर वह नजर ही नहीं आता। भारतीय संस्कृति में एकता का सूत्र अत्यन्त गहरा है। इसी कारण यह आज भी जीवंत एवं विकासशील है। इस संदर्भ में हरबर्ट रिसले का कहना है कि भारत में भौगोलिक, सामाजिक, भाषा, रीति-रिवाज, धर्म की भिन्नता होने पर भी कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक यह एकता के सूत्र में बंधा है। यह एकता है सांस्कृतिक एकता, जिसने भारत की विविधता को अपने में समेटकर अभिन्न एवं वृहद रूप प्रदान किया है- यह एक अद्भुत घटना है। भारतीय संस्कृति की यह एक अद्भुत विशेषता है कि हम यहां के धर्म और संस्कृति के किसी भी प्रतीक पर आस्था रखें तो संपूर्ण भारतवर्ष से स्वत: जुड़ जाएंगे। इसे कुछ इस तरह से समझा जा सकता है। जैसे यदि कोई भारतीय कहे कि वह वैष्णव है, उसकी आस्था भगवान राम में है तो उत्तर में अयोध्या से लेकर चित्रकूट होते हुए धुर दक्षिण में रामेश्वर तक सभी स्थानों से उस व्यक्ति की आस्था स्वयं जुड़ जाएगी। यदि कोई व्यक्ति कहे कि उसकी आस्था भगवान श्रीकृष्ण में है तो उत्तर में उनकी जन्मभूमि मथुरा, पूर्व में जगन्नाथपुरी पश्चिम में द्वारका और दक्षिण में तिरुपति बालाजी तक देश के सभी स्थानों से उसकी आस्था स्वत: जुड़ जाएगी।

एकता का यह सूत्र केवल विचारों में ही सीमित नहीं था। इसका क्रियात्मक स्वरूप भी अनादिकाल से दिख रहा है। देश के चार स्थानों-नासिक, उज्जैन, प्रयाग और हरिद्वार में हर तीन वर्ष के बाद कुंभ मेला होता है और देश के समस्त साधु-संत अखाड़े लगाकर यात्रा करते हैं। आदि शंकराचार्य ने चार स्थानों पर चार मठ बनाए और वहां के शंकराचार्य बनने के लिए यह बाध्यता बनाई कि उसी क्षेत्र का व्यक्ति शंकराचार्य नहीं बनेगा। आज भी नेपाल में पशुपतिनाथ का मुख्य पुजारी शताब्दियों बाद भी कर्नाटक का ही पुजारी बनता आ रहा है अर्थात राजनीतिक पृथकता भी एकता को सांस्कृतिक सूत्र से जोड़े रखती है।

भारत की एकता के सूत्र सांस्कृतिक आस्था और धार्मिक कर्मकांड से लेकर घर के स्नानागार तक इतने सूक्ष्म तरीके से बने हुए हैं कि शताब्दियों के विदेशी शासन के बाद भी भारत अपनी राजनीतिक एकता को अक्षुण्ण रखकर विराट स्वरूप के साथ अडिग एवं अचल है। इसी कारण हम 21वीं सदी में विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। जबकि विश्व की अन्य महानतम शक्तियां अपनी किसी भी किस्म की एकता को नहीं बचा पाई इसीलिए भारत एक चिरंतन राष्ट्र है। भारतीय संस्कृति एकता का मूलमंत्र हमारी भावनाओं में गहराई से रचा-बसा है। वैचारिक रूप से मतभिन्नता संभव है और होनी भी चाहिए, परंतु सांस्कृतिक स्वर हमारी रगों में बहता है, कण-कण में रमता है और व्यवहार में दृष्टिगोचर होता है। भारत की युवा पीढ़ी इस सत्य और तथ्य से सुपरिचित है। बस, उसे दृढ़संकल्प के साथ क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है। इसी आधार पर हम कह सकते हैं, हम विश्व का सक्षम एवं समर्थ रूप से नेतृत्व कर सकते हैं।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

नशे से बचाना होगा उत्तराखंड के ग्रामीण युवाओं को

दुनिया भर में अनैतिक और गैर क़ानूनी तरीके से होने वाले व्यापार में ड्रग्स और नशे का कारोबार प्रमुख है। प्रति वर्ष इसका खरबों डॉलर का दुनिया भर में व्यापार किया जाता है। देश और दुनिया का कोई ऐसा इलाका या गली मोहल्ला नहीं है जहां इसने लोगों को अपनी गिरफ्त में नहीं ले रखा है। बूढ़े से लेकर छोटे बच्चे तक किसी न किसी प्रकार से नशे का शिकार नज़र आते हैं। युवा पीढ़ी सबसे अधिक इस बुराई के दलदल में फंसी नज़र आती है। नशे का यह कारोबार अब देश के दूरदराज़ ग्रामीण इलाकों में भी अपने पैर पसार चुका है और नई नस्ल को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। शहरी इलाकों में जहां महंगे ड्रग्स बिकते हैं तो वहीं ग्रामीण स्तर पर भी इस प्रकार के नशीले उत्पाद पहुंच चुके हैं। इससे न केवल युवा बर्बाद हो रहे हैं बल्कि इससे गांव का सामाजिक ताना बाना भी बिखरता जा रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के युवा भी इस बुराई से बच नहीं सके हैं। राज्य में प्रति वर्ष करोड़ों रूपए के नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं, इसके बावजूद धड़ल्ले से यह कारोबार चल रहा है। नशे की यह लत शहरों से निकल कर राज्य के दूरदराज़ बैसानी गांव तक पहुंच चुकी है। शिक्षा से दूरी युवाओं को नशे की ओर धकेल रही है। गांव के युवा अवैध रूप से नशे के सभी प्रकारों में लिप्त होते जा रहे हैं जो काफी चिंताजनक है। चरस, गांजा, स्मैक और इस प्रकार की अन्य नशीली चीज़ों का सेवन करते यहां के युवाओं को देखा जा सकता है। अब तो इनकी देखादेखी 10-12 साल के छोटे बच्चे भी इसका सेवन करने लगे हैं जो भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यह लत यहां के युवाओं में इस कदर बढ़ चुकी है कि माता-पिता चाह कर भी अपने बच्चों को इससे बचा नहीं पा रहे हैं। हालांकि गांव के कुछ युवा अभी भी ऐसे हैं जो इस बुराई से दूर हैं। युवा न केवल अपना भविष्य बल्कि अपना स्वास्थ्य भी खराब कर रहे हैं। प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की ज़रूरत है। 10वीं और 11वीं में पढ़ने वाले कई ऐसे बच्चे हैं जो घर से स्कूल जाने के लिए निकलते तो हैं लेकिन वह स्कूल न जाकर नशा करने वाले लोगों के पास बैठ जाते हैं और ड्रग्स लेते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इनके पास इसे खरीदने के लिए पैसे कहां से आते हैं? वहीं गांव के एक 60 वर्षीय बुजुर्ग कहते हैं कि गांव में लोग पहले भी मदिरापान का सेवन किया करते थे, लेकिन तब इसे केवल त्यौहारों और उत्सवों में प्रयोग किया जाता था। अन्य दिनों में गांव के लोग इस बुराई से दूर रहा करते थे। लेकिन आज यह युवाओं की नस-नस में समा चुका है। अब इसे उत्सवों में नहीं बल्कि भोजन की तरह प्रतिदिन इस्तेमाल किया जाने लगा है। यह पुराने दिनों की तरह देसी मदिरा नहीं बल्कि जीवन बर्बाद कर देने वाला नशा है। चरस और गांजा जैसी नशीली दवाएं युवाओं को असमय मौत की तरफ धकेल रही है।

इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता कला कोरंगा कहती हैं कि उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बीड़ी-सिगरेट पीना आम बात है। बच्चे अपने आसपास और अपने घर के बड़े बुजुर्गों को यह पीते देख कर उनसे सीखते हैं जो आगे चलकर उन्हें नशा के अन्य स्त्रोतों का आदी बना देता है। वह कहती हैं कि बागेश्वर जिला अंतर्गत कई गांवों में भांग की खेती की जाती है जो नौजवानों को इसे उपलब्ध कराने का सबसे आसान माध्यम होता है। उनके अनुसार युवाओं को इससे बचाने के लिए सभी स्तरों पर काम करने की ज़रूरत है। एक ओर जहां प्रशासन को सख्त कदम उठाने होंगे वहीं सामाजिक रूप से सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी बनती है कि युवाओं को इस बुराई के खिलाफ जागृत किया जाए ताकि वह इससे दूर हो सकें।

श्रुति जोशी, बैसानी उत्तराखंड

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

प्रशांत बेड़े में दो नई परमाणु पनडुब्बियां शामिल होंगी : पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि कि देश के प्रशांत बेड़े में दो नयी परमाणु पनडुब्बियां सम्राट अलेक्जेंडर-3 और क्रास्नोयार्स्क जल्द ही शामिल की जाएंगी। श्री पुतिन ने दोनों पनडुब्बियों के ध्वजारोहण समारोह में कहा कि बहुत जल्द पानी के अंदर मिसाइल वाहक सम्राट अलेक्जेंडर-3 और क्रास्नोयार्स्क प्रशांत बेड़े में अपना कार्य शुरू करेंगे। क्रास्नोयार्स्क एक बहुउद्देशीय परमाणु पनडुब्बी है जिसे 30 जुलाई, 2021 को जलावतरण किया गया था। उन्नत रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक हथियार प्रणालियों, उपकरणों और सामग्रियों के साथ, यह परमाणु संचालित जहाजों की चौथी पीढ़ी से संबंधित है।

युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र के साथ इजरायल के संबंध बेहद खराब : इजरायली राजनयिक

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। दो महीने पहले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के साथ देश का युद्ध शुरू होने के बाद से संयुक्त राष्ट्र के साथ इजराइल के रिश्ते बेहद खराब हो गए हैं। यह बात इज़राइल के विदेश मंत्रालय प्रभाग के उप महानिदेशक अमीर

■ संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के 75 वर्ष पूरे किए

वीसब्रॉड ने कही। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम करने वाले इज़राइल के विदेश मंत्रालय प्रभाग के उप महानिदेशक अमीर वीसब्रॉड ने सोमवार को एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, संयुक्त राष्ट्र के साथ हमारे संबंधों में युद्ध एक महत्वपूर्ण क्षण है। सोमवार को, संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के 75 वर्ष पूरे किए। वीसब्रोड ने पक्षपातपूर्ण व्यवहार के लिए संयुक्त राष्ट्र महिला, यूनिसेफ और मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पहली दो संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने हमास द्वारा इजरायली महिलाओं के खिलाफ की गई लैंगिक हिंसा, 7 अक्टूबर को देश के दक्षिण में कृषि-आधारित समुदायों पर हमले या दर्जनों बच्चों के अपहरण की पर्याप्त निंदा नहीं की है, इनमें से कई अभी भी बंदी हैं। .उन्होंने तीसरी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी पर कॉस्टल एन्क्लेव में मानवीय स्थिति या सहायता वितरण की आंशिक रिपोर्टिंग का आरोप लगाया।

इज़राइल में हमास के नरसंहार में कम से कम 1,200 लोग मारे गए और बच्चों और बुजुर्गों सहित लगभग 240 लोगों को बंधकों के रूप में गाजा ले जाया गया। एक अस्थायी युद्धविराम होने पर दिसंबर की शुरुआत में 201 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में 105 इजरायली और विदेशी बंधकों को रिहा कर दिया।

वीसब्रोड ने कहा, केवल एक चीज जिसकी हमें उम्मीद थी वह निष्पक्षता और सहानुभूति है। उन्होंने कहा कि हमास के हमलों के बाद क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के दूत को दक्षिणी इज़राइल का दौरा करने में तीन सप्ताह लग गए।

गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 18 हजार के पार

गाजा। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि 7 अक्टूबर से हमास-इजरायल संघर्ष के परिणामस्वरूप गाजा पट्टी में फिलीस्तीनियों के मरने वालों की संख्या 18,000 से अधिक हो गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि 24 घंटों के दौरान 208 फिलिस्तीनियों के शवों को गाजा पट्टी के अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया और इजरायली हमले में 416 फिलिस्तीनी घायल हो गए। अल-केदरा के अनुसार, सोमवार तक हमास-इज़राइल संघर्ष में कुल 18,205 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 49,645 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने दुनिया भर की मेडिकल टीमों से घायलों के लिए जीवन रक्षक अभियानों में मदद करने के लिए गाजा पट्टी जाने का आह्वान किया और कहा कि सैकड़ों घायल लोग इलाज के लिए गाजा छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं।

गाजा को कतर का सहयोग जारी रहेगा : कतर

दोहा, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। कतर के विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा कि कतर गाजा को सहयोग जारी रखेगा, जैसा कि वह वर्षों से करता आ रहा है। अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा, हम अपना जनादेश नहीं बदलने जा रहे हैं। हमारा जनादेश फिलिस्तीन के हमारे भाइयों और बहनों के लिए हमारी निरंतर सहायता और समर्थन है। हम इसे व्यवस्थित रूप से करना जारी रखेंगे जैसा हमने पहले किया था। कतर के विदेश मंत्री की टिप्पणी खाड़ी देश द्वारा हमास को वर्षों से किए जा रहे भुगतान को लेकर इजराइल में बढ़े गुस्से के खिलाफ आई है। एक डील के तहत कतर हर महीने 15 मिलियन डॉलर की नकद मदद गाजा को करता है। नकद मदद से गाजा के सिविल सेवकों को भुगतान करने में मदद मिलती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 2018 की तस्वीरों में कर्मचारी 100 डॉलर के बिल प्राप्त करने के लिए कतार में खड़े दिख रहे हैं।

इजराइल ने प्रधान मंत्री के रूप में पिछले बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यकाल के दौरान अगस्त 2018 में एक सुरक्षा कैबिनेट बैठक में

हर महीने गाजा की आर्थिक रूप से मदद करता है कतर

इस सौदे को मंजूरी दी थी। उस समय हमास के प्रति नरम रुख अपनाने के लिए नेतन्याहू की आलोचना की गई थी। गाजा में कतर के दूत मोहम्मद अल इमादी द्वारा नवंबर 2018 में नकदी का पहला सूटकेस देने के बाद, नेतन्याहू ने इस पहल का बचाव किया। नेतन्याहू ने कहा था, मैं दक्षिण के (इज़राइली) गांवों में शांति लौटाने के लिए सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समन्वय में हर संभव प्रयास कर रहा हूं, साथ ही (गाजा में) मानवीय आपदा को रोकने के लिए भी।

सुडोकू 6404

	6	2	3		7			
3		5		9				
			6					
	7	9					3	5
	2		7		4		9	
5	4					2	8	
					3			
				6		7		1
			5		9	8	6	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6404

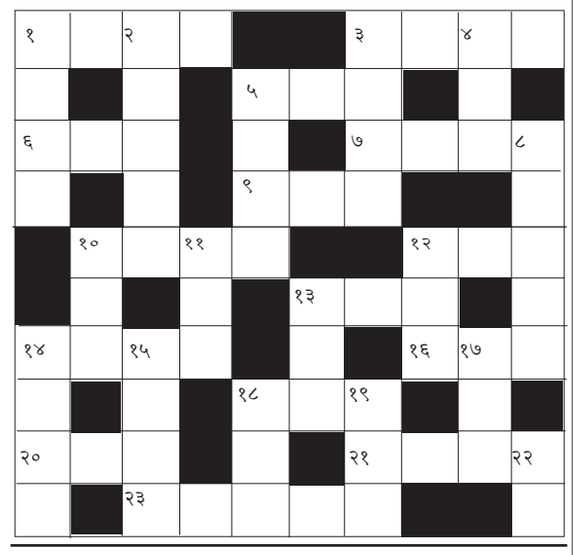

बायें से दायें:-

१. किसी महाजन-व्यापारी आदि के हिसाब की किताबें
३. नापाक, अशुद्ध
५. जो कभी न टूटे
६. निवासी
७. चंद्रमा
९. प्रार्थी, सवाल करने वाला (उर्दू)
१०. एक दैत्य जिसका वध श्रीकृष्ण ने किया था
१२. दिलचस्प, रुचिकर
१३. रिश्ता, लगाव
१४. डर से घबराया हुआ
१६. खोपड़ी, माथा
१८. लक्ष्मी
२०. हिंसक पशु (उर्दू)
२१. प्रतिपक्षी को लड़ने के लिए दी जानेवाली चुनौती
२३. पिशाच की तरह क्रूर स्वभाव वाला मनुष्य

ऊपर से नीचे:-

१. वर्षा
२. गले के नीचे से शुरू होने वाली नली जिससे भोजन पेट में पहुंचता है
३. अनुमान, अंदाजा
४. मुख्यालय, प्रतिरोध
५. मुताबिक
८. लाल कमल
१०. बचा हुआ, अवशेष, बाकी रकम
११. दोष या खराबी दूर करने की क्रिया या भाव
१२. रोकने वाला, विघ्न, रुकावट
१३. युद्ध
१४. बहुत से लोगों का बदहवास होकर एक साथ भागना
१५. अपनी तौल के बराबर अन्न-द्रव्य आदि का दाम
१७. खड़ाऊ, चप्पल
१८. हरगिज
१९. लोभ
२२. ध्वनि, आवाज

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 13 दिसम्बर, 2023 अगहन शुक्ल पक्ष 1

राशिफल

मेष - आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। ज्योतिष और आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बनी रहेगी। अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में रहेगा।

वृषभ - दिन की शुरुआत आनंद-प्रमोद से होगी। कोई नए मित्र आपके जीवन में आ सकते हैं। पर्यटन या प्रवास का आयोजन हो सकता है। दोपहर के बाद सावधानी बरतने की सलाह आपको दी जाती है।

मिथुन - आज का आपका दिन मनोरंजन और आनंद लूटने का है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कार्यालय में सहयोगपूर्ण वातावरण रहेगा। मित्रों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने का आयोजन होगा।

कर्क - आज समय थोड़ा कठिन बना रहेगा, लेकिन आपके परिश्रम में कमी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।

सिंह - आज हर काम सावधानीपूर्वक करें। मानसिकरूप से तनाव रहेगा। कुछ अस्वस्थता का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। ऐसे समय में संयम बरतना ही हितकर होगा।

कन्या - आपको लाभ होगा। भाग्यवृद्धि का योग दिख रहे हैं। संबंधों में प्रेम और सम्मान की प्रधानता रहेगी। दोपहर के बाद किसी बात को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला - शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पारिवारिक झगड़े में वाणी पर संयम रखना होगा। नेगेटिविटी मन पर छायी रहेगी। घर के सदस्यों के साथ किसी बात का कनफ्यूजन बना रहेगा।

वृश्चिक - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी है। सुख और संतोष का अनुभव होगा। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक दिन गुजरेगा। आज शुभ समाचार मिलेंगे। दोपहर के बाद परिवार में झगड़े का वातावरण रह सकता है।

धनु - आज दुर्घटना के योग हैं। हर मामले में ध्यान से रहें। अचानक किसी बात पर धन खर्च होगा। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी। दोपहर के बाद स्थिति सुधरेगी। शारीरिक और मानसिक प्रसन्नता रहेगी।

मकर - आज का दिन व्यापार-व्यवसाय और जॉब करने वालों के लिए अच्छा है। पुत्र और पत्नी से आर्थिक लाभ होगा। सांसारिक जीवन में सुखद प्रसंग बनने से मन खुश रहेगा।

कुंभ - आज का दिन लाभकारी है। व्यापार के क्षेत्र में आप को लाभ प्राप्त होगा। घर-परिवार और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में पदोन्नति होगी। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मीन - साहित्यिक गतिविधि में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। आज कोई नए काम शुरू कर पाएंगे। किसी धार्मिक यात्रा के योग हैं। विदेश में रहने मित्र तथा स्नेहीजनों से बातचीत हो सकती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1675-सिक्ख गुरु तेग बहादुर दिल्ली में शहीद हुए।
1772-नारायण राव सतारा के पेशवा बने।
1916-आस्ट्रिया के टायरॉल में हिमस्खलन से 24 घंटे में 10,000 ऑस्ट्रियाई और इतालवी सैनिकों की मौत।
1920-नीदरलैंड के हेग में लीग ऑफ नेशंस का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थापित।
1921-बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का उद्घाटन %प्रिंस ऑफ वेल्स% ने किया था।
1926-भारत के भूतपूर्व 22वें मुख्य न्यायाधीश कमल नारायण सिंह का जन्म।
1937-चीन और जापान के बीच हुए नानजिंग के युद्ध में जापानियों की जीत हुई। इसके बाद लंबे समय तक नरसंहार और अत्याचार का दौर चला।
1955-गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर परीकर का जन्म।
1959-आर्क विशप वकारियोस साइप्रस के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए।
1961-मंसूर अली ख़ान पटौदी ने अपना टेस्ट मैच करियर दिल्ली में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू किया था।
1974-माल्टा गणतंत्र बना।
1977-माइकल फरेरा ने राष्ट्रीय बिलिय ?ड्स चैंपियनशिप में नये नियमों के तहत 1149 अंक का सर्वाधिक ब्रेक लगाया।
1981-पोलैंड में सेना द्वारा सत्ता पर कब्ज़ा।
1986-हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री स्मिता पाटिल का निधन।
1989-गृह मंत्री मुफ़्ती मोहम्मद सईद की बेटी को आतंकवादियों के चंगुल से छुड़ाने के बदले पांच कश्मीरी आतंकवादियों को जेल से रिहा किया गया।
1996-कोफी अन्नान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव चुने गये।
1998-महात्मा रामचन्द्र वीर को कोलकाता के बड़ा बाज़ार लाइब्रेरी की ओर से 'भाई हनुमान प्रसाद पोद्दार राष्ट्र सेवा' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
2001-दिल्ली स्थित भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला।
2002-यूरोपीय संघ ने तुर्की के साथ एक बहुप्रतीक्षित समझौते को अपनी मंजूरी दी।

डर के साए में अफगानिस्तानी विशेष बल के कई जवान

लंदन, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में स्थानांतरण की प्रतीक्षा में पाकिस्तान में फंसे लगभग दो सौ अफगानिस्तानी विशेष बल कर्मियों को वापस अफगानिस्तान जाना पड़ रहा है जहां वे तालिबानियों खिलाफ मोर्चा संभाल चुके हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में बताया गया कि अफगानिस्तान तालिबान द्वारा काबुल पर कब्ज़ा करने के बाद ब्रिटेन द्वारा प्रशिक्षित और वित्त पोषित कर्मी पाकिस्तान भाग गए। इन अफगानिस्तान कमांडो के लिए भय तब पैदा हुआ, जब उन्हें यह पता चला कि सरकार ने उन प्रमुख अफगानिस्तान नेताओं को शरण देने की वरिष्ठ ब्रिटिश राजनयिक और सैन्य हस्तियों की कॉल को भी खारिज कर दिया, जिनकी जान खतरे में थी। यह खुलासा होने के बाद कि ब्रिटेन सरकार ने अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में ब्रिटेन और अमेरिका के साथ काम करने वाले 32 पूर्व गवर्नरों और अधिकारियों के लिए 'तत्काल मदद' के आह्वान पर ध्यान नहीं दिया, अफगान सैनिकों का भविष्य अधर में नजर आ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि न केवल पूर्व अफगानिस्तान विशेष बल के कर्मियों को बल्कि ब्रिटेन की मदद करने वाले अफगानिस्तान नागरिकों को भी अकेला छोड़ दिया गया। हेलमंद के गार्मसिर जिले के पूर्व गवर्नर मोहम्मद फहीम ने बीबीसी को कहा, अफगान तालिबान जानते हैं कि हम अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ मिलकर लड़ रहे थे, इसलिए मेरे लिए खतरा ज्यादा है।

पोलैंड में संसद ने डोनाल्ड टस्क को प्रधानमंत्री के रूप में चुना

वारसॉ, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। पोलैंड की संसद ने सोमवार को मध्यमार्गी पार्टी के नेता डोनाल्ड टस्क को प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया, जिससे आठ साल के राष्ट्रीय रूढ़िवादी शासन के बाद यूरोपीय संघ समर्थक नयी सरकार का मार्ग प्रशस्त हो गया। श्री टस्क को राष्ट्रीय चुनाव के लगभग दो महीने बाद प्रधानमंत्री चुना गया है, जो वामपंथी से लेकर उदारवादी रूढ़िवादी पार्टियों तक की जीत है। पार्टियां अलग-अलग टिकटों पर चुनाव लड़ीं, लेकिन लोकतांत्रिक मानकों को बहाल करने और सहयोगियों के साथ संबंधों में सुधार के लिए श्री टस्क के नेतृत्व में मिलकर काम करने का वादा किया है। संसद के 460 सीटों वाले निचले सदन में श्री टस्क के समर्थन में सोमवार को 201 के मुकाबले 248 वोट पड़े। श्री टस्क ने सोमवार को मतदान की प्रत्याशा में एक्स पर लिखा, रेडी स्टेडी गो! श्री टस्क को मंगलवार को संसद में भाषण देना है। इसके साथ ही उन्हें मंत्रिमंडल पेश करना और अपनी नयी सरकार के लिए विश्वास मत का सामना करना है। इसके बाद उन्हें राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा द्वारा शपथ दिलाई जाएगी। यह कार्यवाही बुधवार को होने की उम्मीद है। श्री टस्क का चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री माटुस्ज़ मोराविकी की सरकार के सोमवार को संसद में विश्वास मत हारने के बाद हुआ है।

यूरोपीय संघ समर्थक नई सरकार का मार्ग प्रशस्त हुआ

सोलह दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद समारोह का आयोजन

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। आगामी 16 दिसंबर को मुंबई के रेसकोर्स स्तिथ महालक्ष्मी मैदान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विश्व के 18 देशों के बौद्ध प्रतिनिधि भाग लेंगे और मुख्य अतिथि के रुप में तिब्बत के बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा होंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म परिषद के मुख्य आयोजक एवं डॉ बाबासाहेब अंबेडकर धम्म परिषद के अध्यक्ष श्री आठवले ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने 14 अक्टूबर सन 1956 को नागपुर में लाखों लोग के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी 16 दिसंबर 1956 को मुंबई के रेसकोर्स स्थित महालक्ष्मी मैदान में बौद्ध धम्म दीक्षा समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकिन बाबा साहब के महापरिनिर्वाण के चलते

■ 18 देशों के बौद्ध प्रतिनिधि भाग लेंगे

आयोजन हो नहीं पाया था। बाबा साहब के उस अधूरे सपने को साकार करने के लिए आगामी 16 दिसंबर 2023 को अपराह्न चार बजे विशाल बौद्ध धम्म परिषद का आयोजन किया जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आठवले)के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आठवले ने बताया कि तथागत महामानव गौतम बुद्ध के सत्य ,अहिंसा ,मानवता, करुणा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित होने समारोह में चीन,अमेरिका जापान , वियतनाम, थाईलैंड, म्यामार, दक्षिण कोरिया , ताइवान, श्रीलंका , कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, नेपाल , रूस, बंगलादेश, सिंगापुर सहित कई देश के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे ।

न्यूजीलैंड में प्रकाश प्रदूषण का देशी वन्य जीवन पर प्रभाव

वेलिंग्टन, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में कृत्रिम प्रकाश प्रदूषण के देशी वन्य जीवन पर पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में जागरुकता लाने की जरुरत है। मंगलवार को प्रकाशित एक नए शोध में इस आवश्यकता पर बल दिया गया। न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ इकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, रात में कृत्रिम रोशनी, जिसे दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रदूषक माना जाता है, न्यूजीलैंड में तेजी से बढ़ी है और इसका देश के पौधों और जानवरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। शोध के लेखक एलेन सिएराड ने कहा कि पिछले दशक में प्रकाशित सतह क्षेत्र में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और चमक में 87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो वैश्विक औसत से भी तेज है। श्री सिएराड ने कहा, %%हमारे आस-पास के पौधे और जानवर अंधेरे और प्रकाश की अनुमानित लय पर भरोसा करते हैं जिसके तहत उनका विकास हुआ। उन्होंने कहा, रात में बहुत अधिक रोशनी चमगादड़, कीड़े और समुद्री पक्षी जैसे जानवरों की दैनिक दिनचर्या और व्यवहार को बाधित कर सकती है और पेड़ों के विकास और मौसमी चक्र को प्रभावित कर सकती है। शोध के सह-लेखक ब्रिजेट फर्नवर्थ ने आगे बताया कि समय या प्रकाश की तीव्रता में छोटे बदलाव शाम को रहने वाले जानवरों पर प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वर्ग पहेली-6403

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
सीं	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ र	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आयोजन मिशिगन में अगले साल 27 फरवरी को राष्ट्रपति पद के लिए प्राइमरी चुनाव होंगे

मिशिगन, जॉर्जिया में बाइडेन से आगे हैं ट्रम्प : सर्वेक्षण

वाशिंगटन, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मिशिगन और जॉर्जिया में जो बाइडेन से आगे चल रहे हैं। मौजूदा राष्ट्रपति के काम के प्रदर्शन व नीतिगत स्थिति के बारे में नकारात्मक विचार हैं। सोमवार को जारी सीएनएन सर्वेक्षणों से पता चला कि जॉर्जिया में, एक राज्य जो बाइडेन 2020 में बहुत कम अंतर से आगे बढ़े, पंजीकृत मतदाताओं का कहना है कि वे राष्ट्रपति पद के लिए बाइडेन (44 प्रतिशत) पर ट्रम्प (49 प्रतिशत) को पसंद करते हैं।

मिशिगन में, जहां बाइडेन ने व्यापक अंतर से जीत हासिल की, ट्रम्प को बाइडेन के 40 प्रतिशत के मुकाबले 50 प्रतिशत का समर्थन है, 10 प्रतिशत ने कहा कि वे किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगे। कुल मिलाकर, मिशिगन में केवल 35 प्रतिशत और जॉर्जिया में 39 प्रतिशत ने बाइडेन के कार्य प्रदर्शन को मंजूरी दी, जैसा कि सर्वेक्षण से पता चलता है, और दोनों राज्यों में बहुमत का कहना है कि उनकी नीतियों ने देश में आर्थिक स्थिति

खराब कर दी है (जॉर्जिया में 54 प्रतिशत और मिशिगन में 56 प्रतिशत)।

दोनों राज्यों के अधिकांश मतदाताओं का कहना है कि बाइडेन, जो 81 वर्ष के हैं, में वे गुण नहीं हैं जो वे एक राष्ट्रपति में तलाश रहे हैं (मिशिगन में 57 प्रतिशत, जॉर्जिया में 56 प्रतिशत)। प्रत्येक राज्य में बहुत कम लोग कहते हैं कि 77 वर्षीय ट्रम्?प राष्ट्रपति के लिए उनकी अपेक्षाओं से कम हैं। लेकिन स्वभाव के मामले में ट्रम्प का प्रदर्शन बाइडेन से बदतर है - मिशिगन में 57 प्रतिशत और जॉर्जिया में 58.57 प्रतिशत लोगों का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति के पास वह स्वभाव नहीं है, जिसकी वे तलाश कर रहे हैं, जबकि बाइडेन के बारे में लगभग आधे लोग यही कहते हैं।

ट्रंप ने आयोवा में प्रतिद्वंद्वियों पर अभूतपूर्व बढ़त बनाई

वाशिंगटन। आयोवा कॉकस के लिए अब सिर्फ पांच हफ्ते बाकी रह गए हैं, इस बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और निक्की हेली पर अभूतपूर्व बढ़त बना ली है। देश में सबसे ज्यादा महत्व रखने वाले राज्य न्यू हैम्पशायर चुनाव में दूसरे स्थान पर है। ट्रंप ने आयोवा में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस पर 32 अंकों की भारी बढ़त (51-19) के साथ अभूतपूर्व बढ़त बना ली है, जिन्हें राज्य के गवर्नर का समर्थन प्राप्त है। डेस मोइनेस रजिस्टर/एनबीसी न्यूज/मीडियाकॉम आयोवा पोल के अनुसार, एक समय ट्रंप के सबसे अच्छे प्रतिद्वंद्वी रहे डेसेंटिस नंबर दो की स्थिति के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जहां पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली तीन अंकों के साथ काफी दूरी पर हैं, तकनीकी रूप से वह भी इस दौड़ में जगह बना रही हैं।

दुनिया को जानें

जापान में सबसे उम्रदराज महिला का निधन

टोक्यो, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। जापान में सबसे बुजुर्ग महिला की मंगलवार सुबह ओसाका प्रान्त के काशीवारा में निधन हो गया। वह 116 वर्ष की थीं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। क्योडो न्यूज के अनुसार, बुजुर्ग महिला फुसा तात्सुमी का जन्म 25 अप्रैल, 1907 को हुआ था। उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी दिनों को काशीवारा के एक नर्सिंग होम में बिस्तर पर बिताए थे। स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के अनुसार, फुकुओका में 119 वर्षीय महिला की मृत्यु के बाद अप्रैल 2022 में तात्सुमी जापान में सबसे बुजुर्ग जीवित महिला थीं। जनवरी 2023 तक, दुनिया की सबसे उम्रदराज़ जीवित महिला स्पेन की मारिया ब्रान्यास मोरेरा हैं, जो अब 116 साल की हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, उनका जन्म चार मार्च 1907 को हुआ।

प्रादेशिकी

भागवत कथा से पूर्व रहस्यमय तरीके से लापता हुए संत

हरिद्वार। धर्मनगरी के एक अखाड़े में भागवत कथा आयोजित होनी थी। लेकिन कथा से पांच दिन पहले ही आयोजक संत रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। संत का अभी तक पता नहीं चल पाया है। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने लापता संत की खोजबीन शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार हरिद्वार में बैरागी कैंप एक भागवत का आयोजन होना था। किन्तु पांच दिसंबर को संत स्वामी पवित्रदास 9 दिसंबर तक वापस आने की बात कहकर अखाड़े से चले गए। भागवत की तैयारियां जोरों पर थी, किन्तु संत स्वामी पवित्रदास का कुछ पता नही चल पाया। न ही उन्होंने अखाड़े से कोई संपर्क किया। इसके बाद अखाड़े ने स्वामी की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मंत्रिमंडल में खाली तीन जगहों में से दो पर नए मंत्रियों की तैनाती हुई

सुक्खू मंत्रिमंडल का पहला विस्तार हुआ, धर्माणी व गोमा बने मंत्री

शिमला, 12 दिसंबर (देशबन्धु)। आखिर हिमाचल मंत्रिमंडल का पहला विस्तार हुआ। सरकार के गठन के एक साल बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया। विस्तार के बाद मंत्रिमंडल में खाली तीन जगहों में से दो पर नए मंत्रियों की तैनाती हुई। नए मंत्रियों के तौर पर घुमारवीं के विधायक राजेश धर्माणी व जयसिंहपुर के विधायक यादवेंद्र गोमा ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने दोनों मंत्रियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के पहले विस्तार के बाद अब सुक्खू मंत्रिमंडल में सिर्फ एक जगह खाली रह गई है। क्षेत्रीय व जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री कांग्रेस हाईकमान से चर्चा के बाद इस तगह को भरेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू , उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री , विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, विधायकगण, मीडिया सलाहकार नरेश चौहान , संसदीय सचिवों के अलावा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने कार्यवाही

का संचालन किया।

नए मंत्रियों के तौर पर शपथ लेने वाले राजेश धर्माणी का जन्म 2 अप्रैल 1972 को बिलासपुर जिला के घुमारवीं में हुआ। धर्माणी ने एनआईटी हमीरपुर से बीण्टेक और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमबीए की शिक्षा ग्रहणा की। धर्माणी 2007 तथा 2012 में लगातार दो मर्तबा घुमारवीं से विधान सभा चुनाव जीते। वह वर्ष 2007.2012 तक प्राक्कलन और मानव विकास समितियों के सदस्य और वर्ष 2013 से 2017 तक मुख्य संसदीय सचिव रहे। 2022 में वह तीसरी मर्तबा चुनाव जीत कर विधान सभा पहुंचे। लोक लेखा और ई.गवर्नेंस.सह.सामान्य प्रयोजन समितियों के सदस्य नामित हुए।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुकखू के करीबियों में शुमार राजेश धर्माणी प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव , उपाध्यक्ष तथा महासचिव पद पर कार्य कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष , जिला कांग्रेस समिति के सचिवए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव एवं एनएसयूआई तकनीकी प्रकोष्ठ के संयोजक भी रहे।गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में इनका उल्लेखनीय योगदान रहा है।

यादवेंद्र गोमा पहली मर्तबा 2012 में विधान सभा के लिए चुने गए। बीते साल हुए विधान सभा चुनाव में वह दूसरी मर्तबा चुनाव जीत कर विधान सभा पहुंचे हैं। यादविन्द्र गोमा का जन्म 4 फरवरी 1986 को पालमपुर में हुआ। इनके पिता मिल्खी राम गोमा भी विधायक रह चुके हैं। यादवेंद्र गोमा बीटेक के साथ साथ आईईईटी बद्दी से एमबीए की शिक्षा ग्रहण की। इनका विवाह श्रीमती नीलम गोमा से हुआ।

यादविन्द्र गोमा वर्ष 2010-2015 तक जयसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्र से युवा कांग्रेस के अध्यक्षए वर्ष 2011 से 2014 तक राज्य राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के महासचिव और वर्ष 2019-2021 तक हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रहे।

नशा मुक्त देव भूमि बनाने में जन सहयोग की जरूरत: धामी

देवभूमि को 2025 तक हर प्रकार के नशे से मुक्त करने का उन्होंने जो विकल्प रहित संकल्प लिया है उसे तब तक पूरा नहीं किया जा सकता है जब तक आम लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा : पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

देहरादून , 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। देवभूमि को 2025 तक नशा मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को प्रबुद्धजनों और आमजन से सहयोग की अपील की है। उनका कहना है कि इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने में सभी का सहयोग जरूरी है।

मंगलवार को गांधी पार्क में आयोजित ड्रग्स मुक्त देवभूमि कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि को 2025 तक हर प्रकार के नशे से मुक्त करने का उन्होंने जो विकल्प रहित संकल्प लिया है उसे तब तक पूरा नहीं किया जा सकता है जब तक आम लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बीते कुछ दशकों में नशे का प्रचलन बढ़ा है और इसकी जद में हमारी युवा पीढ़ी के साथ स्कूली बच्चे भी आ रहे हैं वह अत्यंत ही गंभीर और चिंतनीय मुद्दा है। अगर इसे प्रभावी ढंग से नहीं रोका गया तो आने वाली पीढियों के लिए यह अत्यंत ही घातक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 2025 तक देवभूमि को ड्रग्स और किसी भी तरह के नशे से मुक्त करने का जो संकल्प लिया है उसको पूरा करने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा नशा माफिया और नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है तथा नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। आगे भी वह इसे और अधिक प्रभावशाली ढंग से लागू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। हर व्यक्ति को अपने आसपास के लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने और नशा तस्करों के बारे में पुलिस को सूचना देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देवभूमि के विकास व संस्कृति की रक्षा के लिए राज्य में नशे पर लगाम लगाना जरूरी है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाने की भी अपील की।

सार संक्षेप

तीन शहरों में 65 करोड़ रुपये से बिजली की तारें की जाएंगी भूमिगत : सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार शहरों का सौंदर्यीकरण करने और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरों में अकसर पाया जाता है कि ओवरहेड बिजली की और अन्य तारों का जंजाल शहरों की सुन्दरता पर ग्रहण लगाते हैं। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार ने बिजली की तारें भूमिगत करने के कार्य को प्राथमिकता प्रदान करते हुए इसके लिए 65 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके तहत शिमला शहर को तारों के जंजाल से मुक्त कराने के लिए 25 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे, जिससे कि आपरेशन सर्कल हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सीमित, कसुम्पटी, शिमला में विद्युत केबल की डक्टिंग की जाएगी। इसके अलावा नादौन क्षेत्र और हमीरपुर शहर में भूमिगत केबल बिछाने के साथ-साथ सम्बंधित कार्यों पर 20-20 करोड़ रुपये व्यय किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने विद्युत बोर्ड को इन कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों को निर्बाध और बेहतर बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकें अपना रही है।

क्रेश बैरियर से परेशान लोगों ने किया प्रर्दशन

हल्द्वानी। तल्ली हल्द्वानी में तीनपानी से ट्रांसपोर्टनगर चैराहा तक प्रकाश पंत मार्ग पर क्रेश बैरियर से आए दिन लोग परेशान हो रहे हैं। पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सडक किनारे क्रेश बैरियर लगाए गए हैं । पूर्व में भी लोगों ने इसकी शिकायत की थी। इसके बाद विभाग ने कुछ बैरियर हटा दिए, शेष कार्य अधूरा पड़ा है। पार्षद ने बताया गया कि ठेकेदार द्वारा बैरियर लगाने के लिए गड्ढे खोदे गए थे जो गड्ढे आज तक नहीं भरे गए। वहीं क्षेत्र की मातृशक्ति ने बताया कि बच्चों को स्कूल लाने ले जाने के साथ ही ट्यूशन लाने ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों से निकलना दुश्वार हो गया है। बच्चों को गाड़ी से स्कूल छोडना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मनोज जोशी ने बताया कि बैरियर की वजह से घंटों जाम लग रहा है। मंगलवार को लोगों ने निवर्तमान पार्षद मनोज के नेतृत्व में लोनिवि के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस बीच फोन पर हुई बातचीत में लोनिवि एई ने तत्काल कार्यवाही का भरोसा दिलाया। प्रदर्शन करने वालों में शंकर दत्त बेलवाल, पार्वती बेलवाल, हरीश दत्त बेलवाल, बीना बेलवाल, हरीश चन्द्र भट्ट, दीपा भट्ट, जनार्दन भट्ट, प्रेमा भट्ट, ललित मोहन कफल्टिया, तारा कफल्टिया, नीमा टाकुली,पार्वती कुमालता,शांति देवी, लक्षिता कफल्टिया, वंदना, सुरेश कश्यप, दीपांशु पलडिया आदि शामिल थे।

सुडोकू 6404 का हल

4	6	2	3	8	7	5	1	9
3	8	5	2	9	1	6	7	4
1	9	7	6	4	5	3	2	8
6	7	9	1	2	8	4	3	5
8	2	3	7	5	4	1	9	6
5	4	1	9	3	6	2	8	7
7	5	6	8	1	3	9	4	2
9	3	8	4	6	2	7	5	1
2	1	4	5	7	9	8	6	3

महत्वकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं: चौहान

पौड़ी, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिलाधिकारी डा. आशीष चैहान ने जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। जल जीवन मिशन के कार्यो की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम पौड़ी के वेतन रोकने व अधिशासी अभियंता जल संस्थान कोटद्वार का स्पष्टीकरण तलब किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़ी इस महत्वकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने जल संस्थान व जल निगम को जल जीवन मिशन कार्यों का लक्ष्य देते हुए इसी माह 20 दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने जल जीवन मिशन के नोडल अधिकारी को प्रतिदिन हो रहे कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये हैं।जल जीवन मिशन के तहत जनपद में गतिमान 2778 में से 2420 योजनाओं पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 358 योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। वहीं जनपद में 1 लाख 10 हजार 801 पेयजल कनेक्शनों में से 1 लाख 8 हजार 340 कनेक्शनों का कार्य पूरा हो गया है। पम्पिग योजनाओं के लिए विद्यतु संयोजन स्थापित करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग के अधिरिकारियों को त्वरित गति से कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, अधीक्षण अभियन्ता जल निगम मो0 मीशम, अधीक्षण अभियन्ता जल संस्थान पीके सैनी, ईई जल संस्थान पौड़ी एसके राय, पीएम स्वजल दीपक रावत सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

पीआरडी जवानों के हंगामें की होगी इंटरनल जांच, सीएम धामी के सामने किया गया था हंगामा

देहरादून, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रांतीय रक्षक दल के स्थापना दिवस पर पीआरडी जवानों ने मुख्यमंत्री धामी के सामने हंगामा करने के मामले में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के विशेष सचिव अमित सिन्हा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निदेशक जितेंद्र सोनकर के नेतृत्व में इंटरनल जांच बैठा दी है। जांच के बाद पीआरडी जवानों के हंगामा करने की असली वजह को जाना जा सकेगा। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के विशेष सचिव अमित सिन्हा ने कहा कि संबंधित पीआरडी जवान ने सीएम धामी के सामने ये बात कही थी कि वो बेरोजगार है, लेकिन प्रारंभिक जांच में पता चला कि वो पिछले 15 साल से पीआरडी में नौकरी कर रहा है। लिहाजा, ऐसा लग रहा है कि जवानों

द्वारा हंगामा करने का कोई और कारण रहा होगा। जिसके चलते इस मामले की इंटरनल जांच बैठा दी गई है। ऐसे में निदेशक जितेंद्र सोनकर जांचकर रिपोर्ट सौंपेंगे, कि क्या कारण था कि पीआरडी जवानों ने इस तरह से बोला, क्योंकि जवानों ने भ्रष्टाचार की बात कही थी। ऐसे में जांच के दौरान ये जानकारी ली जाएगी कि किस बिंदु पर भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि जांच में निष्पक्षता नहीं हुई तो अन्य स्तर से जांच कराई जाएगी, लेकिन वो खुद भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ी समस्या नहीं है, बल्कि कुछ लोगों की समस्या है, जिनके कुछ निजी हित हैं। ऐसे कुछ जवानों के निजी हित क्या हैं वो जांच के बाद ही पता चल पाएंगे।

11 दिसंबर को पीआरडी जवानों ने किया था हंगामा

बता दें कि उत्तराखंड प्रांतीय रक्षक दल के स्थापना दिवस के मौके पर निदेशालय, युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में सीएम पुष्कर सिंह धामी, विभागीय मंत्री रेखा आर्य, रायपुर विधायक उमेश शर्मा समेत कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, कार्यक्रम संपन्न होने के बाद पीआरडी जवानों ने जमकर हंगामा किया। यही नहीं, अपनी मांगों को लेकर जवानों ने सीएम धामी को अपना मांग पत्र भी सौंपा था।

सकारात्मक सोच व रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ युवा राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिका : शुक्ल

शिमला, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सौ वर्ष पूरे होने और भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विधि संकाय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'युवा संसद कार्यक्रम' को संबोधित किया।

इस अवसर पर विधि संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्र को मज़बूत बनाने के लिए सकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और ऐसे में युवाओं को मानसिक दृढ़ता का विकास कर देश का एक प्रबुद्ध नागरिक बनना चाहिए।

राज्यपाल ने विविधता में एकता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि यह हमारे देश की अनूठी विशेषता है। विद्यार्थी एकता के महत्व को समझें और राष्ट्र निर्माण में जुट जाएं तथा देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कानून के छात्रों को किताबें पढ़ने की आदत विकसित करने का परामर्श देते हुए कहा कि यह केवल अभ्यास मात्र तक सीमिति नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें सामग्री के बारे में अपने विचारों एवं भावनाओं का परीक्षण कर गहरी अवधारणाओं की समझ विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को प्रभावित करने वाले मुद्दों के बारे में युवाओं को जागरूक होना चाहिए और निडर होकर अपनी राय भी देनी चाहिए। राज्यपाल ने संसद के महत्व और इसकी गौरवशाली परंपराओं के बारे में भी चर्चा की और कहा कि देश की प्रतिष्ठित हस्तियां और कानूनविद हमारे लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया। विधि संकाय की डीन प्रोफेसर अंजू वली टिकू ने राज्यपाल का स्वागत किया। युवा संसद के संयोजक डॉ. विकेश राम त्रिपाठी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विधि संकाय के विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित थे।

पॉड टैक्सी को लेकर सीएम का आभार व अधिकारियों का विरोध

अमर नाथ तिवारी

देहरादून, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय व्यापार मण्डल की एक बैठक ज्वालापुर जिला कार्यालय पर आहूत की गई। बैठक मे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पॉड टैक्सी हरिद्वार को दिए जाने का जोरदार स्वागत किया गया। व्यापारियों ने पॉड टैक्सी के अधिकारियो पर मनमानी का आरोप लगाया गया और कहा की कुछ लोगो के साथ साठ गाँठ कर पॉड टैक्सी से रूट को कही से कही बदलने और बाकी को पूरे शहर के बीच से निकालने की की पॉड टैक्सी अधिकारियो की साजिश को किसी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजीव चैधरी ने कहा की राज्य के मुख्यमंत्री हरिद्वार को विशेष प्रेम करते है और अनेक योजनाए यहाँ लाई जा रही है पर कुछ अधिकारी अपनी मनमानी से उन योजनाओ को चलाना चाहते है। चैधरी ने कहा की पॉड टैक्सी हरिद्वार के लिए एक

■ विरोध के चलते ज्वालापुर में राष्ट्रीय व्यापार मण्डल की बैठक

महत्वपूर्ण और बहुत अच्छी योजना है। जिसका हम सब स्वागत करते है, पर योजना को टुकड़ो में अन्दर बाहर ले जा कर कोई बड़ी साठ गांठ पॉड के अधिकारी कर रहे है। जिसको सफल नही होने दिया जाएगा और यदि जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री से मिलकर इनकी शिकायत की जाएगी। पॉड का एक ही रूट पूरे शहर के लिए होगा और वो होगा गंगा किनारे-किनारे नहीं तो पॉड के अधिकारी की मनसा सफल नहीं होने दी जाएगी। पॉड का आना शहर के विकास के लिए जरूरी है पर इससे किसी का अहित ना हो ये भी देखा जाना होगा।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री सुदीश श्रोत्रीय व जिला अध्यक्ष विनीत धीमान ने कहा की पॉड का रूट एक ही होना चाहिए जो समस्या हरिद्वार मे है वो ही ज्वालापुर मे है तो रास्ता तो एक ही रहेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री भारत तलुजा और शहर अध्यक्ष हरविंदर सिंह ने कहा की पॉड टैक्सी का स्वागत पूरा शहरका स्वागत पूरा शहर कर रहा है पर इसका रूट भी शहर वाशियो और व्यापारी के हितो को ध्यान मे रख कर बनाया जाए।

बैठक में मुख्य रूप से शहर कोषाध्यक्ष अर्पण ग्रोवर, व्यापारी नेता कुलदीप खंडेलवाल, व्यापारी नेता पुष्पेंद्र गुप्ता, अरविंद कुमार, संजीव कुमार, विजय धिमान व विपिन रहा आदि उपस्तिथ रहे।

उत्तराखंड को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, अब वन क्षेत्रों में हो सकेंगे ये 44 रुके हुए काम

देहरादून, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। साल 2023 में ही सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के कॉर्बेट नेशनल पार्क और राजाजी नेशनल पार्क के साथ-साथ राष्ट्रीय उद्यानों में पूरी तरह से किसी भी निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह रोक उत्तराखंड के कॉर्बेट नेशनल पार्क के पाखरो रेंज में अवैध कटान और अवैध निर्माण कार्य होने की सूचना के लगाई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि आगामी आदेशों तक किसी तरह का कोई भी छोटा बड़ा निर्माण कार्य उद्यान क्षेत्रों में नहीं होगा। लेकिन अब केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ-साथ उत्तराखंड वन मंत्रालय के आग्रह पर इस आदेश पर छूट देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन 44 कार्यों को करने की अनुमति दे दी है, जो फिलहाल बेहद जरूरी हैं।

सुप्रीम कोर्ट इस पूरे मामले पर बेहद गंभीर बना हुआ था। साल 2023 के फरवरी महीने में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व क्षेत्र के कालागढ़ रेंज में बड़े क्षेत्र में अवैध निर्माण और पेड़ों का अवैध कटान हुआ था। इस पूरे मामले को राज्य का वन मंत्रालय और उससे जुड़े कुछ अधिकारी

■ अवैध कटान के कारण लगाई गई थी रोक
■ सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तो के साथ दी निर्माण कार्यो की अनुमति

दबाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी ने इस पूरे मामले को जाना और अध्ययन करने के बाद सुप्रीम कोर्ट को इसकी पूरी रिपोर्ट सौंपी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रमुख वन सचिव आरके सुधांशु ने कहा है कि संरक्षित क्षेत्र में जो कार्य रुके हुए थे, अब उनको दोबारा से पूरा किया जा सकेगा। यह राज्य सरकार के साथ-साथ जीव जंतुओं के लिए भी बेहतर रहेगा। हम जल्द से जल्द रुके हुए कार्यों को पूरा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ निर्माण कार्यों की अनुमति दी है।

राष्ट्रीय उद्यानों में निर्माण कार्य पूरे करने की मिली छूट

सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई करते हुए

उत्तराखंड के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में हो रहे निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया। इस पूरे मामले पर उत्तराखंड में कई अधिकारियों पर गाज भी गिरी। लेकिन अब राज्य के वन प्रमुख ने केंद्रीय वन मंत्रालय के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा और यह बताया कि उत्तराखंड के कॉर्बेट नेशनल पार्क, राजाजी नेशनल पार्क के साथ-साथ अन्य वन क्षेत्रों में कई तरह के कार्य होने हैं, जो सर्दियों के लिहाज से बेहद जरूरी हैं। आने वाले समय में उनका उपयोग दूसरे मौसम में भी हो सकेगा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को बड़ी बारीकी से जाना और राज्य में उन कार्यों को पूरा करने की अनुमति दी है, जो पहले से चल रहे थे और उन्हें रोक दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी तरह का कोई भी नया कार्य या नया आदेश मान्य नहीं होगा।

ये रूके हुए थे काम

■ सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा है कि किसी तरह का कोई भी ऐसा काम नहीं किया जाएगा, जिससे वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचे।
■ बहुचर्चित पाखरो टाइगर सफारी प्रकरण के बाद जिस तरह से लापरवाही बरती गई है, वह दोबारा से सामने ना आए।
■ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जो कार्य दोबारा से शुरू हो सकेंगे उन कार्यों में।
■ केदारनाथ वन्य जीव क्षेत्र में कंचुलाखर्क और भुलकाना में जल स्रोत का संरक्षण और क्षेत्र में पेट्रोलिंग के लिए एक कैंप बनाने की अनुमति मिली है।
■ गंगोत्री नेशनल पार्क में भोजवासा और नेलांग के वन क्षेत्र में चैकी बनाई जा सकेगी।
■ नंदा देवी नेशनल पार्क में रिखोटानाला में भूमि संरक्षण का काम हो सकेगा।
■ कुछ कार्य फूलों की घाटी में भी रुके हुए हैं, जिनको पूरा किया जा सकेगा
■ कॉर्बेट नेशनल पार्क में सबसे अधिक कार्य होने हैं जिसमें सोलर पंप का लगाना
■ वॉच टावर बनाना, दीवार का निर्माण
■ जलापूर्ति के कार्य के साथ-साथ अन्य कई कार्य भी हो सकेंगे।
■ इसी तरह से राजाजी नेशनल पार्क में भी दीवारों का बनाना, फायर स्टेशन का विस्तारीकरण, रवासन क्षेत्र में सरकारी कार्यालय का खुलना और इससे जुड़े आठ कार्य और भी बताए गए हैं।

प्रादेशिकी

पिता के बाद बेटे की हत्या के मामले में परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

फर्रुखाबाद, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। लाखों रुपए कीमती जमीन हड़पने के लिए परिजनों ने बाप के बाद बेटे की भी हत्या कर दी। थाना कंपिल के ग्राम बहवलपुर निवासी अशोक कुमार शर्मा उर्फ बुधपाल की पत्नी संगीता ने मंगलवार को बेटियों के साथ जिलाधिकारी से भेंट की। पीड़ित महिला ने शिकायती पत्र देकर पति एवं 12 वर्षीय बेटे शिवम शिवम की खेती हडपने के लिए सुनियोजित ढंग से हत्या करने वालों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज किये जाने की गुहार लगाई। पीड़ित संगीता ने मीडिया को बताया कि पति मेरे व 5 बेटियों के साथ दिल्ली में रहते थे। पति के नाम गांव में करीब 40 बीघा जमीन है पति जून में खेती का बंटवारा करने गांव आए थे। उसी दौरान 7 सितम्बर को जेठ सुनील जेठानी लता व उनके बेटों ने सुनियोजित ढंग से पति को छत से गिराकर मार डाला।

सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हों लोग : योगी

लखनऊ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव-गांव नगर-नगर पहुंच रही मोदी की गारंटी वैन को हर एक नागरिक के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का वाहक कहा है।

- मुख्यमंत्री ने एक साथ चार लाख से अधिक लोगों से किया वर्चुअल संवाद

मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत एक साथ 4 लाख से अधिक लोगों से वर्चुअल संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि जिस भी गांव में/नगर में मोदी की गारंटी वैन पहुंचे, वहां स्थानीय लोग गाजे-बाजे के साथ स्वागत इसका करें।

जिन लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, वह मोदी की गारंटी वैन के पास आएं। अपनी जुबानी अपनी कहानी सुनाएं। लोगों को अपने अनुभव बताएं, यह औरों के लिए प्रेरणास्पद होगा। जो लोग गांव में आवास, शौचालय, रसोई गैस सिलिंडर, नि:शुल्क राशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान बीमा जैसी किसी भी योजना से अब तक किन्हीं कारणों से वंचित रह गए हों, उन्हें वैन के पास लाएं और तत्काल योजना से लाभान्वित कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर प्रदेशवासी मोदी की गारन्टी वैन पर प्रधानमंत्री का संदेश सुनें, सरकार की

हर नागरिक की सुरक्षा व खुशहाली की वाहक है मोदी की गारंटी वैन : योगी आदित्यनाथ

योजनाओं से परिचित होकर लाभान्वित हों। उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार का लक्ष्य डबल इंजन सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं से पूरे प्रदेश को 100 प्रतिशत संतृप्त करने का है। 490 ग्रामीण क्षेत्रों और 18 नगरीय क्षेत्रों में संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा में सहभागी 4 लाख से अधिक लोगों को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सबका साथ-सबका विकास एक नारा भर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है, एक कार्य संस्कृति है।बीते साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश ने इस संकल्प को देखा, जाना और स्वीकार किया है और यथार्थ में बदलते देखा है। वर्ष 2014 से पहले सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर दिया जाता था, लेकिन मोदी जी के शासनकाल में गरीब, महिला और वंचित तबके तक बिना भेदभाव हर योजना का लाभ मिल रहा है। विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विशेष यात्रा में मेरी कहानी मेरी जुबानी थीम पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आप लोगों के लिए ही है। मोदी जी की गारंटी वैन के पास एकत्रित लोगों को अपने अनुभव बताएं, यह औरों के लिए प्रेरणास्पद होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं से जुड़ने का अर्थ है जीवन में खुशहाली लाना। पूर्ववर्ती सरकारों के समय की स्थिति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सेक सूची जब बनी थी तब केंद्र व राज्य में भाजपा सरकारें नहीं थीं। ऐसे में आवास आदि योजनाओं से बड़ी संख्या में लोग वंचित रह गए। मोदी सरकार में नए सिरे से लाभार्थियों का चयन हुआ और परिणामस्वरूप बीते साढ़े 09 वर्षों में देश मे

योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक : मुख्यमंत्री

विकसित भारत संकल्प यात्रा के महत्व की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लोककल्याण के लिए योजनाएं संचालित करना भर पर्याप्त नहीं होता, आवश्यक है कि योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक आसानी से और समय पर मिले। तमाम प्रयासों के बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो लोककल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित नहीं हो सके हैं। ऐसे लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा जनजातीय दिवस (15 नवम्बर) को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रारंभ की गई है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवी वर्ग सहित हर जागरूक नागरिक का आह्वान करते हुए कहा कि यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है कि सरकार की योजनाओं से वंचितअपने आस-पास के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ जरूर दिलाएं।

12 करोड़ लोगों के घरों में शौचालय बने हैं, जिसमें साढ़े 03 करोड़ अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। गरीब के घर शौचालय बने यह कोई सोचता नहीं था। किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी देने का सपना मोदी सरकार में पूरा हो रहा है। 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिल रही है।

सुभारती विवि में सिम्पोजियम का हुआ आयोजन

मेरठ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के सुभारती डिपार्टमेंट ऑफलिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय मानवाधिकार सभी के लिये स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय था। कार्यक्रम की शुरुआत डा. अध्मृता चौधरी द्वारा मानवाधिकारों के विषय में अवगत कराने से हुई। उन्होंने बताया कि मानवाधिकार वैसे अधिकार हैं जो हमारे पास इसलिये हैं, क्योंकि हम मनुष्य हैं। राष्ट्रीयता, लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, रंग, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति की परवाह किए बिना ये हम सभी के लिये सार्वभौमिक अधिकार हैं। इनमें सबसे मौलिक, जीवन के अधिकार से लेकर वे अधिकार शामिल हैं जो जीवन को जीने लायक बनाते हैं, जैसे कि भोजन, शिक्षा, काम, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का अधिकार।

16 दिसम्बर से दस प्रतिशत कम हो जाएगा एसी बसों का किराया

लखनऊ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। सर्दियों में बस यात्रियों को वातानुकित बसों में सफर का लाभ देने के लिए योगी सरकार ने किराए में 10 प्रतिशत छूट का निर्णय किया है। यात्री 16 दिसम्बर 2023 से वातानुकूलित बसों में इस छूट का लाभ ले सकेंगे। 16 दिसम्बर, 2023 से 28 फरवरी, 2024 तक किराए में स्पेशल विंटर डिस्काउंट के रूप में छूट प्रदान की गई है। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि यात्रियों को परिवहन निगम द्वारा संचालित वातानुकूलित बसों में भी शीतकाल के दौरान 10 प्रतिशत कम किराया देकर यात्रा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि शीतकाल प्रारम्भ होने पर वातानुकूलित सेवाओं में यात्रियों के कम आवागमन को देखते हुए वातानुकूलित बसों का किराया कम किया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि वातानुकूलित 3 बाय 2 बसों का किराया अब 1.47 प्रति किमी प्रति सीट होगा। इसी प्रकार वातानुकूलित 2 बाय 2 बसों का किराया 1.74 रुपया, वातानुकूलित शयनयान बसों का किराया 2.33 रुपए एवं वाल्वो (हाई एण्ड) का किराया 2.58 रुपए प्रति किमी प्रति सीट होगा।

- 28 फरवरी तक किराए में छूट का प्राविधान
- वातानुकूलित सेवाओं को लाभप्रद बनाने में करेगा मदद

उन्होंने कहा कि वातानुकूलित सेवाओं को लाभप्रद बनाए जाने के उद्देश्य से सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है। शीतकाल में ईंधन खपत में कमी आती है। साथ ही साथ लोड फैक्टर भी अधिक किराया होने की वजह से कम हो जाता है। परिवहन मंत्री ने कहा कि संज्ञान में आया है कि दिव्यांगजनों को नई संचालित राजधानी सेवा में यात्रा सुविधा अनुमन्य नहीं है। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजधानी सेवा की बसों में भी यात्रा सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि राजधानी सेवा की बसों का किराया अब सामान्य बसों के समतुल्य कर दिया गया है।

सार संक्षेप

ओटीएस शिविर का औचक निरीक्षण करने पहुंचीं एमडी

मेरठ। प्रबन्ध निदेशक चैत्रा वी. द्वारा विद्युत आपूर्ति और एक मुश्त समाधान योजना को लेकर विभिन्न जनपदों का लगातार दौरे किये जा रहे हैं। इसी के मद्देनजर प्रबन्ध निदेशक द्वारा ग्राम खनपुरा अन्तर्गत विद्युत वितरण खण्ड-तृतीय बुलन्दशहर में आयोजित ओटीएस कैम्प का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक (वाणिज्य) संजय जैन, मुख्य अभियन्ता बुलन्दशहर क्षेत्र, बुलन्दशहर अनिल कुमार जायसवाल समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सोमवार को प्रबंध निदेशक अचानक ग्राम खनपुरा बुलन्दशहर में आयोजित कैम्प में पहुंची और योजना में पंजीकरण कराने आये स्थानीय लोगों से बात की, विद्युत आपूर्ति और पंजीकरण आदि की जानकारी ली।

शिविर में 48 दिव्यांगों के पंजीकरण, सामान उपलब्ध कराया

मवाना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवाना पर आयोजित भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर और जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग मेरठ के सहयोग से मंगलवार को आयोजित निशुल्क दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर में 48 दिव्यांगों के पंजीकरण कराये गये। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका के चेयरमैन अखिल कौशिक ने किया। शिविर में आये दिव्यांगों की जांच की गई और उनके जरूरत के अनुसार सामान उपलब्ध कराया गया। शिविर के आयोजक व सीएचसी प्रभारी डा.अरूण कुमार ने बताया कि इस शिविर में दिव्यांगों को दस व्हील चेयर, बैशाखी 13, स्टिक आठ, कृत्रिम हाथ पैर चार कैलिवर सात दिए गए। अनिल शर्मा व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कार बाइक की टक्कर में बाइक सवार घायल

मवाना। मंगलवार को मवाना से दवाई दिलाकर वापस लौट रहे बाइक सवार मां-बेटे की कार से भीडत के चलते बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। सुचना पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को सीएचसी भर्ती कराया। जहां बाइक सवार मां बेटे की हालत गंभीर होने के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को थाना फलावदा के सनौता निवासी अनस पुत्र निसार अपनी मां गुलजार को दवाई दिलवाने के लिए मवाना चिकित्सक के यहां लेकर आया था। दोपहर बाद दवाई दिलाकर वापस लौटते समय पिलौना के समीप तेज गति से आ रही कार से भिड़ंत हो गई जिसमें बाइक सवार मां बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। रहागीरों ने आनन-फानन में कार चालक की मदद से घायलों को सीएचसी भर्ती कराया।

डीएम से की कागजों में पेयजल आपूर्ति करने की शिकायत

फर्रुखाबाद। ब्लॉक बढ़पुर की ग्राम पंचायत अमेठी जदीद के पूर्व प्रधान रामपाल सिंह ने जिलाधिकारी से जल निगम ग्रामीण क्षेत्र के अधिशाषी अभियंता के फर्जीवाडे की शिकायत की है। डीएम को अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत अमेठी जदीद के प्रधान द्वारा 9 अगस्त 23 को गांव में पेयजल आपूर्ति के संबंध में झूठी रिपोर्ट लगायी गयी थी। जिस पर जल निगम के अधिकारियों द्वारा 17 नबम्बर 23 को फर्जी आख्या लगाकर आपको अवगत करा दिया गया है।

सेना में लेफ्टिनेंट बने तक्षशिला के छात्र विख्यात सिंह सोमवंशी

- छात्र से अधिकारी बनने पर किया गया जोरदार स्वागत
- 2019 बैच के स्कूल के टॉपर रहे थे विख्यात

कंकरखेड़ा, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। तक्षशिला पब्लिक स्कूल के छात्र विख्यात सिंह सोमवंशी का सेना में लेफ्टिनेंट बनने पर भव्य स्वागत किया गया। विख्यात

सिंह सोमवंशी तक्षशिला पब्लिक स्कूल के 2019 बैच के स्कूल के टॉपर रहे थे। इनका चयन 2019 में टीईएस में हुआ था। स्कूल में सभी बच्चों ने छात्र से अधिकारी बने विख्यात सिंह सोमवंशी का भरपूर स्वागत किया। उन्होंने अपने स्कूल की यादों को सभी के साथ साझा किया तथा स्कूली पढ़ाई के साथ अपने आप को अनुशासित रखने का अपना अनुभव बच्चों को बताया। अपने आप को शिक्षकों के बीच पाकर वे अत्यंत खुश हुए।

चार वर्ष तक तकनीकी पढ़ाई करने के बाद वे सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन हुए। विख्यात सिंह के पिता सुनील कुमार सिंह एसडी इंटर कॉलिज कंकरखेड़ा में शिक्षक हैं तथा माता प्रियंका सिंह तक्षशिला पब्लिक स्कूल में सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका हैं। विद्यालय के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह ने तथा प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने विख्यात सिंह सोमवंशी के सेना में चयन पर विख्यात सिंह सोमवंशी, उनके माता पिता व उनके सभी शिक्षकों को बधाइयाँ दीं।

विनायक विद्यापीठ में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

- ग्राफ लाइन कंप्यूटर्स ने 29 विद्यार्थियों को किया शॉर्टलिस्टेड
- कंपनी के मुख्य कार्यालय में अगले सप्ताह होगा इंटरव्यू

मेरठ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। मंगलवार को विनायक विद्यापीठ में ग्राफलाइन कंप्यूटर्स द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें 29 विद्यार्थियो को शॉर्टलिस्टेड किया। जिनका फाइनल साक्षात्कार अगले सप्ताह कंपनी के मुख्य कार्यालय में होगा। विनायक विद्यापीठ की प्राचार्या डा. अनुप्रिता शर्मा ने कंपनी के अधिकारियों का स्वागत किया और शॉर्टलिस्टेड विद्यार्थियों को अंतिम साक्षत्कार में सफलता प्राप्त करने के लिए भी अपनी शुभकामनायें दी। निदेशक इंजि. विकास कुमार ने शॉर्टलिस्टेड विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि रोजगार प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ व्यक्तिव विकास की ओर भी ध्यान देना चाहिए। महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर प्रवीन शर्मा ने कंपनी से आए अधिकारियो का धन्यवाद किया और शॉर्टलिस्टेड विद्यार्थियो अंतिम साक्षात्कार के लिए बधाई दी और अपने कार्य के प्रति सचेत रहने, अनुशासन में रहकर कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया।

जनपद में शीत लहरी के दृष्टिगत दिशा-निर्देश जारी

मेरठ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सूर्य कान्त त्रिपाठी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद मेरठ में शीत लहरी के दृष्टिगत जन समुदाय में क्या करें क्या ना करें का विस्तृत प्रचार प्रसार कराए जाने संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए है। दैनिक मौसम की जानकारी अखबार, टीवी, रेडियो एवं मोबाइल फोन के माध्यम से लेते रहें, लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से बचें अपने शरीर को सूखा रखें एवं गर्म कपड़ों से ढक कर रखें। अपने सर, गर्दन, हाथ एवं पैरों को मुख्य रूप से ढकें, शरीर को गर्म रखने हेतु गर्म पेय पदार्थों एवं पौष्टिक आहार का सेवन करें, आवश्यकता के अनुसार सामानों की आवश्यक आपूर्ति और पर्याप्त पानी का भंडारण करें क्योंकि अत्यधिक ठंड में पानी के पाइप जमने की संभावना होती है। हीटर ,ब्लोअर, कोयले की अंगीठी आदि चलाते वक्त थोड़ी खिड़की खोल कर रखें और सोने से पहले सभी हीटर, ब्लोअर,कोयले की अंगीठी इत्यादि को बंद कर दें, घर के अंदर बंद कमरों में कोयला ना जलाएं। इससे उत्पन्न होने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड जानलेवा साबित हो सकती है, शरीर के अंगों के सुन्न पड़ने, हाथ-पैरों, कान एवं नाक पर सफेद या पीले रंग के दाग इत्यादि पड़ने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बकाया वसूली में कमी होने पर ईई को नोटिस

मवाना, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को सरकार ने बड़ी राहत दी है। बिजली बिल के भुगतान के लिए एक मुश्त समाधान योजना (ओटीएस) आठ नवम्बर से लागू की गई हैं। इस योजना के तहत बकाया चुकाने पर सरचार्ज में छूट दी जा रही है। बकायेदार बिजली उपभोक्ता सरकार की इस ओटीएस स्कीम का फायदा उठा ले सकते हैं लेकिन इस योजना के तहत बकाये राजस्व की वसूली नहीं होने पर पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक ने मवाना विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता महेश विश्वकर्मा को नोटिस जारी किया है, वहीं अनेक गांवों के बकायेदार उपभोक्ता राजस्व जमा नहीं कर रहे हैं, जबकि कई गांवों में अधिशासी अभियंता अपनी टीम के साथ उपभोक्ताओं से सीधा संवाद कर चुके हैं। नोटिस के सम्बंध में जानकारी मिली कि पिछले साल दो महीनों में बकायेदारों से 19.50 लाख रुपए की वसूली हुई थी, जबकि इस साल दो महीनों में केवल छह लाख रुपए की वसूली हो सकी है, जिस कारण प्रबंध निदेशक ने मवाना विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता महेश विश्वकर्मी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि बकाया वसूली करने का भरसक प्रयास करें और पिछले सालों से अधिक बकाये की वसूली की जाए।

- रानी नंगला गांव के बकायेदारों पर करोड़ो बकाया
- उपभोक्ताओं से वसूली सख्ती से करने के आदेश

श्रीराम एअरपोर्ट पर हुए हादसे में बिहार के मजदूर की मौत

अयोध्या, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकसित होती अयोध्या में आए दिन कोई न कोई जानलेवा हादसा भी हो रहा है। निर्माणाधीन श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एअरपोर्ट के भीतर कार्य के दौरान दूसरी मंजिल से गिरने के चलते बिहार निवासी एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिवार के हवाले किया है। बताया गया कि बिहार प्रान्त के अररिया जनपद स्थित जामता निवासी 22 वर्षीय अकबर पुत्र मोहम्मद कस्बुत हवाई अड्डे पर कार्य कराने वाली संस्था एवरेस्ट के तहत काम करता था।

सोमवार की रात वह हवाई अड्डा परिसर स्थित द्वार नंबर दो तोरण द्वार को आकर्षक बनाने के लिए दूसरी मंजिल पर जीआरसी से संबंधित फैबिरकेटेड स्ट्रक्चर को स्थापित करने के काम में लगा था। इसी फोल्डिंग से अचानक नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद मौके पर हलचल मच गई और मामले की जानकारी अधिकारियों को दी गई। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल मजदूर अकबर को उसके साथ ही काम करने वाले उसके भाई मसूद के साथ दर्शननगर मेडिकल कालेज भेजवाया गया। जहां डाक्टरों ने अकबर को मृत घोषित कर दिया।

- दूसरी मंजिल से गिरने से हुई दुर्घटना

उसके भाई मसूद का कहना है कि गांव से जीआरसी संबंधी कार्य के लिए सात लोग यहां आये हैं। दूसरी मंजिल पर काम कर रहा उनका भाई अचानक नीचे गिर पड़ा और अस्पताल में मौत हो गई। चौकी प्रभारी हवाई पट्टी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव उसके भाई के हवाले किया गया है। जाँच और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम अतराडा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

मेरठ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्राम अतराडा विकास खंड खरखौदा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियो को प्रतीकात्मक रूप से चाबी व प्रमाण पत्र का वितरण किया गया तथा बच्चो को उपहार भेंट किये गये। एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज द्वारा उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कल्याण विभाग, श्रम विभाग, ग्राम विकास विभाग आदि विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाकर आमजन को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओ की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को योजनाओ का लाभ दिलाये जाने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। इस अवसर पर एमएलसी सरोजिनी अग्रवाल, जिलाधिकारी दीपक मीणा, सीडीओ नूपुर गोयल सहित गणमान्य व्यक्ति व संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आयोजन *मिशन 2047 के लिए लोगों को जागरूक करेगा सीसीएसयू*

विकसित भारत बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी : कुलपति

मेरठ, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत /2047 के तहत प्रधानमंत्री का युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम के तहत सोमवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में अटल सभागार सर छोटू राम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारियों तथा छात्र व छात्राओं ने प्रधानमंत्री का लाइव भाषण सुना।

इसके पश्चात कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विकसित भारत /2047 में अपनी भूमिका, उनकी भूमिका एवं उनके द्वारा किए गए योगदान की सूचना फीडबैक एकत्र किए जाने हेतु एक सैल का गठन किया गया। जिसका कमांड सेंटर सर छोटू राम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में प्रशासनिक भवन के भूतल पर होगा।

इस कार्यक्रम के तहत 15 दिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सेमिनार, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, साइकिल रैली, हाफ मैराथन, क्विज प्रतियोगिता आदि आयोजित की जायेगी। इसके

- कमांड सेंटर से आगामी 15 दिन चलेगी चर्चा, करेंगे जागरूक
- शिक्षक, कर्मचारियों व छात्रों ने सुना प्रधानमंत्री का लाइव भाषण

अलावा शिक्षकों के द्वारा प्रत्येक कक्षा में विकसित भारत /2047 के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। कुलपति द्वारा गठित सैल में सलाहकार समिति प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, समन्वयक डॉक्टर नीरज सिंघल, सह समन्वयक प्रोफेसर कृष्ण कुमार शर्मा, सदस्य डॉक्टर नाजिया , प्रोफेसर प्रशांत कुमार,डॉक्टर जितेंद्र गोयल, डॉक्टर अनिल यादव, डॉक्टर विवेक त्यागी, डॉक्टर विवेक नौटियाल, प्रेस समिति मितेन्द्र कुमार गुप्ता, इंजीनियर प्रवीण पवार, इंजीनियर मनीष मिश्रा, इंजीनियर संदीप अग्रवाल हैं।

सीसीएसयू व एनएबीआई का माध्यमिक समझौते पत्र पर हस्ताक्षर

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ एवं नेशनल एग्रीकल्चर फूड बायोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट मोहाली पंजाब के माध्यमिक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। नेशनल एग्रीकल्चर फूड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट देश का महत्वपूर्ण एवं शोध के क्षेत्र में एक विशेष संस्थान है। मुख्य रूप से यह खाद्य विज्ञान कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ऐसे संस्थान के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ का होना गौरव की बात है। एमओयू के बाद चौधरी चरण सिंह विवि के कृषि विज्ञान संकाय एवं विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं व शिक्षकों को वहां पर चल रहे नए शोध आयाम का लाभ मिल सके। नेशनल एग्रीकल्चर फूड बायोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर अश्विनी पारीक वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर जीके रॉय वह प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की ओर से कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला कुलसचिव धीरेंद्र कुमार शोध निदेशक प्रोफेसर वीरपाल सिंह कृषि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह वरिष्ठ प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राहुल कुमार डॉक्टर धर्मेंद्र प्रताप डॉक्टर सचिन कुमार डॉक्टर अजय कुमार प्रेस प्रवक्ता मितेंद्र कुमार गुप्ता, प्रेस समिति के सदस्य इंजीनियर प्रवीण पवार आदि मौजूद रहे।

देशबन्धु नई दिल्ली, बुधवार, 13 दिसम्बर, 2023, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

दुनिया रंग-बिरंगी

शाहरुख खान श्री वैष्णो देवी दर्शन करने जम्मू पहुंचे

जम्मू, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने 21 दिसम्बर को रिलीज होने वाली अपनी फिल्म 'डनकी' से पहले मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि किंग खान कटरा पहुंचे और भवन के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'डंकी' से पहले गुफा मंदिर में विशेष प्रार्थना की। राज कुमार हिरानी निर्देशित 120 करोड़ बजट वाली फिल्म 'डनकी' 21 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। इससे पहले भी फिल्म 'पठान' और 'जवान' की रिलीज के वक्त शाहरुख खान ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की थी।

इसरो की 2040 तक चंद्रमा पर पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजने की योजना

तिरुवनंतपुरम, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय अर्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा है कि चंद्रयान-3 चंद्र मिशन की शानदार सफलता के बाद, इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहली बार भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की अपनी योजना पर जोर-शोर से काम कर रहा है। श्री सोमनाथ ने कहा कि इसरो का लक्ष्य 'गगनयान' कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है, जिसमें दो से तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को तीन दिनों तक पृथ्वी की कक्षा (एलईओ) में पहुंचाने की योजना है, जिसके बाद उन्हें पूर्वनिर्धारित साइट पर भारतीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से वापस भेजा जाएगा।

उन्होंने मनोरमा ईयरबुक 2024 के लिए एक विशेष लेख में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के चार परीक्षण पायलटों को मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्री के रुप में नामित चुना गया है। वर्तमान में, ये लोग बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा (एटीएफ) में मिशन-विशिष्ट प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास शामिल है, जिसमें एक मानव-रेटेड (मानवों को सुरक्षित रूप से परिवहन करने में सक्षम) लॉन्च वाहन (एचएलवीएम 3), एक क्रू मॉड्यूल (सीएम) और सर्विस मॉड्यूल (एसएम), और जीवन समर्थन प्रणाली वाला एक ऑर्बिटल मॉड्यूल शामिल है। एकीकृत एयर ड्रॉप टेस्ट, पैड एबॉर्ट टेस्ट और टेस्ट वाहन उड़ानों के अलावा दो समान गैर-चालक दल मिशन (जी1 और जी2) मानवयुक्त मिशन से पहले होंगे। सीएम अंतरिक्ष में चालक दल के लिए पृथ्वी जैसे वातावरण वाला रहने योग्य स्थान है और इसे सुरक्षित पुन: प्रवेश के लिए डिज़ाइन किया गया है। सुरक्षा उपायों में आपात स्थिति के लिए क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) भी शामिल है।

> इसरो का लक्ष्य 'गगनयान' कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है, जिसमें दो से तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को तीन दिनों तक पृथ्वी की कक्षा (एलईओ) में पहुंचाने की योजना है, जिसके बाद उन्हें पूर्वनिर्धारित साइट पर भारतीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से वापस भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि परीक्षण वाहन (टीवी-डी1) की पहली विकास उड़ान 21 अक्टूबर, 2023 को प्रक्षेपित की गई थी, और इसने क्रू एस्केप सिस्टम के इन-फ्लाइट डिलिवरी का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, इसके बाद क्रू मॉड्यूल को अलग किया गया और भारतीय सेना ने बंगाल की खाड़ी से इसकी सुरक्षित पुनर्प्राप्ति की गई। उन्होंने कहा, 'इस परीक्षण उड़ान की सफलता बाद के मानव रहित मिशनों और 2025 में प्रक्षेपित होने वाले अंतिम मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण थी।' श्री सोमनाथ ने कहा, इसरो की एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना आदित्य एल1 है, जो भारत का पहला सौर खोजपूर्ण मिशन है। यह लैग्रेंज प्वाइंट 1 के अनूठे सुविधाजनक बिंदु से सूर्य का अध्ययन करेगा। यह चंद्र और सौर अनुसंधान दोनों में देश की शक्ति का प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न इसरो केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से स्वदेशी रूप से विकसित सात वैज्ञानिक पेलोड से लैस, आदित्य एल 1 अंतरिक्ष यान सूर्य के रहस्यों की खोज करेगा, जिसमें सौर कोरोना, सौर हवा, सौर फ्लेयर्स और इंटरप्लेनेटरी चुंबकीय क्षेत्रों को मापना शामिल है। उन्होंने कहा कि दो सितंबर, 2023 को प्रक्षेपित किया गया, आदित्य एल1 पांच साल के मिशन के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज प्वाइंट 1 (एल 1) की ओर अपने इच्छित पथ पर है, जहां इसे जनवरी 2024 में हेलो कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बारे में कहा कि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अगस्त (चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग) को भारत में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में घोषित किया है। उन्होंने कुछ अन्य महत्वाकांक्षी चल रहे और आगामी मिशनों का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी), पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) कार्यक्रम, एक्स-रे खगोल विज्ञान मिशन एक्सपीओएसएटी (एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट), स्पेस डॉकिंग प्रयोग और एलओएक्स -मीथेन इंजन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक अंतरिक्ष पर भारत की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को चालू करने और वीनस ऑर्बिटर मिशन और मंगल लैंडर की विशेषता वाले अंतरग्रहीय अन्वेषण जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन ने अपने 20 प्रतिशत वैज्ञानिक खोए: अध्ययन

कीव, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक अध्ययन के अनुसार 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए रूस के साथ युद्ध के कारण यूक्रेन ने अपने लगभग 20 प्रतिशत वैज्ञानिकों को खो दिया है। यूक्रेनी वैज्ञानिक ओलेना इरमोश ने कहा, 'मेरा शहर अब बमबारी के बाद जर्मन सैनिकों के दो कब्जे के बाद से भी बदतर दिखता है।' इरमोश पूर्वी यूक्रेन में अपने शहर खार्किव में बस गईं। वह रूसी सीमा से केवल 40 किमी दूर थी, जहां उन्होंने युद्ध शुरू होने के नौ दिन बाद स्विट्जरलैंड जाने से पहले उच्च शिक्षा में व्याख्याता के रूप में 16 साल से अधिक समय तक काम किया। यूक्रेनी अनुसंधान पर युद्ध के प्रभाव को मापने के लिए, स्विट्जरलैंड में इकोले पॉलिटेक्निक फेडरेल डी लॉजेन की एक टीम ने अब तक के सबसे व्यापक सर्वेक्षणों में से एक की शुरुआत की, जिसमें 2022 में लगभग 2,500 यूक्रेनी वैज्ञानिकों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया गया। परिणाम मानविकी और सामाजिक विज्ञान संचार में प्रकाशित किए गए हैं। ईपीएफएल के कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट ऑफ टेक्नोलॉजी के गेटन डी रासेनफोसे ने कहा, 'हमारे सर्वेक्षण से पता चलता है कि यूक्रेन ने ओलेना जैसे लगभग 20 प्रतिशत शीर्ष वैज्ञानिकों को खो दिया है, जो विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में अपनी प्रयोगशाला में काम करने के लिए इरमोश को नियुक्त करने में सक्षम थे। इनमें से कई प्रवासी वैज्ञानिक अपने मेजबान संस्थानों में अनिश्चित अनुबंध के तहत हैं। यूक्रेन में रहने वाले वैज्ञानिकों में से (यदि वे अभी भी जीवित हैं) लगभग 15 प्रतिशत ने अनुसंधान छोड़ दिया है और अन्य के पास युद्ध की परिस्थितियों को देखते हुए अनुसंधान के लिए समर्पित करने के लिए बहुत कम समय है।' ईपीएफएल शोधकर्ताओं ने पाया कि यूक्रेन में अनुसंधान क्षमता 20 प्रतिशत कम हो गई है। अध्ययन में पाया गया कि यूक्रेन में अभी भी 23.5 प्रतिशत वैज्ञानिकों ने अपने शोध के लिए महत्वपूर्ण इनपुट तक पहुंच खो दी है और 20.8 प्रतिशत अपने संस्थान तक भौतिक रूप से पहुंच नहीं सकते। डी रासेनफोसे और उनकी टीम ने अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रवासी वैज्ञानिकों के लिए अधिक और लंबी छात्रवृत्ति का प्रावधान एक सर्वोपरि चिंता का विषय बनकर उभरा है। जहां तक यूक्रेन में अभी भी वैज्ञानिकों का सवाल है, तो अध्ययन से पता चलता है कि पूरे यूरोप और उसके बाहर के संस्थान कई सहायता कार्यक्रमों में रिमोट विजिटिंग कार्यक्रम, डिजिटल पुस्तकालयों और कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच के साथ-साथ सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान की पेशकश कर सकते हैं। डी रासेनफोसे ने कहा, 'शैक्षणिक दृष्टिकोण से विदेश जाना वास्तव में एक वैज्ञानिक के रूप में सुधार करने का एक अवसर हो सकता है, क्योंकि हमारे सर्वेक्षण से पता चलता है कि विदेश में रहने का मतलब नवीनता से अवगत होना है।' रासेनफोसे ने चेतावनी देते हुए कहा, 'आम तौर पर हमारे अध्ययन से पता चलता है कि यूक्रेनी वैज्ञानिक, यूक्रेनी वैज्ञानिक समुदाय से अधिक से अधिक अलग होते जा रहे हैं।

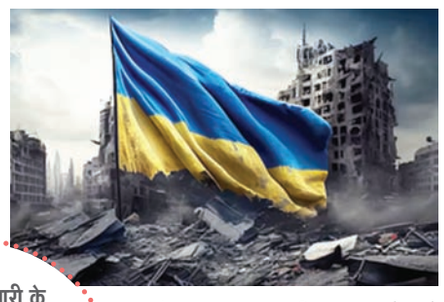

> 'मेरा शहर अब बमबारी के बाद जर्मन सैनिकों के दो कब्जे के बाद से भी बदतर दिखता है।' इरमोश पूर्वी यूक्रेन में अपने शहर खार्किव में बस गईं:-ओलेना इरमोश, यूक्रेनी वैज्ञानिक

गूगल प्ले मूवीज और टीवी अब 17 जनवरी, 2024 से उपलब्ध नहीं होंगे

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। गूगल अब गूगल प्ले मूवीज एंड टीवी को एंड्रॉइड टीवी डिवाइस या गूगल प्ले वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं कराएगा। कंपनी ने लेटेस्ट अपडेट में कहा, लोग अभी भी एंड्रॉइड टीवी डिवाइस, गूगल टीवी डिवाइस, गूगल टीवी मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस) और यूट्यूब पर पहले से खरीदे गए टाइटल (सक्रिय किराये सहित) तक पहुंच पाएंगे। गूगल ने पहले ही एंड्रॉइड और आईओएस यूजर्स को गूगल टीवी ऐप पर स्थानांतरित कर दिया है, अक्टूबर में ऐप को एंड्रॉइड टीवी से हटा दिया है। कंपनी ने कहा, 'हम आपके द्वारा नई फिल्में खरीदने या गूगल के माध्यम से खरीदी गई फिल्मों और टीवी शो तक पहुंच को सरल बनाने के लिए कुछ बदलाव कर रहे हैं।' टेक दिग्गज काफी समय से यूजर्स को गूगल प्ले मूवीज एंड टीवी से दूर कर रहा है। 17 जनवरी, 2024 से, शॉप टैब पहले से खरीदे गए टाइटल देखने, या एंड्रॉइड टीवी पर नई फिल्में खरीदने और किराए पर लेने के लिए आपका नया घर होगा। गूगल ने कहा, 'आपको शॉप टैब पर आपकी लाइब्रेरी रो में एक्टिव रेंटलर्स सहित खरीदे गए टाइटल्स मिलेंगे।' 17 जनवरी से, यूट्यूब ऐप पहले से खरीदे गए टाइटल्स देखने, या गूगल से नई फिल्में खरीदने और किराए पर लेने के लिए आपका नया घर होगा। आप यूट्यूब ऐप पर एक्टिव रेंटल सहित गूगल से खरीदे गए टाइटल्स तक पहुंच सकेंगे। गूगल ने कहा, वेब ब्राउजर पर, पहले से खरीदे गए टाइटल्स देखने, या वेब ब्राउजर पर नई फिल्में खरीदने और किराए पर लेने के लिए यूट्यूब नया घर होगा।

कोलकाता में जल निकायों की संख्या में भारी गिरावट

> कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तहत 101 और 144 वार्डों के बीच फैले कुल 12,442 जल निकायों में से 8,250 के अधिकारों का रिकॉर्ड बदल दिया गया

कोलकाता, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। कोलकाता में पिछले कुछ वर्षों के दौरान जल निकायों की संख्या में आई भारी गिरावट चिंता का कारण बन गई है। भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण और संयुक्त भूमि सुधार आयुक्त कार्यालय द्वारा किए गए एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तहत 101 और 144 वार्डों के बीच फैले कुल 12,442 जल निकायों में से 8,250 के अधिकारों का रिकॉर्ड बदल दिया गया है। वार्ड संख्या 101 से 144 मुख्य रूप से केएमसी के अंतर्गत अतिरिक्त क्षेत्रों में है और वहां के अधिकांश जल निकायों के अधिकारों का रिकॉर्ड वर्गीकृत भूमि के अधिकारों में बदल दिया गया है। इस मामले को हाल ही में कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ में जल निकायों के बड़े पैमाने पर भरने और अधिकारों के रिकॉर्ड को बदलने पर एक याचिका में उजागर किया गया था। पीठ ने जल निकायों के बड़े पैमाने पर भरने को रोकने में केएमसी की अनिच्छा पर भी आपत्ति जताई और केएमसी अधिकारियों पर वित्तीय जुर्माना भी लगाया था। पर्यावरणविद् भी काफी समय से जल निकायों के बड़े पैमाने पर भरने और बेलगाम रियल एस्टेट को बढ़ावा देने के एकमात्र उद्देश्य के लिए उनकी प्रकृति को वर्गीकृत भूमि में बदलने के खिलाफ मुखर रहे हैं। कुछ इसी तरह के एक मामले की सुनवाई के दौरान कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की टिप्पणी में भी इस संबंध में पर्यावरणविदों की चिंताएं सामने आई। न्यायमूर्ति सिन्हा ने वेटलैंड प्राधिकरण को दक्षिण 24 परगना के नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन के तहत एक क्षेत्र में वेटलैंड पर अवैध और अनधिकृत निर्माण के संबंध में एक रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सिन्हा ने बेलगाम रियल एस्टेट विकास से जल निकायों को भरने पर भी नाराजगी व्यक्त की और वह भी ऐसे समय में जब कोलकाता कोलकाता के लोगों की सांसें अटक रही हैं।

जिम्बाब्वे में सूखे से 100 हाथियों की मौत

हरारे, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय पशु कल्याण और संरक्षण समूह ने कहा कि जिम्बाब्वे के सबसे बड़े गेम रिजर्व ह्वांगे नेशनल पार्क में अल नीनो के कारण पड़े सूखे से कम से कम 100 हाथियों की मौत हो गई है। इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर (आईएफएडब्ल्यू) ने बयान में कहा, 'अल नीनो के कारण गर्मियों में बारिश पांच सप्ताह देर से हो रही है क्योंकि जिम्बाब्वे के सबसे बड़े संरक्षित क्षेत्र ह्वांगे नेशनल पार्क में दर्जनों हाथियों की पहले ही मौत हो चुकी है, जो लगभग 45,000 हाथियों का घर है।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने आईएफएडब्ल्यू के हवाले से कहा, 'पानी की कमी के कारण कम से कम 100 हाथियों के मरने की खबर है।' संगठन ने कहा कि पार्क में 104 सौर ऊर्जा संचालित बोरहोल अधिक तापमान से निपटने के लिए अपर्याप्त हैं, जिससे मौजूदा वॉटरहोल सूख रहे हैं। वन्यजीवों को भोजन और पानी की तलाश में लंबी दूरी तक चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आईएफएडब्ल्यू ने कहा कि हाथी जैसे पानी पर निर्भर स्तनधारी सबसे अधिक प्रभावित हैं और अगर जल्द ही बारिश नहीं हुई तो इन्हें और अन्य वन्यजीव प्रजातियों को संकट का सामना करना पड़ेगा।

उत्तराखंड में बढ़ा सर्दी का सितम, कुछ जिलों में हल्की बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान

देहरादून, 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। उत्तराखंड में मौसम सर्द होना शुरू हो गया है। पहाड़ों में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है। उच्च हिमालयी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। पहाड़ों की रानी मसूरी में तो रात का तापमान माइनस 2 डिग्री तक पहुंच गया है। मैदानी इलाकों में कोहरा छाने लगा है। मंगलवार को कुछ जिलों में हल्की बारिश और बर्फबारी देखने को मिल सकती है। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ का असर न होने की वजह से मौसम शुष्क ही बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को ज्यादातर जगहों पर बादल छाए रहेंगे। बारिश होने की ज्यादा संभावना नहीं है। 17 और 18 दिसम्बर को एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर होने की वजह से प्रदेश में बारिश की कोई संभावना नहीं है। वर्तमान में न्यूनतम और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह के मुताबिक, इस सीजन में 1 अक्टूबर से लेकर मंगलवार तक 34 फीसदी बारिश कम हुई है। उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों हरिद्वार, उधम सिंह नगर समेत अन्य जिलों में कोहरा छाया रहेगा। उन्होंने बताया कि दिनभर कोहरा रहने की स्थिति अभी नहीं बनने वाली है। मैदानी जिलों में सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहेगा।

'एलओसी कारगिल' के 2 दशक पूरे होने पर बोले अभिषेक बच्चन, 'विश्वास नहीं होता कि 20 साल हो गए हैं'

मुंबई, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन, जिन्हें हाल ही में 'घूमर' में देखा गया था, अपनी वॉर फिल्म 'एलओसी कारगिल' की 20वीं सालगिरह मना रहे हैं। फिल्म के जरिए कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि दी गई है। फिल्म की 20वीं सालगिरह पर, 'एलओसी कारगिल' में कैप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका निभाने वाले अभिषेक ने एक्स पर शूटिंग के दौरान बनाई गई मेमोरीज के बारे में बात की। फिल्म की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'समय गुजर जाता है! विश्वास नहीं हो रहा कि एलओसी की रिलीज को 20 साल हो गए, इतने सारे दोस्तों के साथ फिल्म बनाना बहुत अच्छी यादें हैं। लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों में हमारे सच्चे नायकों की कहानियों को बताने में सक्षम होना और भी बड़ा सम्मान है।' एक्टर ने उन्हें मौका देने के लिए निर्देशक जेपी दत्ता को धन्यवाद दिया। अभिषेक ने कहा, 'मुझे चुनने और फिल्म में हिस्सा बनने का मौका देने के लिए जेपी साहब को धन्यवाद।' इस फिल्म में बॉलीवुड की अब तक की सबसे बड़ी स्टार कास्ट में से एक को दिखाया गया था, जिसमें उस समय के कई टॉप स्टार्स शामिल थे। अभिषेक द्वारा कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार पहली बार इस वीरतापूर्ण कहानी को बड़े पर्दे पर लाया गया था, यह भूमिका बाद में स्ट्रीमिंग फिल्म 'शेरशाह' में सिद्धार्थ मल्होत्रा द्वारा निभाई गई थी।

सशक्त अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनायी स्मिता पाटिल ने

मुंबई, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड में स्मिता पाटिल को ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय से समानांतर सिनेमा के साथ- साथ व्यावसायिक सिनेमा में भी दर्शको के बीच अपनी खास पहचान बनायी। 17 अक्तूबर 1955 को पुणे शहर में जन्मी स्मिता पाटिल ने अपनी स्कूल की पढ़ाई महाराष्ट्र से पूरी की । उनके पिता शिवाजी राय पाटिल महाराष्ट्र सरकार में मंत्री थे जबकि उनकी मां समाज सेविका थी। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मराठी टेलीविजन में बतौर समाचार वाचिका काम करने लगी। इसी दौरान उनकी मुलाकात जाने माने निर्माता. निर्देशक श्याम बेनेगल से हुई। श्याम बेनेगल उन दिनों अपनी फिल्म 'चरण दास चोर' बनाने की तैयारी में थे। श्याम बेनेगल ने स्मिता पाटिल में एक उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया और अपनी फिल्म 'चरण दास चोर' में स्मिता पाटिल को एक छोटी सी भूमिका निभाने का अवसर दिया । भारतीय सिनेमा जगत में चरण दास चोर को ऐतिहासिक फिल्म के तौर पर याद किया जाता है क्योंकि इसी फिल्म के माध्यम से श्याम बेनेगल और स्मिता पाटिल के रूप में कलात्मक फिल्मों के दो दिग्गजों का आगमन हुआ।

श्याम बेनेगल ने स्मिता पाटिल के बारे मे एक बार कहा था ..मैंने पहली नजर में ही समझ लिया था कि स्मिता पाटिल में गजब की स्क्रीन उपस्थिती है और जिसका उपयोग रूपहले पर्दे पर किया जा सकता है । फिल्म 'चरण दास चोर' हालांकि बाल फिल्म थी लेकिन इस फिल्म के जरिये स्मिता पाटिल ने बता दिया था कि हिंदी

'पुण्यतिथि 13 दिसम्बर'

फिल्मों मे खासकर यथार्थवादी सिनेमा में एक नया नाम स्मिता पाटिल के रूप में जुड़ गया है । इसके बाद वर्ष 1975 मे श्याम बेनेगल द्वारा ही निर्मित फिल्म 'निशांत' में स्मिता को काम करने का मौका मिला । वर्ष 1977 स्मिता पाटिल के सिने कैरियर में अहम पड़ाव साबित हुआ । इस वर्ष उनकी भूमिका और मंथन जैसी सफल फिल्मे प्रदर्शित हुयी ।

दुग्ध क्रांति पर बनी फिल्म 'मंथन' में स्मिता पाटिल के अभिनय ने नये रंग दर्शको को देखने को मिले। इस फिल्म के निर्माण के लिये गुजरात के लगभग पांच लाख किसानों ने अपनी प्रति दिन की मिलने वाली मजदूरी में से 'दो-दो' रूपए फिल्म निर्माताओं को दिये और बाद में जब यह फिल्म प्रदर्शित हुयी तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुयी । वर्ष 1977 में स्मिता पाटिल की 'भूमिका' भी प्रदर्शित हुयी जिसमें स्मिता पाटिल ने 30..40 के दशक में मराठी रंगमच की जुड़ी अभिनेत्री 'हंसा वाडेकर' की निजी जिंदगी को रूपहले पर्दे पर बहुत अच्छी तरह साकार किया । फिल्म भूमिका में अपने दमदार अभिनय के लिए वह राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित की गयी।

मंथन और भूमिका जैसी फिल्मों मे उन्होंने कलात्मक फिल्मो के महारथी नसीरूदीन शाह 'शबाना आजमी' अमोल पालेकर और अमरीश पुरी जैसे कलाकारो के साथ काम किया और अपनी अदाकारी का जौहर दिखाकर अपना सिक्का जमाने मे कामयाब हुयी । फिल्म 'भूमिका' से स्मिता पाटिल का जो सफर शुरू हुआ वह चक्र, निशांत, आक्रोश, गिद्ध, अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है और मिर्च मसाला जैसी फिल्मों तक जारी रहा । वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिल्म 'चक्र' में स्मिता पाटिल ने झुग्गी, झोंपड़ी में रहने वाली महिला के किरदार को रूपहले पर्दे पर जीवंत कर दिया 1इसके साथ ही फिल्म 'चक्र' के लिए वह दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित की गयी ।

बिग बी ने खुलासा, 'चाहे कोई मुझे' गाने में 'याहू' शब्द को रफी ने रिकॉर्ड नहीं किया था

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने खुलासा किया कि कैसे आइकोनिक ट्रैक 'चाहे कोई मुझे जंगली कहे' में 'याहू' शब्द को मोहम्मद रफी ने नहीं, बल्कि लेखक प्रयाग राज ने रिकॉर्ड किया था। मेगास्टार वर्तमान में गेम प्ले 'कौन बनेगा करोड़पति 15' को होस्ट कर रहे हैं।

बिग बी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार से आए दिलीप मोहन शिम्पी का हॉट सीट पर स्वागत किया। 10,000 रुपए के लिए, कंटेस्टेंट से एक ऑडियो सवाल पूछा गया: 'मोहम्मद रफी के इस गाने का पहला शब्द क्या है?' गाना बजाया गया, 'चाहे कोई मुझे जंगली कहे।' दिए गए विकल्प थे: हुर्रे, याहू, शावा और चक दे। सही उत्तर 'याहू' था। 'सरकार' फेम अभिनेता ने शेयर किया, 'यह गाना फिल्म 'जंगली' से है। फिल्म में शम्मी कपूर और सायरा बानो मुख्य भूमिका में हैं। संगीतकार शंकर-जयकिशन थे और शैलेन्द्र गीतकार थे।

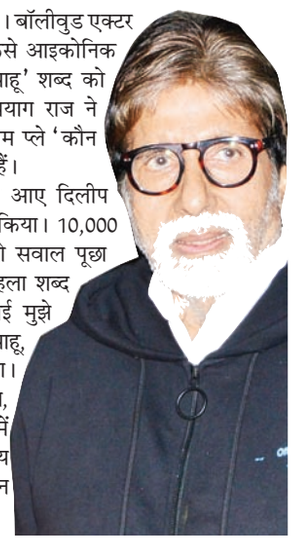

देशबन्धु

अर्थ जगत

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण ही है भविष्य की राह : आरबीआई ईडी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के कम होते वर्चस्व और मल्टीपोलर करेंसी के इस दौर का उल्लेख करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक राधा श्याम राठो ने कहा, मैक्रोइकोनॉमिक पैरामीटर और विकास के अन्य मानक दिखा रहे हैं कि सुस्त पड़ते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच भारत की स्थिति मजबूत है। ऐसे में भारतीय रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भविष्य की सहज राह है। श्री राठो ने भारतीय उद्योग परिसंघ के उत्तरी क्षेत्र द्वारा आयोजित 10 वें सीआईआई बैंकिंग एंड फाइनेंस समिट में कहा कि भारतीय आयातकों और निर्यातकों को एक्सचेंज रेट के संकट से मुक्त करने के साथ-साथ यह कदम फाइनेंशियल मार्केट पर भी गहरा प्रभाव डालेगा और घरेलू कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी करेंसी में लेनदेन में सक्षम बनाएगा। कम लागत में ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट तक पहुंच, ज्यादा मजबूत फाइनेंशियल सेक्टर और विदेशी मुद्रा भंडार पर निर्भरता कम होने से पूंजी निर्माण बढ़ेगा, विकास को गति मिलेगी और बाहरी कारकों के कारण आने वाला संकट भी कम होगा।

इस दौरान मोबिक्विक के सह-संस्थापक एवं सीईओ बिपिन प्रीत सिंह ने कहा, टेक्नोलॉजिकल

एडवांसमेंट और फिनटेक के प्रसार के साथ पिछले 20-30 साल में भारत के बीएफएसआई सेक्टर ने उल्लेखनीय विकास किया है और फाइनेंशियल इकोसिस्टम में अहम भूमिका निभा रहा है। इस विकास को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क से भी मदद मिली है, जिससे विकास की राह पर बढ़ते रहना संभव हुआ है। एक बड़ी उपलब्धि भारत का अनूठा डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भी है, जहां इनोवेशन का नेतृत्व किसी बड़ी सार्वजनिक कंपनी के हाथ में नहीं है। इसे लोगों के हित में विकसित किया जा रहा है और इससे बैंकों एवं फिनटेक कंपनियों के बीच गठजोड़ को गति मिल रही है। इनोवेशन के हब के रूप में इस गठजोड़ वाले फ्रेमवर्क से फाइनेंशियल इन्क्लूजन का एजेंडा भी आगे बढ़ रहा है, जो भारतीय बीएफएसआई सेक्टर की सफलता एवं प्रगति के लिए अहम है।

बीएफएसआई को विकास एवं इनोवेशन के नए मानक के रूप में स्थापित करने की थीम पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में इस उद्योग में हो रहे बदलाव और भविष्य की रूपरेखा पर विमर्श हुआ। सम्मेलन ने आर्थिक उदारीकरण, टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट, रेगुलेटरी रिफॉर्म्स और उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव समेत बीएफएसआई सेक्टर के सफर पर विमर्श का मंच प्रदान किया। सम्मेलन में बीएफएसआई सेक्टर के सामने आने वाली चुनौतियों को भी सामने रखा गया। साथ ही, रियल-टाइम एडॉप्शन, हाइपर कस्टमाजेशन और बिजनेस प्रोसेस में एआई एवं एनालिटिक्स के सरलीकरण की जरूरत पर भी जोर दिया गया। उपस्थित विशेषज्ञों ने 5जी को भारतीय बीएफएसआई सेक्टर के लिए कैटेलिस्ट के रूप में स्वीकार किया, इससे क्लाउड टेक्नोलॉजी को अपनाने में तेजी आएगी, जिससे ज्यादा इफिशिएंट ऑर्गनाइजेशन तैयार करने, लागत कम करने और एंड-यूजर सपोर्ट को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तीन दिवसीय 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन आज से

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वाणिज्य संघ का तीन दिवसीय 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन (एआईसीसी) एक पृथ्वी, एक परिवार , एक भविष्य विषय पर कल से शुरू होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग की मेजबानी में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी कर रहा है। दोनों आयोजक विश्वविद्यालयों के परिसरों में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में 2,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे जो पहले ही भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से पंजीकृत हो चुके हैं। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने समापन सत्र के लिए मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दे दी है। 74वें एआईसीसी का मुख्य विषय एक पृथ्वी-एक परिवार-एक भविष्य है। ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रो. (डॉ.) सी. राज कुमार ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत 2047 कार्यक्रम के तहत परिकल्पना की गई है, वाणिज्य और प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने में संस्थानों की भूमिका आवश्यक है। विकसित भारत 2047 हमारे समाज के आर्थिक परिवर्तन, विनिर्माण को बढ़ाने, सेवा क्षेत्र का विस्तार करने और साथ ही प्रशिक्षण और कौशल प्रबंधन लाने की परिकल्पना करता है। हमारी 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था की आकांक्षा है, और इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्यावसायिक शिक्षा है, जो प्रौद्योगिकी और वाणिज्य को एक पुनर्कल्पित तरीके से जोड़ती है। वाणिज्य शिक्षा की चुनौतियों का समाधान किए बिना भारत के आर्थिक तंत्र की पुनर्कल्पना नहीं की जा सकती। आईसीए-जेजीयू सम्मेलन एक महत्वपूर्ण समय पर आया है जो वाणिज्य और प्रबंधन शिक्षा में विशेषज्ञों और संकाय के साथ युवाओं को एक साथ लाता है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण को पूरा करना भी है जो बहु-विषयक शिक्षा और शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करता है। यह सम्मेलन उस दिशा में एक सच्चा सहयोग है।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा, डीयू और ओपीजेजीयू, दोनों प्रतिष्ठित संस्थान, 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। यह व्यवसाय परिवर्तन, एसडीजी और नवाचार और स्टार्टअप सहित विविध विषयों पर चर्चा की मेजबानी करेगा। लगभग 1800 शोध पत्र प्राप्त और प्रस्तुत किए जाएंगे, जो विचारों और विचारों की एक अनूठी विविधता को सामने लाएंगे।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

अल्ट्रासिमको	1.87 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.28 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	1.07 प्रतिशत
टीसीएस	0.82 प्रतिशत
विप्रो	0.43 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सन फार्मा	1.90 प्रतिशत
मारुति	1.87 प्रतिशत
टाइटन	1.71 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.71 प्रतिशत
रिलायंस	1.43 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

वोक्सवैगन जनवरी से कारों की बढ़ाएगी कीमतें

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। वोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया ने मंगलवार को बढ़ते इनपुट और मटेरियल लागत के चलते अपने मॉडल रेंज में कार की कीमतों में 2 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की है। वोक्सवैगन के प्रवक्ता ने कहा, ब्रांड इनपुट लागत में वृद्धि का अधिकांश हिस्सा वहन कर रहा है, हालांकि, कुछ प्रभाव अंतिम उपभोक्ताओं पर डालना होगा। वोक्सवैगन का यह फैसला मारुति सुजुकी के साथ-साथ महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा वाहन की कीमतें बढ़ाने की घोषणा के बाद आया है। घरेलू ऑटो प्रमुख महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 6 दिसंबर को घोषणा की थी कि वह अगले महीने से अपने यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा कि लागत बढ़ने के कारण वह कीमतें बढ़ा रही है। ऑटो प्रमुख ने कहा कि उन्होंने इन अतिरिक्त लागतों को यथासंभव अवशोषित करने का प्रयास किया है। हालांकि, इस बढ़ोतरी का एक हिस्सा ग्राहकों को दिया जाएगा। मारुति सुजुकी ने 27 नवंबर को घोषणा की थी कि वह जनवरी 2024 से अपनी कारों की कीमतें बढ़ाएगी। देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी ने कहा कि उसने बढ़ती इनपुट लागत के कारण कार की कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है। मारुति सुजुकी ने कहा, कंपनी लागत कम करने और बढ़ोतरी की भरपाई करने के लिए अधिकतम प्रयास कर रही है, लेकिन उसे कुछ बढ़ोतरी का भार बाजार को देना पड़ सकता है।

स्विगी ने पिछले 12 महीनों में डिलीवरी पार्टनर्स को 102 करोड़ रुपये का लोन दिया

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने मंगलवार को कहा कि पिछले 12 महीनों में उसने 102 करोड़ रुपये के ऋण वितरण की सुविधा प्रदान की है, जिसमें से 10.1 करोड़ रुपये अकेले नवंबर में वितरित किए गए। ऐसे ऋणों को सक्षम करने के लिए स्विगी ने बेटरप्लेस और रिफाइन के साथ साझेदारी की है।

कंपनी ने कहा, ऋण वितरण भागीदारों की संख्या की कोई सीमा नहीं है जिसके लिए वे आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि वे एक अच्छा रिपेमेंट हिस्ट्री बनाए रखें। इसने डिलीवरी पार्टनर्स को प्लेटफॉर्म के साथ अपने कार्यकाल के दौरान औसतन तीन गुना तक ऋण लेने में सक्षम बनाया है। स्विगी के संचालन प्रमुख मिहिर शाह ने एक बयान में कहा, हमारी ऋण पहल सिर्फ एक

कार्यक्रम नहीं है, यह हमारे वितरण भागीदारों की तलाश करने का एक और तरीका है। व्यक्तिगत आपात स्थितियों, जरूरतों और आकांक्षाओं के लिए अक्सर धन की त्वरित पहुंच की आवश्यकता होती है। हमें खुशी है कि हमारे डिलीवरी पार्टनर स्विगी पर भरोसा करते हैं। स्विगी ने हाल ही में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के साथ साझेदारी में हॉस्पिकैश पॉलिसी पेश की है। यह पॉलिसी डिलीवरी पार्टनर को मृत्यु, आंशिक या अस्थायी विकलांगता और अस्पताल में भर्ती होने जैसी स्थितियों में कवरेज प्रदान करती है। इस पॉलिसी के लिए प्रीमियम ऋण राशि का न्यूनतम 1 प्रतिशत निर्धारित है। स्विगी हॉस्पिकैश नीति और ऋण आवेदन प्रक्रिया के बारे में अपने डिलीवरी भागीदारों के बीच शिक्षित करने और जागरूकता पैदा करने के लिए व्यापक सहायता भी प्रदान करता है। नए ऋण आवेदकों को इंफॉर्मेटिव मैसेज, लोन कंफर्मेशन और डॉक्यूमेंट सपोर्ट के माध्यम से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। कंपनी उन लोगों को ऋण के बारे में शिक्षित करने की भी योजना बना रही है जिन्हें ऋण के बारे में आपत्ति है। स्विगी ने कहा, ऋण सेवा और बीमा ग्राहक सेवा टीम के साथ समर्पित केंद्रीय बीमा टीम चिंताओं या शिकायतों के समाधान के लिए उपलब्ध है।

सार संक्षेप

पैनासोनिक ने मैटर-सक्षम रूम एयर कंडीशनर के साथ स्मार्ट लिविंग को फिर से परिभाषित किया

नई दिल्ली। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया (पीएलएसआईएनडी) - एक अग्रणी विविध प्रौद्योगिकी कंपनी, ने आज मिराई द्वारा संचालित भारत के पहले मैटर-सक्षम रूम एयर कंडीशनर (आरएसी)* को पेश करके एयर कंडीशनिंग की दुनिया में एक अभूतपूर्व प्रगति की घोषणा की। इसके साथ, पैनासोनिक स्मार्ट उपकरणों के दायरे में उपभोक्ताओं के लिए लचीलापन और सुविधा सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाता है। फरवरी 2024 से, मैटर प्रोटोकॉल से लैस एयर कंडीशनर की पैनासोनिक रेंज गर्मियों के मौसम से ठीक पहले भारत में सभी प्रमुख आउटलेट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होगी। मैटर एक ओपन-सोर्स कनेक्टिविटी मानक है जो स्मार्ट उपकरणों में सहज इंटरऑपरेबिलिटी को सक्षम बनाता है।

कॉर्निंग ने स्मार्टफोन ग्लास फैक्ट्री लगाने के लिए तमिलनाडु को चुना

नई दिल्ली। तेलंगाना में सरकार बदलने के साथ खबर आई कि एप्पल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता अमेरिका स्थित कॉर्निंग इंक ने घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता ऑप्टिमस इंफ्राकॉम के सहयोग से अपनी 1,000 करोड़ रुपये की फैक्ट्री लगाने के लिए तेलंगाना के बजाय तमिलनाडु को चुना है। इससे पहले, तत्कालीन के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सितंबर में घोषणा की थी कि कॉर्निंग इंक ने अपनी गोरिल्ला ग्लास विनिर्माण फैक्ट्री लगाने के लिए तेलंगाना को चुना है। राज्य के पूर्व आईटी और उद्योग मंत्री के.टी. रामा राव के कार्यालय के एक बयान में कहा गया था कि तेलंगाना में प्रस्तावित फैक्ट्री से 800 से अधिक लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। रामा राव ने न्यूयॉर्क में कॉर्निंग इंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉन बायने, ग्लोबल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव रवि कुमार और सरकारी मामलों की निदेशक सारा कार्टमेल से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था, कई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियां तेजी से हैदराबाद को अपने गंतव्य के रूप में चुन रही हैं। फॉक्सकॉन ने साल की शुरुआत में राज्य में एक महत्वपूर्ण निवेश किया था, और अब तेलंगाना में कॉर्निंग का निवेश तेलंगाना और भारत में स्मार्टफोन निर्माण के एक नए युग को आगे बढ़ाएगा। द इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कॉर्निंग इंक श्रीपेरंबुदूर के पास पिल्लईपक्कम में 1,000 करोड़ रुपये की विनिर्माण फैक्ट्री स्थापित करने पर विचार कर रही है और इसमें 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉर्निंग ने फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन जैसे अन्य एप्पल आपूर्तिकर्ताओं से निकटता के कारण तेलंगाना के बजाय तमिलनाडु को चुना है। जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर मीट (जीआईएम) में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

शेयर बाजार ने गंवाई तेजी

मुंबई 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में फेड रिजर्व की चल रही बैठक में नीतिगत दरों को यथावत रखने की उम्मीद में विश्व बाजार में आई तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, यूटिलिटीज, तेल एवं गैस और रियल्टी समेत सत्रह समूहों में हुई मुनाफावसूली के दबाव में आज शेयर बाजार ने पिछले लगातार दो दिन की बढ़त गंवा दी। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 377.50 अंक लुढ़ककर 69551.03 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 90.70 अंक की गिरावट के साथ 20906.40 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.40 प्रतिशत उतरकर 35,466.36 अंक और स्मॉलकैप 0.27 प्रतिशत फिसलकर 41,284.01 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3905 कंपनियों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1744 लाभ जबकि 2047 नुकसान में रहे वहीं 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष 18 में तेजी रही। बीएसई में आईटी, धातु और सर्विसेज समूह की 0.12 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर शेष 17 समूहों में तेजी रही। इस दौरान कमोडिटीज़ 0.01, सीडी 0.67, ऊर्जा 1.68, एफएमसीजी 0.28, वित्तीय सेवाएं 0.14, हेल्थकेयर 0.46, इंडस्ट्रियल्स 0.94, दूरसंचार 0.17, यूटिलीटीज़ 1.49, ऑटो 0.75, बैंकिंग 0.32, कैपिटल गुड्स 1.10, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.18, तेल एवं गैस 1.84, पावर 1.46, रियल्टी 1.82 और

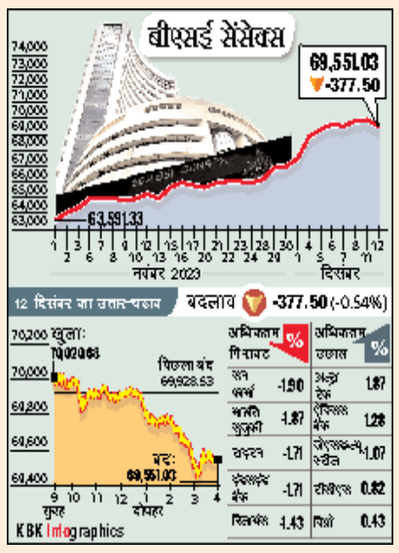

टेक समूह के शेयर 0.06 प्रतिशत लुढ़क गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.71, जर्मनी का डैक्स 0.25, जापान का निक्केई 0.16, हांगकांग का हैंगसेंग 1.07 और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.40 प्रतिशत चढ़ गया। सेंसेक्स कारोबार की शुरूआत में 91 अंक की बढ़त के साथ 70,020.68 अंक पर खुला और मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 70,033.64 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 69,443.85 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 69,928.53 अंक के मुक़ाबले 0.54 प्रतिशत उतरकर 69,551.03 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी 21 अंक की मजबूती के साथ 21,018.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,037.90 अंक के उच्चतम जबकि 20,867.15 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 20,997.10 अंक की तुलना में 0.43 प्रतिशत टूटकर 20,906.40 अंक रह गया। इस दौरान सेंसेक्स कि नुकसान में रही कंपनियों में सन फार्मा 1.90, मारुति 1.87, टाइटन 1.71, इंडसइंड बैंक 1.71, रिलायंस 1.43, एनटीपीसी 1.37, एलटी 1.22, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.08, कोटक बैंक 1.05, एचडीएफसी बैंक 1.01, इंफ़ोसिस 0.85, टाटा मोटर्स 0.76, टेक महिंद्रा 0.55, भारती एयरटेल 0.52, एसबीआई 0.33, एशियन पेंट 0.30, नेस्ले इंडिया 0.25, आईसीआईसीआई बैंक 0.18 और हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.09 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, अल्ट्रासिमको 1.87, एक्सिस बैंक 1.28, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.07, टीसीएस 0.82, विप्रो 0.43, बजाज फाइनेंस 0.26, पावरग्रिड 0.22, आईटीसी 0.18, बजाज फिनसर्व 0.17, टाटा स्टील 0.08 और एचसीएल टेक ने 0.05 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

ब्लैकबेरी ने की नए सीईओ की नियुक्ति

टोरंटो, 12 दिसंबर (आईएएनएस)। ब्लैकबेरी ने जॉन जे जियामाटेओ को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक मंडल का सदस्य नियुक्त करने की घोषणा की है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। रिचर्ड (डिक) लिंच, जिन्होंने 4 नवंबर से अंतरिम सीईओ के रूप में कार्य किया, बोर्ड अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि वह आईओटी और साइबर सुरक्षा व्यवसायों को अलग कर देगी, और वे पूरी तरह से स्टैंडअलोन डिवीजनों के रूप में काम करेंगे। ब्लैकबेरी ने कहा कि वह अब आईओटी व्यवसाय की सहायक आईपीओ को आगे नहीं बढ़ाएगा।

ब्लैकबेरी बोर्ड की मुआवजा, नामांकन और गवर्नेंस समिति के अध्यक्ष माइक डेनियल ने कहा, जियामाटेओ के गहन उद्योग अनुभव और प्रेरक टीमों के उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड और परिचालन उत्कृष्टता प्रदान करने का मतलब है कि वह ब्लैकबेरी के इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को चलाने के लिए मजबूती से तैनात हैं। जियामाटेओ ने अक्टूबर 2021 से ब्लैकबेरी की साइबर सुरक्षा व्यवसाय इकाई के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उनके पास वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ 30 वर्षों से अधिक का

अनुभव है। ब्लैकबेरी से पहले, वह मैक्एफ़ी में अध्यक्ष और मुख्य राजस्व अधिकारी थे। जियामाटेओ ने कहा, मैं सीईओ के रूप में ब्लैकबेरी के विकास के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। ब्लैकबेरी के आईओटी और साइबर सुरक्षा व्यवसायों के पास बाजार-अग्रणी तकनीक, असाधारण टीमें और बड़े बाजार अवसर हैं।

उन्होंने इंटरनेट और मोबाइल सुरक्षा के अग्रणी प्रदाता एवीजी टेक्नोलॉजीज में मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में भी काम किया और सोलेरा, रियलनेटवर्क्स और नॉर्टेल नेटवर्क्स के साथ नेतृत्व पदों पर रहे। वाटरलू, ओंटारियो में स्थित, ब्लैकबेरी 235 मिलियन से अधिक वाहनों सहित 500 मिलियन से अधिक एंडपॉइंट सुरक्षित करता है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 3605 रिंगिट प्रति टन पर स्थिर रहा। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.37 सेंट की तेजी के साथ 51.48 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6000-6100, दाल चना 7000-7100, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9350-9450, उड़द दाल 10300-10400, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

फेडेक्स देगा आईआईटी बॉम्बे, मद्रास को एक करोड़ डालर की सहायता

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। फेडेक्स कॉर्प की कुरियर परिवहन सेवाएं देने वाली सहायक कंपनी फेडेक्स एक्सप्रेस ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और मद्रास को एक करोड़ डालर (करीब 83.4 करोड़ रुपये) का अनुदान देने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत दोनों संस्थानों अनुदान देने का वादा किया है। बयान में कहा गया है कि यह सहयोग प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने, प्रतिभा का लाभ उठाने, वहनीयता और स्टार्टअप विकास को बढ़ावा देने के प्रति फेडेक्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

कंपनी इसके माध्यम से इन दोनों आईआईटी परिसारों में वैश्विक स्तर

पर मान्यता प्राप्त सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना में योगदान के लिए है।

फेडेक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी, राज सुब्रमण्यम ने इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, फेडेक्स में, हम सभी के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्मार्ट बनाना चाहते हैं। हम लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को नया आकार देने के अलावा, अपने समुदायों में सार्थक योगदान देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमें पता है कि इन प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हमारा सहयोग उन लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा। आईआईटी बंबई के निदेशक प्रोफेसर सुभासिस चौधरी ने कहा, आईआईटी बॉम्बे, विस्तार क्षमता वाले (स्केलेबल) और भविष्योन्मुख (फ्यूचरिस्टिक) समाधानों के विकास का समर्थन करने और युवा, योग्य प्रतिभाओं को सक्षम बनाने के लिए उद्योग जगत के नेतृत्व के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उद्योगों की उन्नति को सुविधाजनक बना सकें और राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके सामने आ रही बड़ी चुनौतियों का समाधान कर सकें। फेडेक्स के साथ हमारा सहयोग, उन्नत लॉजिस्टिक्स के विकास के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम है। आपूर्ति श्रृंखलाओं के डिजिटल परिवर्तन और डिजिटल ट्विन के एकीकरण जैसी कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने में ये प्रयास बहुत आगे तक जाएंगे और गहरा असर पैदा करेंगे। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि ने कहा, फेडेक्स के साथ मिलकर, हम एक ऐसा केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां प्रौद्योगिकी और प्रतिभा वहनीय लॉजिस्टिक्स के परिचालन के लिए साथ आएं।

खेल जगत

किंग कप सेमीफाइनल में पहुंची रोनाल्डो की टीम

रियाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अल नासर टीम ने यहां अल शबाब क्लब स्टेडियम में सऊदी अरब के घरेलू टूर्नामेंट किंग कप के क्वार्टर फाइनल में अल शबाब को 5-2 से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इवोरियन मिडफील्डर सेको फोफाना ने 17वें मिनट में अल नासर के लिए गोल किया। सेनेगल के फॉरवर्ड सादियो माने ने 28वें मिनट में बढ़त दोगुनी की। फिर, अब्दुर्रहमान ग़रीब ने 45वें मिनट में टीम के लिए तीसरा गोल किया। 74वें मिनट में कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने चौथा गोल किया, जबकि मोहम्मद मारन ने 90वें मिनट में पांचवां गोल कर सोमवार रात आसान जीत दर्ज की। वहीं, अल शबाब के लिए कारलोस (24%) और हत्तन बाहेबरी (90%) ने एक-एक गोल किया।

उत्तम सिंह के निर्णायक गोल से भारत ने जू. हॉकी विश्व कप के क्वॉर्टर में नीदरलैंड को 4-3 से हराया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (देशबन्धु)। गोलरक्षक मोहित के शुरू के दो क्वॉर्टर में तथा मैन ऑफ द' मैच रशर रोहित के आखिर दो मिनट में रोके आधा दर्जन पेनल्टी कॉर्नर की बदौलत तीन बार पिछड़ने के बाद गजब की वापसी कर कप्तान उत्तम सिंह के खेल खत्म होने से तीन मिनट पहले अंतिम पेनल्टी कॉर्नर पर दागे निर्णायक गोल की बदौलत भारत ने मजबूत नीदरलैंड को क्वालालंपुर में 13 वें एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सांस रोक देने वाले रोमांचक क्वॉर्टर फाइनल में मंगलवार सुबह 4-3 से हरा दिया। भारत और जर्मनी की जूनियर टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में आमने सामने होंगी। भारत की जूनियर टीम के पास जर्मनी से 2021 में भुवनेश्वर में जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली 2-4 की हार का हिसाब चुकता करने का मौका है। हयूगो वान मोटीजल्स और याकूब के तीसरे क्वॉर्टर में दागे एक एक गोल से जर्मनी की जूनियर टीम ने पूल ए में शीर्ष पर रही मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 2-1 से हराया। पराजित अर्जेंटीना की ओर एकमात्र गोल ऑगस्टीन बोनानो ने चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के शुरू में दागा।

भारत की जूनियर टीम के लिए स्ट्राइकर उत्तम सिंह, नौजवान स्ट्राइकर अर्जुन आदित्य लालगे, सौरभ आनंद कुशवाहा, अरिजित सिंह हुंदल ने एक -एक गोल दागा। भारत की जूनियर टीम के स्ट्राइकर उत्तम, अर्जुन, सौरभ व हुंदल ने लिंकमैन के रूप में खेलने वाले राजिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह तथा सुखविंदर और अमनदीप लाकरा द्वारा बराबर आगे बढ़ाई गेंद पर खासतौर पर आखिर के दो क्वॉर्टर में नीदरलैंड की जूनियर टीम के गोल पर हमलों का ऐसा तांता बांधा की उसे अपना किला महफूज रखना मुश्किल हो गया। टमो बोरिस, पेपिन

14 दिसंबर : सेमीफाइनल भारत वि. जर्मनी (शाम साढ़े तीन बजे से)

वान डेर हिजन और ओलिवर होरिन्टयूस ने पेनल्टी कॉर्नर पर तीन बार गोल कर नीदरलैंड की ओर से शुरू के तीन क्वॉर्टर में तीन बार बढ़त दिलाई। भारत की जूनियर टीम के बड़ा जिगरा दिखाने वाले नौजवानों की तारीफ करनी होगी कि पिछड़ने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने जीवट से न केवल बराबरी पाई बल्कि क्वॉर्टर फाइनल जीतने में भी सफल रही।

नीदरलैंड की जूनियर ने आक्रामक अंदाज में आगाज किया और टिमो बोरिस ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। पेपिन वान डेर हिजन ने दूसरे क्वॉर्टर के पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर गोल कर नीदरलैंड को 2-0 से आगे कर उसकी मैच मजबूत पकड़ बना दी। भारत की जूनियर टीम के गोलरक्षक मोहित की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने शुरू के दो शुरू क्वॉर्टर में करीब आधा दर्जन बेहतरीन बचाव कर नीदरलैंड की बढ़त 2-0 से ही सीमित रखी।

कप्तान उत्तम सिंह और अर्जुन आदित्य लालगे के साथ सौरभ और अरिजित हुंदल की चौकड़ी का तीसरे क्वॉर्टर के शुरू से पूरी ताकत हमलें पर झोंकना भारत की जूनियर टीम के काम आया। भारत की जूनियर टीम के आदित्य अर्जुन लालगे ने राजिंदर सिंह से डी भीतर दाएं मिली गेंद को तीसरे क्वॉर्टर के चौथे मिनट में गोल में डाल स्कोर 1-2 कर दिया। तीन मिनट बाद रोहित के लंबे स्कूप पर डी के भीतर लालगे ने जैसे ही अपनी स्टिक पर लेने की कोशिश की नीदरलैंड के खिलाड़ी ने उनकी स्टिक खींची और इस पर मिले पेनल्टी स्ट्रोक को अरिजित सिंह हुंदल ने गोल में बदल कर भारत की जूनियर टीम को 2-2 की बराबरी क्या दिलाई की पूरी टीम में मानों नींद से जाग गई। बस यही से मैच नीदरलैंड की जूनियर टीम के हाथ से फिसल गया। भारत की जूनियर टीम के बराबरी पाने के बाद नीदरलैंड ने पूरी ताकत फिर हमलों में झोंक दी और तीसरा क्वॉर्टर खत्म होने से एक मिनट पहले एक के बाद एक लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए । तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर बोरिस ने सीधे शॉट न लेकर %डमी' कर गेंद दाएं ओलिवर ओलिवर होरिन्टयूस की ओर बढ़ाई और उन्होंने तेज फ्लिक से गोल कर नीदरलैंड की जूनियर टीम को फिर 3-2 से आगे कर दिया। भारत की जूनियर टीम के खिलाड़ियों ने चौथे क्वॉर्टर में तेज आगाज किया और मैच के 52 वें मिनट में राजिंदर सिंह के डी के भीतर तेज शॉट को नीदरलैंड के गोलरक्षक डैन टफर्न ने पैड से रोका लेकिन लौटती गेंद को डी के भीतर खड़े सौरभ कुशवाहा ने लपक कर गोल में डाल भारत की जूनियर टीम को तीन- तीन की बराबरी दिला। बराबरी पाने के बाद भारत की जूनियर टीम ने अपने हमले तेज कर दिए और पांच मिनट के भीतर एक के बाद एक लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और इन पर शुरू के दो पेनल्टी कॉर्नर पर रोहित के ड्रैग फ्लिक को नीदरलैंड के गोलरक्षक टफर्न रोका और तीसरे पर इस सीधा शॉट लेने के बजाय विष्णुकांत ने गेंद बाएं खड़े कप्तान उत्तम सिंह की ओर पुश की और इस पर उत्तम सिंह ने अचूक जमीनी शॉट जमा मैच के 57 वें मिनट में गोल कर भारत की जूनियर टीम को 4-3 से आगे कर दिया। नीदरलैंड की जूनियर टीम ने आखिरी तीन मिनट में पांच पेनल्टी कॉर्नर किए लेकिन भारत की जूनियर टीम के रशर रोहित ने चार पर तेज फरार्टा लगा इसे अपनी स्टिक पर लेकर रोका और एक पर गोलरक्षक मोहित ने बेहतरीन बचाव किया। भारत की जूनियर टीम ने अपनी 4-3 की बढ़त को आखिर तक बरकरार जीत के साथ सेमीफाइनल में स्थान बना लिया।

लंबे अंतराल के बाद टेस्ट खेलने का इंतजार है : स्मृति मंधाना

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दस वर्षों में स्मृति मंधाना ने केवल चार महिला टेस्ट मैच खेले हैं। अगले तीन हफ्तों में, वह दो टेस्ट मैचों का हिस्सा बनने वाली हैं - इंग्लैंड के खिलाफ यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार से शुरू होने वाला एकमात्र टेस्ट और 23 दिसंबर से वानखेड़े में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ। स्मृति और भारतीय महिला टीम ने आखिरी टेस्ट दो साल पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैनबरा में खेला था जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। गुरुवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड महिलाओं के खिलाफ शुरू होने वाला एकमात्र टेस्ट 2014 के बाद भारत में खेला जाने वाला पहला महिला टेस्ट भी है। वह टेस्ट मैसूर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था जिसे भारत ने पारी और 34 रन से जीता था। मंधाना ने उस मैच में केवल 8 रन बनाए, जबकि हरमनप्रीत कौर, जो गुरुवार से शुरू होने वाले टेस्ट में भारत का नेतृत्व कर रही थीं, ने नौ विकेट (5-44 और 4-41) लिए, जिससे भारत ने व्यापक जीत दर्ज की। स्मृति के साथ, हरमनप्रीत कौर उस भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा थीं जो भारत में खेले गए आखिरी टेस्ट मैच के लिए मैदान पर उतरी थी और इसलिए जब भारत गुरुवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगा तो उन पर ध्यान केंद्रित होगा। टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने कोई टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और इसलिए वे मार्गदर्शन के लिए स्मृति और हरमनप्रीत से उम्मीद करेंगे। खिलाड़ियों को मल्टी-डे क्रिकेट खेलने के लिए बहुत कुछ अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी और वे घरेलू सर्किट पर केवल टी20 या 50 ओवर के मैच ही खेलेंगे। स्मृति मंधाना ने मंगलवार को टेस्ट शुरू होने से दो दिन पहले कहा, हम टेस्ट मैच क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हैं। हमने अपना आखिरी टेस्ट घरेलू मैदान पर 2014 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैसूर में खेला था। मुझे लगता है कि हम घरेलू मैदान पर फिर से व्हाइट पहनने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं और वहां जाओ और सफेद पोशाक में भारत का प्रतिनिधित्व करो। मुझे लगता है कि पिछले दो वर्षों में यह पूरी तरह से एक अलग एहसास है। हालांकि खिलाड़ी कुछ वर्षों के बाद खेल का लंबा संस्करण खेलेंगे, मंधाना ने कहा कि वे

खिलाड़ियों की खेल शैली को बदलने की कोशिश नहीं करेंगी और चीजें जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगी, स्थिति की मांग के अनुसार खुद को ढालेंगी। हालांकि मंधाना सहित अधिकांश खिलाड़ी तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने के बाद टेस्ट मैच में उतरेंगे, जिसमें भारत इंग्लैंड से 2-1 से हार गया था, मंधाना ने कहा कि सफेद गेंद से लाल गेंद क्रिकेट में स्विच करना ज्यादा कठिन नहीं होगा।

मंधाना ने कहा, अगर आप खुद को मानसिक रूप से तैयार करते हैं तो मुझे नहीं लगता कि यह बहुत मुश्किल है। मुझे नहीं लगता कि यह कोई बड़ा बदलाव है क्योंकि, आप जानते हैं, यह खुद को लागू करने के बारे में है। बल्लेबाजी ऐसी नहीं है कि मैं बहुत सारी तकनीक बदलने जा रही हूं। या, आप जानते हैं, मैं बहुत सी चीजें बदलने जा रही हूं। यह किसी भी चीज से ज्यादा धैर्य के मानसिक बदलाव के बारे में है, आप जानते हैं, आपको खुद को लागू करना होगा और खेलना होगा, उस चरण की मांग के अनुसार खेलना होगा। मैं मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण होगा क्योंकि मैं टीम में किसी को भी अपनी बल्लेबाजी तकनीक या गेंदबाजी तकनीक में बदलाव करते नहीं देखती हूं। इसमें बहुत समय लगता है। इसलिए निश्चित रूप से ये दो दिन हमारे लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं। मंधाना ने चार टेस्ट मैचों में 46.42 की औसत से 325 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

भारत के खिलाफ माइकल वॉन ने दी इंग्लैंड को चेतावनी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत दौरे से पहले इंग्लैंड को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उनका आक्रामक रवैया, जिसे अक्सर बैजबॉल कहा जाता है। वो एक विश्व स्तरीय टीम और खतरनाक स्पिन आक्रमण जिसमें रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जड़ेजा शामिल हैं, उनके आगे कायम रख सके। इंग्लैंड भारत का दौरा करने के लिए तैयार है। इसीबी ने सोमवार रात को अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें विशेष रूप से चार विशेषज्ञ स्पिनरों की प्रभावशाली संख्या शामिल है जो बदलते उपमहाद्वीप की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए तैयार हैं।

एशेज के दौरान इंग्लिश मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन की सफलता की ओर इशारा करते हुए, जहां उन्होंने आमतौर पर स्पिनरों के लिए प्रतिकूल मानी जाने वाली परिस्थितियों में 9 विकेट लिए, वॉन ने कहा कि जब इंग्लैंड को मजबूत भारतीय स्पिन आक्रमण का सामना करना पड़ेगा। जिसमें अश्विन, जडेजा और अक्षर पटेल शामिल हैं, तो उनके होश उड़ सकते हैं। वॉन ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा, दुनिया में खेलने के लिए सबसे कठिन जगह भारत है और अगर आप वास्तव में एशेज पर जाएं, जब नाथन लियोन फिट थे और अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 2-0 से आगे था। इंग्लैंड 25 जनवरी से 11 मार्च तक 5 टेस्ट खेलेगा और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट नहीं राष्ट्रीय कर्तव्य को प्राथमिकता देते हैं शाकिब

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी शाकिब अल हसन तीनों प्रारूपों में अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को लंबा करने के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अवसरों को छोड़ने के लिए तैयार हैं। वो आगामी टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखकर टी20 टीम में वापसी करने की योजना बना रहे हैं। शाकिब इस समय आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के दौरान पिछले महीने लगी उंगली की चोट से जूझ रहे हैं। वो अपना इरादा बना चुके हैं कि वो फ्रेंचाइजी क्रिकेट नहीं राष्ट्रीय कर्तव्य को प्राथमिकता देंगे और उनकी रणनीति खेल के तीनों प्रारूपों में अपने देश के लिए खेलना है।

पांच वनडे विश्व कप के अनुभवी खिलाड़ी दुनिया भर में घरेलू सफेद गेंद टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर छोड़ने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वो अपने देश के लिए नेतृत्व करना जारी रखें। आईसीसी वेबसाइट ने शाकिब के हवाले से कहा, मैंने आईपीएल में अपना नाम नहीं दिया था। इसलिए, वहां एक विंडो मिलेगी और जब

मेरे मैनेजर ने पीएसएल में मेरा नाम दिया तो मैंने उन्हें वो भी वापस लेने के लिए कहा और अब मेरा नाम पीएसएल में भी नहीं है। इसलिए मेरी योजना यह सारा समय राष्ट्रीय टीम को देने की है। उन्होंने आगे कहा, मैं तीन प्रारूपों में खेल रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि मैं इसे जारी रख सकूं। लेकिन, भविष्य के बारे में और क्या होने वाला है इसके बारे में कोई नहीं जानता। मगर अब तक मेरी लंबे समय तक क्रिकेट खेलने की इच्छा है। बांग्लादेश ने विश्व कप में केवल दो जीत के साथ संघर्ष किया, लेकिन उन्होंने दमदार प्रदर्शन के साथ वापसी की। जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर हाल ही में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला ड्रा कराई।

अब वे अपना ध्यान इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड में होने वाली सफेद गेंद की श्रृंखला पर केंद्रित कर रहे हैं। शाकिब खेलने के लिए तैयार थे लेकिन उन्हें चोट के पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इसे छोड़ने की सलाह दी गई थी।

शाकिब ने कहा, मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं वनडे और टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड जाऊंगा क्योंकि अब टीम दौरे के लिए रवाना हो रही है। मैं उसी तरह से योजना बना रहा था क्योंकि मुझे लगा कि मैं चार सप्ताह तक ठीक हो जाऊंगा। लेकिन मैंने दो दिन पहले एक डॉक्टर से सलाह ली थी और उन्होंने मुझे इंतजार करने के लिए कहा क्योंकि मुझे पूरी तरह फिट में होने में थोड़ा समय और लगेगा।

सार संक्षेप

जिम्बाब्वे श्रीलंका दौरे पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-30 मैच खेलेगा

हरारे। आगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए क्वालीफाइ करने में विफल रही जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम जनवरी में श्रीलंका दौरे पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेलेगी। टी-20 विश्वकप के मद्देनजर जिम्बाब्वे का यह दौरा श्रीलंकाई टीम के लिए उपयोगी होगा। श्रीलंका को इसी के साथ ही अगले वर्ष की शुरुआत में अफगानिस्तान और बंगलादेश के खिलाफ टी-20 श्रृंखलाएं भी खेलनी हैं। जिम्बाब्वे यह दोरा छह, आठ और 11 जनवरी को खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों के साथ शुरु होगा और इसके बाद 14, 16 और 18 जनवरी को टी-20 मैच खेले जायेंगे। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होंगे।

स्टिमैक ने एशिया कप के लिए जारी की 50 सदस्यीय संभावित सूची

नई दिल्ली। सीनियर इंडिया नेशनल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने अगले महीने दोहा में होने वाले एएफसी एशियन कप कतर 2023-24 के लिए संभावित खिलाड़ियों की 50 सदस्यीय सूची की मंगलवार को घोषणा की। भारत को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी), उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) के साथ रखा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें चार सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाले फिनिशरों (छह में से) के साथ राउंड 16 में अपनी जगह बनाएंगी। **50 सदस्यीय संभावित सूची : गोलकीपर :** गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, विशाल कैथ, धीरज सिंह, गुरुमीत सिंह चहल। **डिफेंडर :** नाओरेम रोशन सिंह, विकाश युमनाम, लालचुंगनुंगा, संदेश झिंगन, निखिल पुजारी, चिंगलेनसाना सिंह, प्रीतम कोटाल, होर्मिपम रुइवा, सुभाशीष बोस, आशीष राय, आकाश मिश्रा, मेहताब सिंह, राहुल भेके, नरेंद्र गहलोत, अमेय राणावाडे। **मिडफील्डर :** सुरेश सिंह वांगजम, रोहित कुमार, ब्रैंडन फर्नांडिस, उदांता सिंह कुमाम, यासिर मोहम्मद, जैक्सन सिंह थौनाओजम, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, ग्लेन मार्टिंस, लिस्टन कोलासो , दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, विनित राय, निन्थोइंगानबा मीतेई, नाओरेम महेश सिंह. **फॉरवर्ड :** सुनील छेत्री, रहीम अली, फारुख चौधरी, नंदकुमार सेकर, शिव शक्ति नारायणन, राहुल केपी, इशान पंडिता, मनवीर सिंह, कियान नासिरी, लालियानजुआला चांगटे, गुरकीरत सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, बिपिन सिंह, पार्थिब गोगोई, जेरी माविहमिंगथांगा।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को 131 रनों से हराया

क्वीन्सटाउन 12 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बेट्स 108 रनों की शतकीय पारी और बेजुइडेनहाउट 86 रन, केर 83 रन, डिवाइन 70 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पाकिस्तान को पहले एकदिवसीय मुकाबले 131 रनों हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड की सलामी बल्लेबाजों सुजी बेट्स और बर्नाडाइन बेजुइडेनहाउट ने पहले पावरप्ले में 51 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की।

बेजुइडेनहाउट ने 18वें ओवर में 50 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, वहीं बेट्स ने 22वें ओवर में 57 गेंदों पर अपना अर्धशतक बनाया। अमेलिया केर ने बेट्स के साथ अच्छी

बल्लेबाजी करते हुए रनों की गति को बढ़ाये रखा। बेट्स ने 38वें ओवर में चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। हालाँकि उन्हें अगले ओवर में उम्म-ए-हानी ने 108 के स्कोर पर आउट कर दिया। 44वें ओवर में डार चेहरे पर गेंद लगने के कारण चोटिल हो गई। न्यूजीलैंड में महिला एकदिवसीय मैच में यह पहली बार हुआ कि किसी टीम की शीर्ष चार बल्लेबाजों में से सभी ने 70 रन या उससे अधिक रन बनाए है। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में चार विकेट पर 365 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 366 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने भी ठोस शुरुआत की अमीन और मुनीबा अली ने नौवें ओवर में 50 रन की साझेदारी की। अमीन ने 14वें ओवर में 51 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। डिवाइन को 19वें ओवर में सफलता मिली, उन्होंने मुनीबा को 44 रन पर आउट कर पवेलियन वापस भेज दिया। फ्रैन जोनास ने इसके बाद डार की जगह बल्लेबाजी करने आयी सदफ शमास को 10 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की गति काफी धीमी कर दिया। हालांकि इस दौरान अमीन ने इस प्रारूप में अपना चौथा शतक बनाया और वह 105 रन पर रन आउट हुई।

वापसी से पहले कुवैत में प्रशिक्षण कर रहे हैं राफेल नडाल

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राफेल नडाल की एटीपी टूर में जल्द वापसी करीब आ रही है। 2024 ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापसी की उनकी यात्रा में 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक होने वाले टूर्नामेंट से होनी है। स्पैनियार्ड ने कुवैत में राफेल नडाल अकादमी की यात्रा की, जो 2020 में शेख जाबेर अल-अब्दुल्ला अल-जबर अल-सबा अंतर्राष्ट्रीय टेनिस कॉम्प्लेक्स में खुली। वहां, उन्होंने 19 वर्षीय फ्रांसीसी आर्थर फिल्स के साथ एक प्रशिक्षण सत्र साझा किया, जो हाल ही में नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। नडाल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कुवैत में कुछ दिनों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करना बहुत अच्छा है। हर कोई स्वागत कर रहा है। हर चीज के लिए धन्यवाद। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, नडाल ने ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में कुछ ही हफ्तों में मिलने वाले तापमान और स्थितियों की तलाश में कुवैत की यात्रा की। स्पैनियार्ड, जिसने हाल ही में अपनी वापसी के बारे में सतर्क उत्साह का संदेश पोस्ट किया था। इस साल 18 जनवरी को मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में कोर्ट में उतरने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रहा है। नडाल ने कहा, मैंने पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो कहा था कि मैं प्रेस रूम में अपने खेल करियर को समाप्त नहीं कर सकता। मैं एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहूंगा और मैंने संघर्ष किया है और वापसी करने के लिए तैयार हूं।

पहले महिला टी20 मैच में भारत ने नेपाल को 8 रन से हराया

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां) बिनीता पुन की 92 रनों की साहसिक पारी बेकार चली गई, क्योंकि भारत ने यहां पुलिस जिमखाना क्रिकेट ग्राउंड में पहली बार नेत्रहीन महिला द्विपक्षीय टी20 सीरीज में नेपाल को 8 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 194/4 रन बनाए और फिर नेपाल को 186/4 पर रोक दिया क्योंकि मेहमान लक्ष्य का पीछा करने में विफल रहे। सोमवार की जीत के साथ, भारत ने नेत्रहीन महिलाओं की द्विपक्षीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त ले ली है। 195 रनों का पीछा करते हुए, नेपाल ने भारतीय गेंदबाजों पर पूरी तरह से हमला बोल दिया, क्योंकि बिनीता पुन ने सनसनीखेज अर्धशतक लगाया और मेहमान टीम ने 11 ओवर में 100 रन बनाए।

नेपाल ने 12वें ओवर में मनकेशी चौधरी का विकेट जरूर गंवाया, हालांकि बिनीता ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 18वें ओवर में स्कोर 170 रन तक पहुंचा दिया. जब सिर्फ 25 रन चाहिए थे तो भारत ने वापसी की और 8 विकेट हाथ में होने के बावजूद नेपाल को रन नहीं बनाने दिया। नेपाल ने दो और विकेट खोए और 186/4 पर सिमट गया।

फुला सारेन को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें ट्रॉफी और प्रमाणपत्र के साथ 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार मिला। भारत और नेपाल अब मंगलवार को उसी स्थान पर दूसरे टी20 मैच में आमने-सामने होंगे। इससे पहले दिन में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए वापसी कर सकते हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के लिए वापसी करने को तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो को पता चला है कि फ़्रैंचाइज़ी को उम्मीद है कि दिसंबर 2022 में कार एक्सीडेंट में चोटिल होने के बाद 2023 सीज़न नहीं खेलने वाले पंत फ़रवरी के अंत तक पूरी तरह से फ़िट हो जाएंगे।

इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि क्या वह विकेटकीपर बल्लेबाज़ के तौर पर वापसी करेंगे या एक विशेषज्ञ बल्लेबाज़ के तौर पर लेकिन फ़्रैंचाइज़ी कप्तान और बल्लेबाज़ की भूमिका से ही खुश है।

पंत की आईपीएल वापसी के पहले संकेत नवंबर में मिले थे, जब उन्होंने कोलकाता में दिल्ली कैपिटल्स कैंप में हिस्सा लिया था। इस कैम्प में सीनियर

फ़्रैंचाइज़ी सहायक स्टाफ़ सौरव गांगुली (डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट), रिकी पोंटिंग (प्रमुख कोच) और प्रवीण आमरे (सहायक कोच) भी मौजूद थे।

पंत ने रिटेंशन और रिलीज़ किये जाने वाले खिलाड़ियों पर चर्चा की थी क्योंकि आने वाली 19 दिसंबर को दुबई में नीलामी होनी है। कार एक्सीडेंट के कारण पंत के दायें घुटने में गंभीर चोटें आई थीं और वह 2023 में पूरी तरह से क्रिकेट से दूर रहे। इसके बाद पंत की सर्जरी हुई और उन्होंने बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में रिहैब किया।

पिछले महीनों में उन्होंने कई वीडियो पोस्ट किए जिसमें उन्होंने बताया कि रिकवरी प्लान के मुताबिक चल रही है। उन्होंने बल्लेबाज़ी तो शुरू कर दी है लेकिन यह पुष्टि नहीं हुई है कि वह कीपिंग भी करेंगे।

जुलाई से बीसीसीआई की ओर से पंत पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है। बीसीसीआई ने तब कहा था कि रिहैब में वह काफ़ी सुधार कर रहे हैं और नेट्स पर बल्लेबाज़ी और कीपिंग दोनों कर रहे हैं। अगर अगले साल फ़रवरी तक एनसीए द्वारा पंत को मंजूरी दे दी जाती है, जैसा कि फ़्रैंचाइज़ी को उम्मीद है, तो 2022 के अंत में बांग्लादेश दौरे में खेलने के बाद आईपीएल पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें वह खेलेंगे।

पिछले सीज़न में पंत की अनुपस्थिति में दिल्ली ने डेविड वॉर्नर को अंतरिम कप्तान नियुक्त किया था। वे 14 मैचों में पांच जीत और नौ हार के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर रहे थे।